सुप्रभात
रांची, मंगलवार
13.05.2025
* * नगर संस्करण। पेज : 12

धरती आबा की ऊर्जावान भूमि से प्रकाशित लोकप्रिय दैनिक

खबर मन्त्र

रांची और धनबाद से एक साथ प्रकाशित
सबकी बात सबके साथ

khabarmantra.net | जेठ, कृष्णपक्ष पक्ष, प्रतिपदा, संवत् 2082 | मूल्य : ₹ 3 । वर्ष : 12 । अंक : 297

12 कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास पर भावुक हुईं अनुष्का

न्यूज डायरी

32 नागरिक हवाई अड्डों का संचालन शुरू

नयी दिल्ली। केंद्र सरकार ने हिंडन, श्रीनगर, चंडीगढ़, जोधपुर, राजकोट और भुज समेत देश के 32 हवाई अड्डों को नागरिक विमान परिचालन के लिए फिर से खोल दिया है। सरकार ने पाकिस्तान के साथ सैन्य कार्रवाई के मद्देनजर इन हवाई अड्डों पर संचालन 15 मई तक के लिए अस्थायी रूप बंद कर दिया था। अब इस पाबंदी को अब हटा लिया है। ये हवाई अड्डे अब तत्काल प्रभाव से नागरिक विमान परिचालन के लिए उपलब्ध हैं।

हाई टेंशन तार से सटा बाराती बस, दो की मौत

देवघर। देवघर-मोहनपुर मार्ग पर चिरैया मोड़ के पास बारातियों से भरी एक बस बाईटेंशन तार की चपेट में आ गयी। इससे दो लोगों की मौत हो गयी। कई लोग झुलस गये। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोगों ने सभी घायलों को देवघर सदर अस्पताल पहुंचाया। बाराती बांका जिले से लौट रहे थे। बस में करीब 40 बाराती मौजूद थे।

डैम में डूबने से किशोर की मौत

चतरा। नहाने के दौरान डैम में डूबने से एक किशोर युवक की मौत हो गयी। इस घटना से गांव में मातम का माहौल है। सोमवार दोपहर जंगल से लौटकर नहाने के क्रम में यह हादसा हुआ। तीन अन्य किशोर बाल बाल बच गए हैं। यह घटना पत्थलगडा और सिमरिया प्रखंड के सीमा स्थित सिनपुर डैम में घटी। सिमरिया प्रखंड के तपसा निवासी तुलसी यादव के 15 वर्षीय पुत्र योगेश यादव अपने चार दोस्तों के साथ सिनपुर डैम के समीप केंदु खाने के लिए गया हुआ था। इसी दौरान योगेश सहित सभी दोस्तों ने नहाने के उद्देश्य से सिनपुर डैम में छलांग लगा दी। उसे डूबते हुए देख दोस्तों ने उसे बचाने का काफी प्रयास किया, लेकिन वह गहरे पानी में डूब गया।

सीजफायर के बाद शेयर बाजार में तूफानी तेजी

मुंबई। भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर के बाद सप्ताह के पहले कारोबारी दिन सोमवार को भारतीय शेयर बाजार में चार साल की सबसे तेजी देखने को मिली। सेंसेक्स दिनभर तेजी में कारोबार करने के बाद मार्केट क्लोज होने पर 2975 अंक की जोरदार उछाल के साथ 82,429.90 के लेवल पर क्लोज हुआ।

ट्रेन पलटाने की साजिश में साधु गिरफ्तार

वेल्लोर। काचीगुडा रेलवे पुलिस को सूचना मिली थी कि तेलंगाना के हैदराबाद महानगर क्षेत्र में काचीगुडा और पुथुवेल सहित कई स्थानों पर रेलवे पटरियों पर पत्थर रखे जा रहे हैं। आरपीएफ के डीआर मीना के नेतृत्व में एक विशेष टीम ने मौके पर जाकर जांच की। इलाके से सीसीटीवी फुटेज जब्त कर खंगाला। जांच में पता चला कि इस साजिश में एक साधु शामिल था।

पाक को पीएम मोदी का कड़ा संदेश - टेरर और टाक, पानी और खून एक साथ असंभव

परमाणु ब्लैकमेल भारत नहीं सहेगा

- दुनिया ने भारत का पराक्रम और धैर्य दोनों देखा
- पाक से यदि बात होगी तो सिर्फ पीओके वापसी पर

एजेंसी

नयी दिल्ली। पीएम नरेंद्र मोदी ने राष्ट्र के नाम संबोधन के दौरान साफ किया कि पाकिस्तान का न्यूक्लियर ब्लैकमेल भारत जरा भी सहने वाला नहीं है। भविष्य में इस तरह का आतंकी हमला हुआ तो पड़ोसी देश को और सख्त तरीके से समझायेंगे। पीएम ने साफ किया कि आतंकियों ने हमारी बहनों के सिंदूर उजाड़े तो हमने उनके हेडक्वार्टर ही उजाड़कर रख दिये। उन्होंने साफ-साफ कहा कि, टेरर-टॉक और टेरर-ट्रेड, पानी और खून एक साथ नहीं चल सकते। पीएम ने कहा कि शांति का मार्ग भी शक्ति से ही होते हुए जाता है। दुनिया ने भारत का पराक्रम और धैर्य दोनों देख लिया। पीएम मोदी ने कहा, भारत ने अपनी शर्तों पर युद्ध विराम किया है। आपरेशन सिंदूर जारी है और यदि पाकिस्तान ने फिर कुछ गड़बड़ करने की कोशिश की तो भारत अपनी शर्तों पर आतंकवाद का जवाब देगा। हम आतंकी सरपरस्त सरकार और आतंक के

आकाओं को अलग-अलग नहीं देखेंगे। आवश्यकता पड़ने पर शक्ति का इस्तेमाल करना जरूरी है। पीएम मोदी ने भाषण के अंत में फिर से सेना को सलाम किया। हम भारत और अपने नागरिकों को किसी भी खतरे से बचाने के लिए लगातार कदम उठाते रहेंगे।

सैन्य कार्रवाई रुकी नहीं है, और करारा जवाब देंगे

पीएम मोदी ने कहा, हमने अभी अपने सैन्य कार्यवाही को सिर्फ स्थगित किया है। आने वाले दिनों में पाकिस्तान के रवैये का देखेंगे फिर आगे का फैसला लिया जायेगा। हमारी सेना लगातार अलर्ट पर है। उन्होंने कहा कि, ऑपरेशन सिंदूर भारत की नीति है। ऑपरेशन सिंदूर ने लड़ाई में एक नयी लकीर खींची है। आपरेशन सिंदूर ने नया आयाम जोड़ा है। पीएम ने भारत का यह सफल आपरेशन देश की सभी महिलाओं को समर्पित किया।

आतंकवाद ही पाक को ले डूबेगा : पीएम मोदी ने कहा, टेरर और ट्रेड, टेरर और टॉक, खून और पानी एक साथ नहीं हो सकता। उन्होंने कहा पाकिस्तान से यदि भविष्य में कोई बात होगी, तो वह सिर्फ पीओके लौटाने और आतंकवाद पर ही होगी और कुछ नहीं। पाकिस्तान सरकार आतंकवाद को खाद-पानी दे रहे हैं, यह आतंकवाद पाकिस्तान को ही साफ कर देगा। पाकिस्तान को आतंकवाद को समाप्त करना होगा। इसके अलावा शांति का कोई दूसरा रास्ता नहीं है। पीएम मोदी ने कहा आज बुद्ध पूर्णिमा है। बुद्ध ने शांति की बात कही थी और शांति भी ताकत से ही आता है। इसलिए भारत का शक्तिशाली होना भी बहुत जरूरी है।

उसने सिंदूर उजाड़ा, हमने आतंक का अड्डा उड़ा दिया : पीएम ने आतंकियों ने हमारी बहनों के सिंदूर को उजाड़ा था इसलिए भारत ने उनका हेडक्वार्टर उजाड़ दिया। भारत ने 100 से अधिक खूंखार आतंकियों को मार गिराया। आज हर आतंकी, आतंक का हर संगठन जान चुका है कि हमारी बहनों बेटियों के माथे से सिंदूर हटाने का अंजाम क्या होता है।

(शेष पेज 11 पर)

चाईबासा में फिर हुआ धमाका घायल जवान रांची एयरलिफ्ट

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची, चाईबासा। चाईबासा में नक्सलियों द्वारा बिछाये गये आइइडी ब्लास्ट की चपेट में आने से झारखंड जगुआर का एक जवान घायल हो गया। घायल जवान को बेहतर इलाज के एयरलिफ्ट कर रांची लाया गया। घटना चाईबासा के छोटानागरा थाना क्षेत्र में हुआ है। सुरक्षा बलों द्वारा चलाये जा रहे एंटी नक्सल अभियान के दौरान सोमवार को छोटानागरा थाना के कुलापाबुरू, दलाईगढ़ा और मरांगपोंगा के जंगली व पहाड़ी क्षेत्र में यह धमाका हुआ। घायल जवान आरक्षी 101 मनोज कुमार दमाई बम निरोधक दस्ते का है। प्राथमिकी उपचार के बाद उसे रॉची लाया गया है। उक्त जख्मी कर्मी की स्थिति स्थिर है। नक्सल विरोधी अभियान जारी है।

गौरतलब है कि प्रतिबंधित नक्सली संगठन भाकपा (माओवादी) के शीर्ष नेता मिसिर बेसरा, अनमोल, मोछु, अनल, असीम मंडल, अजय महतो, सागेन अंगरिया, अश्विन, पिंटु लोहरा, चंदन लोहरा, अमित हांसदा उर्फ अपटन, जयकांत, रापा मुंडा अपने दस्ता सदस्यों के साथ सारंडा , कोल्हान क्षेत्र में विध्वंसक गतिविधि के लिए भ्रमणशील है। चाईबासा पुलिस, कोबरा 203 बीएन, 209 बीएन, झारखण्ड जगुआर एवं सीआरपीएफ 26 बीएन, 60 बीएन, 134 बीएन, 174 बीएन, 193 बीएन, 197 बीएन, की टीमों का एक संयुक्त अभियान दल गठित कर लगातार अभियान संचालित किया जा रहा है। 04 मार्च 2025 से एक विशेष संयुक्त अभियान छोटानागरा एवं जराईकेला थाना के सीमावर्ती जंगली व पहाड़ी क्षेत्र में प्रारंभ किया गया है।

इस घटना की पुष्टि कोल्हान डीआईजी मनोज रतन चौथे ने की है। उनके पैर में गंभीर चोट लगी है। प्राथमिक उपचार के बाद जवान को रांची ले जाया गया, जहां जवान खतरे से बाहर है।

एयर मार्शल ने पाकिस्तान को दी कड़ी नसीहत

... भय बिनु होय ना प्रीत

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय वायुसेना के एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर देश के सामने एक ऐसा बयान दिया, जो न केवल साहस और संकल्प से भरा है बल्कि भावनाओं का जीवंत प्रतीक भी बन गया है। उन्होंने रामचरित मानस के सुंदर कांड की पंक्तियों का जिक्र करते हुए कहा- विनय न माने जलधि जड़, गये तीनि दिन बीति, बोले राम सकोप तब भय बिनु होय ना प्रीत। इन पंक्तियों के जरिए उन्होंने पाकिस्तान को चेतावनी दी कि भारत की शांति और संयम को उसकी कमजोरी न समझा जाये। उनके इस कथन ने हर भारतीय के मन में गर्व और आत्मविश्वास जगाया। एयर मार्शल भारती ने गर्व के साथ कहा, हमारी

लड़ाई आतंकवादियों के साथ है, न कि पाकिस्तानी सेना के साथ। पाकिस्तान की सेना ने आतंकियों का साथ दिया, तब हमने उसका जवाब दिया। नुकसान की जिम्मेदारी उनकी है।

इशारों-इशारों में पाक को चेता दिया

दरअसल, सुंदर कांड में इस प्रसंग का सुंदर वर्णन है। लंका पर चढ़ाई के समय भगवान श्रीराम ने विनयपूर्वक समुद्र से मार्ग देने की गुहार की। लेकिन समुद्र का उस पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता, तब भगवान राम समझ जाते हैं कि अब अपनी शक्ति से उसमें भय उत्पन्न करना आवश्यक है। एयर मार्शल ने इसी प्रसंग से जुड़ी चौपाई सुनायी। एयर मार्शल भारती ने कहा, समझदार के लिए इशारा काफी है। तुर्की ड्रोन हों या किसी और के ड्रोन हों, हमने दिखा दिया है कि किसी भी तरह की टेक्नोलॉजी का सामना करने के लिए हम तैयार हैं।

अगला प्राहर अलग तरह का होगा : एयर मार्शल भारती ने कहा, अगली लड़ाई का तरीका अलग होगा, हमें बस दुश्मन से एक कदम आगे रहना है। ऑपरेशन की तकनीकी बारीकियों पर टिप्पणी करते हुए कहा, हमें जितना बताना था, बता दिया। (शेष पेज 11 पर)

समय से पहले झारखंड आयेगा मानसून, स्थिति साफ नहीं

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। इस साल आईएमडी ने सामान्य से चार दिन पहले यानी 27 मई को केरल में मानसून के प्रवेश करने का अनुमान जताया है। ऐसे में क्या झारखंड में मानसून अपनी सामान्य तिथि 10 जून से पहले प्रवेश करेगा। मौसम केंद्र, रांची के मौसम पूवार्नुमान वैज्ञानिक अभी इस पर कुछ कहने की स्थिति में नहीं हैं। केंद्र के वरिष्ठ मौसम पूवार्नुमान वैज्ञानिक सतीश चंद्र मंडल ने कहा कि वे पहले से ही इस पर नजर रखे हुए हैं, लेकिन जब मानसून केरल में प्रवेश करेगा, तभी वे झारखंड में मानसून के बारे में कुछ कह पायेंग। सतीश चंद्र मंडल ने कहा कि आम तौर पर लोग यह मान लेते हैं कि अगर केरल में मानसून चार दिन पहले आ रहा है, तो झारखंड में भी मानसून चार दिन पहले आयेगा, लेकिन ऐसा होने की संभावना बहुत कम है। उन्होंने कहा कि मानसून सिस्टम की प्रगति उस समय की कई स्थितियों पर निर्भर करती है। अगर स्थितियां अनुकूल रहीं, तो मानसून सिस्टम आगे बढ़ता है। श्री मंडल ने कहा कि पिछले साल मानसून ने उनके राज्य में 21 जून को प्रवेश किया था। यह सामान्य तिथि 10 जून से 11 दिन देरी से आया था। उन्होंने बताया कि पिछले एक दशक में झारखंड में अधिकांश बार मानसून देरी से पहुंचा है।

एक और युग का अंत : रोहित के बाद विराट ने भी टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहा

मन भारी पर अंदर से सही लगा

एजेंसी

नयी दिल्ली। भारतीय टेस्ट क्रिकेट के एक युग का अंत हो गया। हिट मैन रोहित शर्मा के बाद भारतीय क्रिकेट के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने भी सोंमवार को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। इस चौंकाने वाले फैसले की जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने इंस्टाग्राम अकाउंट के माध्यम से दी। कोहली ने अपने भावुक पोस्ट में टेस्ट क्रिकेट के प्रति अपने जुनून, इस प्रारूप से

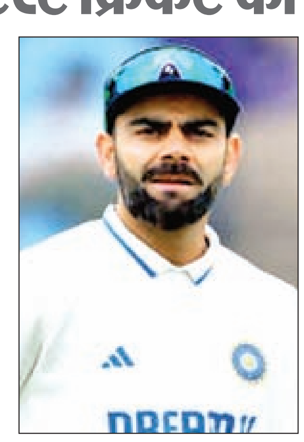

मिली सीख और अपने 14 साल के शानदार सफर को साझा किया। रोहित शर्मा ने तीन दिन पहले ही संन्यास की घोषणा की थी।

जीवन भर याद रखूंगा : विराट ने अपने पोस्ट में लिखा, 14 साल पहले मैंने पहली बार टेस्ट क्रिकेट में ब्लू कैप पहनी थी। ईमानदारी से कहूं तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि यह प्रारूप मुझे ऐसी यात्रा पर ले जायेगा। इसने मुझे परखा, मुझे गढ़ा और ऐसी सीख दी जो मैं जीवनभर साथ रखूंगा। मैंने टेस्ट क्रिकेट को अपना सब कुछ दिया, और इसने मुझे उससे कहीं ज्यादा लौटाया। कोहली ने कहा, सफेद जर्सी में खेलने में कुछ खास है। ये एक शांत, लंबा और धैर्य से भरा सफर होता है। ये छोटे-छोटे पल जो कोई नहीं देखता लेकिन जो हमेशा आपके साथ रहते हैं।

जेएससीए चुनाव : अजय नाथ शाहदेव सौरभ तिवारी, संजय पांडे ने भरा पर्चा

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) चुनाव सत्र (2025-28) के लिए चुनाव को लेकर अब सरगर्मी तेज हो गयी है। 18 मई को होनेवाले चुनाव को ले कर नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। 13 मई को नामांकन का अंतिम दिन है। सोमवार को बुद्ध पूर्णिमा के दिन अधिकांश कैंडिडेट्स ने नामांकन पर्चा दाखिल कर दिया। इनमें झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन के पदाधिकारी अजय नाथ शाहदेव ने अध्यक्ष पद के लिए नॉमिनेशन फाइल किया है, जबकि सचिव पद के लिए क्रिकेटर सौरभ तिवारी ने नॉमिनेशन फाइल किया है। वहीं उपाध्यक्ष पद के लिए संजय पांडे, कोषाध्यक्ष पद के लिए अमिताभ घोष और ज्वाइंट सेक्रेटरी के पद पर क्रिकेटर शाहबाज नदीम ने नामांकन पर्चा दाखिल किया है। इस चुनाव में एक अध्यक्ष, एक उपाध्यक्ष, एक सचिव, एक कोषाध्यक्ष, एक संयुक्त सचिव और पांच कार्यकारिणी सदस्यों का चुनाव होगा। इसके अलावे चार जिला प्रतिनिधि, एक स्कूल प्रतिनिधि, एक क्लब प्रतिनिधि और एक संस्थान प्रतिनिधि का भी चयन किया जाना है और इन्हीं पदों पर नॉमिनेशन की प्रक्रिया जारी है। श्री शाहदेव ने कहा कि स्व अमिताभ चौधरी के पदचिन्हों पर चलते हुए जेएससीए की गरिमा का निर्वहन करते हुए इसके उद्देश्यों को पूरा करना हमारा मकसद है।

हेमंत ने रखी नये सीएम आवास की आधारशिला

ब्रिटिश काल के इस वीआइपी भवन से जुड़ी हैं कई रोचक बातें

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोमवार को नये सीएम आवास की आधारशिला रखी। यह आवास पूरी तरह से आधुनिक सुविधाओं और सुरक्षा मानकों को ध्यान में रखकर तैयार किया जायेगा। इससे सरकार की कार्यप्रणाली और मुख्यमंत्री के कामकाज को बेहतर बनाया जा सके। नये सीएम आवास का निर्माण कार्य शुरू हो गया है। खुद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने अपनी पत्नी कल्पना सोरेन के साथ इसकी आधारशिला रख दी है। आज बुद्ध पूर्णिमा के शुभ मौके पर विधि विधान के साथ नये भवन की नींव रखी गयी।

कभी कैफोर्ड हाउस के नाम से प्रसिद्ध था : रांची के कांके रोड स्थित सीएम आवास में कभी कमीश्नर रहा करते थे। अंग्रेजों के जमाने के इस आवास को 'कैफोर्ड हाउस ' के नाम से जाना जाता था। झारखंड बनने पर इसको मुख्यमंत्री आवास का दर्जा मिला। यह भवन करीब ढाई दशक तक राज्य में सत्ता के शीर्ष पद का गवाह बना रहा।

इस दौरान इस आवास के साथ कई मिथक भी जुड़े रहे, जो अब अतीत का हिस्सा बन गये हैं। कैफोर्ड हाउस को तोड़कर नये सीरे से सीएम आवास का निर्माण कार्य शुरू हो गया है।

कई कहानिया जुड़ी हैं सीएम आवास के साथ : सीएम आवास होते हुए भी इस हाउस से कई कहानियां जुड़ी हैं, क्योंकि क्योंकि सीएम की कुर्सी संभालने वाला कोई नेता इस आवास में रहते हुए अपना कार्यकाल पूरा नहीं कर पाया। (शेष पेज 11 पर)

अंग्रेजों ने कमीश्नर के लिए बनवाया था

दरअसल, 1853 में बंगाल के लेफ्टिनेंट गवर्नर के प्रिंसिपल एजेंट थे कमिश्नर एलियन। उन्होंने इस भवन की नींव रखी थी, लेकिन भवन बनने से पहले एलियन का ट्रांसफर हो गया और कैफोर्ड ने पद संभाला। उनके पद संभालते ही भवन निर्माण में तेजी आयी और साल भर के अंदर 1854 में ब्रिटिश हुकूमत ने कमिश्नर सिस्टम को इंप्लीमेंट कर दिया, तब कैफोर्ड को छोटानागपुर का पहला कमिश्नर बनाया गया। वह इस हाउस में रहने वाले पहले अधिकारी बने तभी से इस भवन को कैफोर्ड हाउस कहा जाने लगा। इस कैंपस में आम समेत कई फलों को पेड़ मौजूद हैं।

फिर भूकंप से दहला पाकिस्तान

इस्लामाबाद । पाकिस्तान एक बार फिर से भूकंप से दहल गया। एक सप्ताह में पाकिस्तान में तीसरी पर भूकंप के झटके महसूस किये गये। इस बार ये किसी भारतीय मिसाइल या ड्रोन से नहीं बल्कि प्राकृतिक भूकंप से दहला है। भूकंप के झटके पाकिस्तान के प्रांत बलूचिस्तान में महसूस किये गये। भारतीय समयानुसार भूकंप दोपहर 1 बजकर 26 मिनट और 32 सेकंड पर दर्ज किया गया। 5 मई को पाकिस्तान में भूकंप आये थे। एनसीएस के मुताबिक, भूकंप 10 किलोमीटर की उथली गहराई पर आया था, जिससे इसके बाद के झटकों की आशंका बनी हुई है। पाकिस्तान और उसके आसपास का इलाके भूकंप के लिहाज से संवेदनशील हैं।

मईयां सम्मान योजना में 5.46 लाख बहन-बेटियों को अपात्र ठहराने पर भाजपा की प्रतिक्रिया

वोट बैंक वाली राजनीति का सच है 5.46 लाख बहन-बेटियों का अपमान: राफिया

- चेतावनी दी कि यदि एक भी बहन-बेटी से वसूली की गई तो भाजपा आंदोलन करेगी।
- मार्च 2025 तक आधार लिंकिंग और दस्तावेजी सत्यापन के नाम पर केवल 37.55 लाख बहन-बेटियों को ही योजना का लाभ मिला

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा की प्रदेश प्रवक्ता राफिया नाज ने झारखंड सरकार द्वारा मइयां सम्मान योजना के तहत 5.46 लाख बहन-बेटियों को अपात्र ठहराने के निर्णय पर गहरी नाराजगी जताई है। उन्होंने कहा कि यह निर्णय हेमंत सोरेन सरकार की दोहरी नीति और वोट बैंक राजनीति का स्पष्ट प्रमाण है। इसने पहले इन गरीब बहन-बेटियों को योजना में शामिल कर वोट बटोरे और अब चुनाव बाद उन्हें अपात्र बताकर अपमानित किया जा रहा है।

उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार ने इन गरीब बहन-बेटियों को सिर्फ वोट बैंक की भेंट चढ़ाया और चुनाव के बाद अपात्र घोषित कर उनका अपमान किया। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि एक भी बहन-बेटी से वसूली की गई तो भाजपा आंदोलन करेगी। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार पैसे देकर वोट लेती है, लेकिन फिर सत्ता में आने के बाद वसूली करती है, यही इनका असली चरित्र है।

मंईयां योजना को लेकर राज्य सरकार को घेरा

उन्होंने कहा कि मार्च 2025 तक आधार लिंकिंग और दस्तावेजी सत्यापन के नाम पर केवल 37.55 लाख बहन-बेटियों को ही स्थायी रूप से लाभ मिला। लेकिन, अब अचानक 5.46 लाख को अपात्र कहकर सूची से हटाया जा रहा है और अब सरकार वसूली की भी बात कर रही है। उन्होंने सवाल किया कि अगर ये बहन-बेटियां वास्तव में अपात्र थीं, तो उन्हें डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर के माध्यम से राशि क्यों दी गई। उन्होंने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और उनकी पत्नी कल्पना सोरेन को सीधे तौर पर आड़े हाथों लेते हुये पूछा कि क्या बहन-बेटियां अब ऋण लेकर सरकार को पैसा लौटायेंगी। क्या उन्हें ऋणी बनाकर अपमानित करने की तैयारी है। उन्होंने याद दिलाया कि कल्पना सोरेन ने वादा किया था कि झारखंड की हर बहन-बेटी को सम्मान राशि मिलेगी लेकिन, आज यही सरकार अपने वादों से पलट रही है। उन्होंने कहा कि हेमंत सरकार का यह दोहरा मापदंड साफ करता है कि कभी इन बहन-बेटियों का वास्तविक भला नहीं चाहा गया, वे केवल चुनावी वोट बैंक थीं। उन्होंने जोर देकर कहा कि भाजपा की प्राथमिकता हमेशा बहन-बेटियां रही हैं। उन्होंने कहा कि एक सशक्त नारी ही एक सशक्त परिवार की नींव होती है। उन्होंने चेतावनी दी कि मइयां सम्मान योजना के नाम पर अब ठगना बंद करे सरकार और अगर एक भी बहन.बेटी से वसूली की गई तो हम सड़क से सदन तक अपनी बहनों-बेटियों की आवाज को इतना बुलंद करेंगे।

भाजपा की राजनीति केवल भ्रम फैलाने तक ही सीमित : झामुमो

- भाजपा की राजनीति केवल भ्रम फैलाने और अवरोध पैदा करने तक सीमित

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झामुमो ने कहा है कि भाजपा जनादेश का अपमान करने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। झामुमो महासचिव सह प्रवक्ता विनोद कुमार पांडेय ने कहा है कि भाजपा को यह समझ लेना चाहिये कि जनता ने उन्हें विपक्ष में बैठने के लिए चुना है, न कि निराधार आरोप लगाने के लिए। उन्होंने कहा कि भाजपा की राजनीति केवल भ्रम फैलाने और अवरोध पैदा करने तक सीमित हो गई है।

मंईयां सम्मान योजना को लेकर भाजपा की प्रतिक्रिया पर उन्होंने कहा कि वह केवल राजनीति करने के लिए गरीब बहनों-बेटियों के सम्मान का मुद्दा उठा रही है। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा को बहनों-बेटियों की इतनी ही चिंता है, तो उनके कार्यकाल में ऐसी कोई योजना क्यों नहीं बनी। हेमंत सरकार ने मंईयां सम्मान योजना के जरिये 58.60 लाख बहनों-बेटियों को आर्थिक संबल देकर उनके चेहरे पर मुस्कान ला दिया है। उन्होंने कहा कि भाजपा नेताओं को यह समझ लेना चाहिए कि हेमंत सरकार ने बिना किसी भेदभाव के योजनाओं का क्रियान्वयन किया है। साथ ही, सरकार की यह जिम्मेदारी बनती है कि वह इस योजना के दुरुपयोग को रोके। ताकि पात्र लाभुकों को उसका हक जरूर मिल सके। भाजपा केवल झूठ फैलाकर बहनों-बेटियों के बीच भ्रम पैदा करने का प्रयास कर रही है। उन्होंने कहा कि अगर भाजपा को जनता की इतनी ही चिंता है तो उन्हें यह बताना चाहिए कि उनके कार्यकाल में क्यों नहीं हुए आदिवासी और दलितों के हितों की रक्षा के ठोस उपाय। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा का उद्देश्य विकास कार्यों में बाधा डालना है। हेमंत सरकार ने शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार के क्षेत्र में कई ऐतिहासिक निर्णय लिये हैं। यह भाजपा को पच नहीं रहा है। उन्होंने कहा कि झामुमो सरकार राज्य के विकास के लिए प्रतिबद्ध है और भाजपा के प्रोपेगेंडे से विचलित होने वाली नहीं है।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से मिले संजय सेठ

रांची। रूस के 80वें विजय दिवस समारोह में शामिल होकर लौटने के बाद सोमवार को दिल्ली में केंद्रीय रक्षा राज मंत्री संजय सेठ ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह से शिष्टाचार मुलाकात किया। उन्हें रूस यात्रा की जानकारी दी।

विहिप के केंद्रीय महामंत्री आज आयेंगे रांची

रांची। विश्व हिंदू परिषद के केंद्रीय महामंत्री बजरंग बागड़ा अपने दो दिन के झारखंड प्रवास पर 13 मई को रांची पहुंच रहे हैं। इन दो दिनों में विहिप कार्यकर्ताओं तथा सामाजिक, धार्मिक श्रेणी के साथ अलग-अलग बैठक करेंगे। विश्व हिंदू परिषद के झारखंड प्रांत मंत्री मिथिलेश्वर मिश्र ने बताया कि 13 मई को प्रातः 10 बजे से एयरपोर्ट रोड स्थित होटल ग्रीन एकर्स में अधिवक्ताओं के साथ बैठक, दोपहर 2 बजे हटिया में समरसता संगोष्ठी, शाम 6 बजे मोराबादी में व्यावसायिक वर्ग के साथ बैठक करेंगे। वहीं, 14 मई को 11 बजे दिन से प्रांत टोली बैठक, 1 बजे पत्रकार वार्ता एवं शाम 5 बजे हरमू में मंदिरों के पुजारी-पुरोहितों के साथ बैठक करेंगे।

गरीबों के प्रति सरकार संवेदनशील, राशन, राहत और राहत का पूरा प्लान तैयार

राशन वितरण में लापरवाही नहीं चलेगी हर लाभुक तक पहुंचेगा सही राशन : मंत्री

- गरीबों को मॉनसून से पहले तीन माह का अग्रिम राशन देने का बड़ा फैसला

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्य सरकार ने एक बार फिर यह साबित कर दिया है कि गरीबों और जरूरतमंदों के हितों की रक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है। आगामी मॉनसून और संभावित बाढ़ की गंभीरता को देखते हुए खाद्य, सार्वजनिक वितरण एवं उपभोक्ता मामले विभाग ने एक ऐतिहासिक फैसला लिया है। राज्य के 2.88 करोड़ राशन कार्डधारी लाभुकों को जून, जुलाई और अगस्त-तीनों माह का राशन एक साथ दिया जाएगा, ताकि आपदा के समय भी कोई भूखा न सोए। केंद्र सरकार के निर्देश के बाद, राज्य सरकार ने तत्परता दिखाते हुए 1 जून से 30 जून तक राशन वितरण के आदेश जारी कर दिए हैं। विभाग ने सभी जिला प्रशासन को निर्देशित किया है कि वितरण कार्य में कोई भी लापरवाही न हो और लाभुकों को समय पर व सुरक्षित ढंग से राशन प्राप्त हो।

राज्य के खाद्य आपूर्ति मंत्री डॉ इरफान अंसारी ने स्पष्ट कहा है कि गरीबों के साथ अन्याय किसी हाल में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। यह हेमंत सोरेन जी की संवेदनशील सरकार है और हम जवाबदेही के साथ काम कर रहे हैं। मंत्री ने कहा कि वह खुद वितरण कार्यों की निगरानी करेंगे और लापरवाह अधिकारियों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। मंत्री ने सभी डीएसओ, एफसीआई अधिकारियों की एक आपात बैठक बुलाने का निर्देश दिया है, जिसमें तीन माह के अनाज का संग्रह, गोदामों की उपलब्धता, लॉजिस्टिक व्यवस्था, एवं राशन की गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर ठोस निर्णय लिए जाएंगे। विशेष निर्देश दिए गए हैं कि अनाज कहीं भी सड़े-गले नहीं और हर लाभुक को सही मात्रा और गुणवत्तापूर्ण राशन मिले।

आपदा से निपटने के लिए पूरी मुस्तेदी के साथ तैयार

मंत्री ने कहा कि विभाग हर प्रकार की आपदा से निपटने के लिए पूरी मुस्तेदी के साथ तैयार है। आपूर्ति श्रृंखला को मजबूत किया जा रहा है, ताकि किसी भी स्थिति में गरीबों को राहत पहुंचाने में देरी न हो। डॉ अंसारी ने कहा कि हमारा हर कदम गरीबों की भलाई के लिए है। हम 24 घंटे जनता की सेवा में लगे हैं। लोगों का विश्वास हमारे लिए सबसे बड़ा पुरस्कार है और हम उसे टूटने नहीं देंगे। राज्य सरकार का यह निर्णय न केवल राहत पहुंचाने वाला है, बल्कि यह संदेश भी देता है कि झारखंड में गरीबों की सरकार है। सजग, संवेदनशील और समर्पित।

बाबूलाल के आरोप निराधार और भ्रामक : विनोद पांडेय

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। झामुमो के केंद्रीय महासचिव सह प्रवक्ता विनोद कुमार पांडेय ने कहा कि भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर लगाये आरोप भ्रामक, निराधार और राजनीतिक षड्यंत्र वाले हैं। उन्होंने कहा कि बाबूलाल मरांडी राज्य की पुलिस प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर जिस प्रकार से भ्रम फैलाने का प्रयास कर रहे हैं, वह झारखंड की जनता को गुमराह करने का कुत्सित प्रयास है। उन्होंने यह साबित कर दिया है कि उनकी मंशा केवल और केवल झूठी बयानबाजी कर सुर्खियां बटोरने की है। उनको शायद पुलिस विभाग के पदक्रम और अधिकारों की जानकारी नहीं है।

डीआईजी और डीएसपी के पद और उनके कार्यक्षेत्र की स्पष्ट परिभाषा झारखंड पुलिस एक्ट में दी गई है लेकिन, अगर उन्हें समझ में नहीं आ रहा है, तो झामुमो उन्हें इस संबंध में एक जागरूकता सत्र आयोजित करने का भी प्रस्ताव रखता है।

झामुमो स्पष्ट करना चाहता है कि राज्य सरकार ने हमेशा ट्रांसफर-पोस्टिंग के मामलों में पारदर्शिता और नियमों का पालन सुनिश्चित किया है। किसी भी प्रकार के अवैध हस्तक्षेप या भ्रष्टाचार को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। श्री मरांडी को यह बताना चाहिये कि जब उनकी पार्टी सत्ता में थी, तब किस प्रकार से पुलिस महकमे में बड़े पैमाने पर मनमाने ढंग से ट्रांसफर और पोस्टिंग की गई थी। झारखंड की जनता उनके शासनकाल को भूली नहीं है। मुख्यमंत्री राज्य में कानून व्यवस्था को लेकर पूरी तरह से सजग और प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि झामुमो भाजपा की ओछी राजनीति और झूठे आरोपों को सिरे से खारिज करती है।

बाबूलाल मरांडी ने सीएम को पत्र लिख कर किया आग्रह

निषपक्ष रूप से हो जेएससीए चुनाव

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर झारखंड स्टेट क्रिकेट एसोसिएशन (जेएससीए) के चुनाव में प्रशासनिक प्रभाव व हस्तक्षेप को रोककर पारदर्शी एवं निष्पक्ष चुनाव कराने का आग्रह किया है। उन्होंने कहा है कि जेएससीए का चुनाव 18 मई को प्रस्तावित है। इसके लिए 12 एवं 13 मई को नामांकन तथा 14 मई को नाम वापसी की तिथि निर्धारित है लेकिन सूचनाओं से स्पष्ट हो रहा है कि यह चुनाव एक खेल संघ का चुनाव न होकर प्रशासनिक पद के दुरुपयोग का रूप लेता जा रहा है। उन्होंने कहा कि सरकारी सेवा में लगे अधिकारी चुनाव प्रचार के लिए खुलेआम घूम रहे हैं। ये सरकारी अधिकारी अपने पद, प्रभाव एवं सुविधाओं का इस्तेमाल कर मतदाताओं को प्रभावित कर रहे हैं, जो पूर्णतः अवैध, अनैतिक और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के विरुद्ध है। जेएससीए राज्य का एक प्रतिष्ठित खेल संगठन है और इसकी साख को बचाना हम सभी की जिम्मेदारी है। यदि अभी हस्तक्षेप नहीं किया गया तो झारखंड क्रिकेट की पहचान और गुणवत्ता दोनों पर खतरा मंडराने लगेगा।

पूर्व में भी सत्ता का हुआ था दुरुपयोग

पूर्व में भी जेएससीए के चुनावों में सत्ता का दुरुपयोग होता रहा है। इसके कारण चयन प्रक्रिया में भाई-भतीजावाद, जातिवाद और क्षेत्रवाद को बढ़ावा मिला है। इसका सीधा प्रभाव राज्य के योग्य एवं मेहनती खिलाड़ियों के अवसरों पर पड़ा है। जिससे वे हतोत्साहित एवं निराश हुये हैं। जेएससीए के चुनाव में ऐसे लोगों के कब्जे से यह भी देखा गया है कि एसोसिएशन की संपत्ति और संसाधनों का मनमाने ढंग से दुरुपयोग होता है।

अनाथ बच्चों का दुख बांटने पहुंची राज्य की कृषि मंत्री

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। राज्य की कृषि मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की बेड़ो प्रखंड के जामटोली गांव में एक ही परिवार के अनाथ 4 बच्चों का दुख बांटने पहुंचीं। जामटोली गांव में अनाथ इन बच्चों की मां पंची उराईन की मौत 8 मई को लंबी बीमारी के बाद हो गई थी, जबकि पिता गणेश उरांव की मौत उसके अगले दिन यानी 9 मई को हो गयी। कुदरत के इस कहर ने परिवार के चार बच्चों को दो दिन में अनाथ बना दिया। इस घटना की सूचना के बाद मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की जिला प्रशासन के अधिकारियों के साथ जामटोली पहुंची। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा है कि घर की दो बड़ी बेटियों का नामांकन कस्तूरबा गांधी आवासीय विद्यालय में कराया जाएगा। नामांकन को लेकर प्रक्रिया शुरू भी कर दी गई है। पीड़ित तीन बच्चों को बाल संरक्षण आयोग के द्वारा हर माह चार हजार रुपए देने का प्रावधान किया जा रहा है। इसके साथ ही बच्चों की काउंसलिंग की जा रही है। उन्हें हर तरह की मदद देने के लिए राज्य सरकार तैयार है। मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि पूरा गांव और मैं खुद इन बच्चों के लिए एक परिवार की तरह सहयोग करने को तैयार हूं। मौके पर स्थानीय जिला प्रशासन के अधिकारी को पीड़ित परिवार का राशन कार्ड और पक्का मकान योजना का लाभ देने का भी निर्देश दिया गया।

जेईई एडवांस 2025 का एडमिट कार्ड जारी, परीक्षा 18 मई को

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) ने जेईई एडवांस-2025 परीक्षा के लिए एडमिट कार्ड सोमवार की सुबह 10 बजे जारी कर दिया गया है। वे उम्मीदवार जिन्होंने जेईई मेंस 2025 पास किया है और जेईई एडवांस के लिए रजिस्ट्रेशन कराया था, वे अब अपना एडमिट कार्ड आधिकारिक वेबसाइट जेईईएडीवी डॉट एसी डॉट इन से डाउनलोड कर सकते हैं।

एडमिट कार्ड डाउनलोड की अंतिम तिथि : उम्मीदवार 18 मई 2025 को दोपहर 2:30 बजे तक अपना एडमिट कार्ड डाउनलोड कर सकते हैं। यह वही दिन है जब परीक्षा आयोजित की जाएगी।

एडमिट कार्ड कैसे डाउनलोड करें

- सबसे पहले वेबसाइट जेईईएडीवी डॉट एसी डॉट इन पर जाएं।
- डाउनलोड एडमिट कार्ड लिंक पर क्लिक करें।
- अपना रजिस्ट्रेशन नंबर, जन्म तिथि और जरूरी जानकारी भरें।
- लॉगिन करने के बाद एडमिट कार्ड स्क्रीन पर दिखाई देगा।
- उसे डाउनलोड करें और प्रिंट निकालकर सुरक्षित रखें।

परीक्षा और जरूरी निर्देश :

- जेइइ एडवांस 2025 की परीक्षा 18 मई 2025 को आयोजित की जाएगी।
- एडमिट कार्ड के साथ एक वैध फोटो पहचान पत्र (जैसे आधार कार्ड, पैन कार्ड, पासपोर्ट आदि) भी ले जाना जरूरी है।
- बिना एडमिट कार्ड और पहचान पत्र के उम्मीदवारों को परीक्षा हॉल में प्रवेश नहीं मिलेगा।

बिहार के सीएम ने किया ऑनलाइन उद्घाटन

झारखंड जदयू का अब नया ठिकाना होगा बीआइटी मेसरा

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। बीआईटी मोड़ स्थित मॉडर्न स्कूल के समीप झारखंड प्रदेश जदयू ने अपना नया कार्यालय बनाया है। बुद्ध पूर्णिमा के मौके पर इस नये कार्यालय का उद्घाटन जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष सह बिहार के सीएम नीतीश कुमार ने ऑनलाइन किया। इस दौरान प्रदेश जदयू अध्यक्ष सह सांसद खीरू महतो, जमशेदपुर पश्चिम के विधायक सरयू राय मौजूद थे। इसके बाद खीरू महतो की अध्यक्षता में प्रदेश जदयू कार्यसमिति की बैठक भी हुई। इसमें आगामी निकाय चुनाव, सदस्यता अभियान एवं संगठन पर चर्चा हुई। इसके पश्चात पहलगाम हमले में मारे गए निर्दोष नागरिकों को मौन रख श्रद्धांजलि दी गयी। बैठक में डॉ आफताब जमील, श्रवण कुमार, धर्मेंद्र तिवारी, भगवान सिंह, संजय सिंह, निर्मल सिंह, सागर कुमार, पिंटू सिंह, उपेंद्र सिंह, अखलेश राय, पी एन सिंह, सोमेन दत्ता, आशीष शीतल मुंडा व अन्य मौजूद थे।

मौके पर खीरू महतो ने कहा कि लंबे समय से हमें अपने कार्यालय की तलाश थी, आज यह पूर्ण हुआ। विधायक सरयू राय के आवास पर भी अतिरिक्त कार्यालय चलता रहेगा। उन्होंने कहा कि संगठन को मजबूती प्रदान करने के लिए जिलों में संगठन प्रभारी की घोषणा जल्द की जाएगी। जो सक्रिय सदस्य नहीं हैं, वह सक्रिय सदस्य बनें, नहीं तो पंचायत में भी पदाधिकारी नहीं बन सकेंगे।

विधायक सरयू राय ने कहा कि संगठन नियमित कार्यक्रम करें और इस माध्यम से जन मानस को पार्टी के साथ जोड़ें। जिन कार्यकर्ताओं को निकाय चुनाव लड़ना है, वह अपने वार्डों में सम्पर्क अभियान शुरू करें, बैठक करें और समस्याओं को पार्टी स्तर से हल कराने का प्रयास करें।

स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग का स्कूल रुआर कार्यक्रम संपन्न

समीक्षा के लिए कल से 20 मई तक राज्यस्तरीय अनुश्रवण

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग की ओर से समग्र शिक्षा के तहत 5 से 18 वर्ष के बच्चों का विद्यालय में शत प्रतिशत नामांकन सुनिश्चित कराने के उद्देश्य से सभी सरकारी विद्यालयों में स्कूल रूआर कार्यक्रम-2025 (बैक टू स्कूल) 21 अप्रैल से 10 मई तक चलाया गया था। इस कार्यक्रम के अंतर्गत संचालित विविध गतिविधियों एवं आउट ऑफ स्कूल बच्चों को स्कूल में जोड़ने से संबंधित गतिविधियों के अनुश्रवण के लिए राज्यस्तरीय टीम का गठन कर लिया गया है। झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद, एमडीएम और झारखंड शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद से 24 राज्यस्तरीय टीम लीडर समेत 61 पदाधिकारियों के नेतृत्व में राज्यस्तरीय टीम 14 मई से 20 मई तक सभी 24 जिलों के विद्यालय अवधि में भ्रमण करेगी। इन 61 पदाधिकारियों में विभिन्न नागरिक सामाजिक संगठन और गैर सरकारी संगठनों के राज्यस्तरीय नामित प्रतिनिधि भी शामिल रहेंगे।

राज्यस्तरीय अनुश्रवण में यूनिसेफ, सिनी, थनल, नीड्स, एलएलएफ, सी 3 और लीडर्स के राज्यस्तरीय पदाधिकारी सहयोग करेंगे। राज्यस्तरीय टीम स्कूल रुआर कार्यक्रम के अंतर्गत शिशु पंजी सर्वे में चिह्नित आउट ऑफ स्कूल बच्चों के नामांकन एवं संबंधित पोर्टल में इसकी रिपोर्टिंग, अभियान के दौरान नव चिन्हित आउट ऑफ स्कूल बच्चों के नामांकन एवं रिपोर्टिंग, नामांकन, यू-डायस ड्रॉप बॉक्स में सूचीबद्ध बच्चों के सत्यापन एवं नामांकन, प्रयास कार्यक्रम, जीरो ड्रॉप आउट विद्यालयों का सत्यापन, लक्षित आउट ऑफ स्कूल (2025-26) बच्चों के लिए विशेष प्रशिक्षण केन्द्र की स्थापना एवं बच्चों की टैगिंग समेत स्कूली शिक्षा एवं साक्षरता विभाग द्वारा संचालित अन्य कार्यक्रमों से संबंधित गतिविधियों के क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा करेगी। राज्यस्तरीय टीम में विभिन्न कार्यक्रमों के राज्य पदाधिकारियों को अपने अपने संबंधित कार्यक्रमों की भी विस्तृत समीक्षा करने का निर्देश दिया गया है।

कम से कम आठ स्कूलों का भ्रमण करना जरूरी

राज्यस्तरीय टीम में शामिल पदाधिकारियों को संबंधित जिलों के कम से कम आठ विद्यालयों का भ्रमण करना होगा। टीम के भ्रमण के दौरान जिला शिक्षा पदाधिकारी एवं जिला शिक्षा अधीक्षक को कम से कम एक दिन भ्रमण करना होगा। विद्यालय प्रबंधन समिति से जुड़े पदाधिकारी भी टीम के साथ जिलों का भ्रमण करेंगे। इनके अलावा सभी जिलों से प्रखंड के रिसोर्स शिक्षक भी अनुश्रवण दल के साथ विद्यालयों का भ्रमण करेंगे। प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों को भी अनुश्रवण दल के साथ भ्रमण करना होगा। प्रखंड स्तरीय नामित पदाधिकारियों की शत प्रतिशत उपस्थिति की जवाबदेही जिला शिक्षा अधिकारी और जिला शिक्षा अधीक्षक की होगी।

निरीक्षण से संबंधित रिपोर्ट राज्य को देने का निर्देश

विद्यालयों के निरीक्षण के बाद निरीक्षण प्रतिवेदन झारखंड शिक्षा परियोजना परिषद को 27 मई तक देना होगा। रिपोर्ट में इस बात का उल्लेख करना होगा कि संबंधित टीम के द्वारा कितने विद्यालयों का निरिक्षण किया गया है? प्रतिवेदन में सलाह और कार्रवाई के लिए बिंदुवार वर्णन करना होगा। टीम को यह सुनिश्चित करना अनिवार्य है कि संबंधित डीइओ एवं डीएसई द्वारा अपेक्षित सहयोग प्राप्त हुआ या नहीं। प्रखंड में शिक्षा पदाधिकारियों का कार्य संतोषजनक था या नहीं। रिपोर्ट के आधार पर स्कूल रुआर 2025 समेत अन्य शैक्षणिक कार्यक्रमों में लापरवाही बरतने वाले प्रखंड स्तरीय पदाधिकारियों, विद्यालयों के विरुद्ध नियमसम्मत उचित कार्रवाई की जाएगी।

भ्रमण कार्यक्रम के दिन विद्यालय जरूरत के अनुसार खुले रहेंगे

टीम के निरीक्षण को ध्यान में रखते हुए डीइओ यह सुनिश्चित करेंगे कि जिन विद्यालयों का भ्रमण किया जाना है, वह आवश्यकतानुसार समय से पूर्व या देर तक खुले रहेंगे। बच्चों को निर्धारित अवधि के बाद छुट्टी दे दी जाएगी। मगर अन्य शिक्षक और अन्य स्टाफ स्कूल में ही रहेंगे।

दुमका का प्रदर्शन शानदार, लातेहार फिसड्डी

स्कूल रुआर कार्यक्रम 2025 के तहत चलाये गए अभियान में 60, 909 आउट ऑफ स्कूल/ड्राप आउट बच्चों को विद्यालय से पुनः जोड़ने में सफलता मिली है। लक्षित 59,094 बच्चों से अधिक बच्चों को विद्यालय से जोड़ने में कामयाबी मिली है। बच्चों का डाटा उपलब्ध कराने के मामले में लातेहार फिसड्डी साबित हुआ है। लातेहार के 1057 विद्यालयों में से मात्र 184 विद्यालयों ने ही स्कूल रुआर अभियान से संबंधित पोर्टल में डाटा उपलब्ध कराया है। लातेहार के मात्र 17% विद्यालयों ने ही स्कूल रुआर का डाटा उपलब्ध कराया है। दुमका के विद्यालयों ने स्कूल रुआर कार्यक्रम में शानदार प्रदर्शन किया है। यहां 86% विद्यालयों ने रुआर का डाटा उपलब्ध करा दिया है। दुमका के 2301 विद्यालयों में से 1970 विद्यालयों ने स्कूल रुआर का डाटा उपलब्ध करा दिया है। प्रदेश की राजधानी रांची भी स्कूल रुआर डाटा उपलब्ध कराने में पीछे रह गयी है। रांची के 2100 विद्यालयों में से मात्र 523 विद्यालयों ने ही रुआर का डाटा राज्य को उपलब्ध कराया है। यह कुल लक्ष्य का मात्र 25% है। सभी विद्यालयों को शत प्रतिशत डाटा उपलब्ध कराने का निर्देश दिया गया है।

मंडा पूजा में उमड़ा शिव भक्तों का सैलाब, दिखा अटूट विश्वास और आस्था

रांची। श्री मंडा पूजा एवं सांस्कृति कार्यक्रम समिति अरगोड़ा के द्वारा सोमवार को मंडा पूजा बड़े धूमधाम से मनाया गया। मंडा पूजा में अरगोड़ा, पुन्दाग, मधुकम, पुल टोली, कडरू, डीबडीह इलाके के शिव भक्तों ने भाग लिया। दोपहर 2 बजे शिव मंदिर के प्रांगण में वेतजोरी, लोटन सेवा, बरमंगी आदि कई अनुष्ठान के बाद रात्रि में घुवासी और फुलसुंदी हुआ। समिति के अध्यक्ष मुनेश्वर साहु ने बताया कि आज अरगोड़ा दादुलघाट से सभी शिव भक्त रंग-बिरंगे परिधानों में सजकर शिवजी की विशाल शोभा यात्रा निकाली जायेगी।

अपराध गोष्ठी सह सम्मान समारोह का आयोजन

अपराध नियंत्रण के कड़े निर्देश जारी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। पुलिस अधीक्षक ग्रामीण, रांची के द्वारा सोमवार को वरीय पुलिस अधीक्षक कार्यालय स्थित सभा कक्ष में अपराध गोष्ठी सह सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। गोष्ठी में ग्रामीण क्षेत्र के सभी पुलिस उपाधीक्षक, इंस्पेक्टर, थाना और ओपी प्रभारी मौजूद थे। इस गोष्ठी के प्रारंभ मे विगत माह में दिए गए निर्देशों की समीक्षा सभी थाना प्रभारी से बारी-बारी की गयी। बैठक में आगामी माह के लिए अनुपालन के कई निर्देश दिए गए, जिसमें अपराध नियंत्रण में अजमानतीय वारंट का स-समय निष्पादन करते हुए न्यायालय को सूचित करना, लंबित पासपोर्ट का सत्यापन, यूडी कांडों की समीक्षा, जेल से छूटे अपराधकर्मियों की गतिविधि पर विशेष निगरानी रखने, छिनतई, रेप, पोक्सो, चोरी, लूट, संपत्तिमूलक कांडों के उद्भेदन, जुआ और शराब के अड्डेबाजी पर छापामारी शामिल है। अनुसंधान नियंत्रण में प्रॉपर्टी ऑफिंस कांड एवं यूडी कांडों की समीक्षा करते हुए उसके निष्पादन की दिशा में आवश्यक कार्रवाई करने के लिए दिशा निर्देश दिए।

विगत माह में बेहतर कार्य करने वाले पुलिस पदाधिकारियों और कर्मियों सम्मानित किया गया।

धुर्वा के बालसिरिंग स्थित पुल के पास दोनों के शव बरामद

धुर्वा इलाके में दो युवकों की हत्या

मृतकों की पहचान कर रही है पुलिस

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राजधानी के धुर्वा थाना क्षेत्र में दो युवकों का शव बरामद किया गया है। दोनों की हत्या धारदार हथियार से गला रेतकर की गई है। पुलिस ने घटनास्थल से दोनों शव को जब्त कर पोस्टमार्टम के लिये रिम्स भेज दी है। दोनों शव की पहचान नही हुई है। शव मिलने से आसपास के इलाकों में सनसनी फैल गई है। पुलिस शवों की पहचान करने की कोशिश कर रही है। हटिया डीएसपी प्रमोद कुमार मिश्रा, धुर्वा थाना प्रभारी विमल किंडो सहित कई पुलिसकर्मी मामले की छानबीन में जुटे हैं।

क्या है पूरा मामला

दरअसल रविवार देर रात धुर्वा पुलिस को सूचना मिली थी कि धुर्वा के बालसिरिंग स्थित पुल के पास दो युवकों के शव देखे गए हैं। जानकारी मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पहुंची। उसके बाद पुलिस ने देखा कि दोनों मृतकों की हत्या को अंजाम किसी धारदार हथियार से अंजाम दिया गया है। आशंका है कि दोनों की हत्या किसी दूसरी जगह पर की गई है जबकि शवों को यहां लाकर फेंका गया है। मौके पर ग्रामीणों ने बताया कि जहां से शव बरामद किए गए हैं, वह काफी सुनसान इलाका है, वहां बहुत कम लोग ही आते जाते हैं।

> दोनों मृतकों की अब तक शिनाख्त नहीं हो पायी है। दोनों स्थानीय नहीं है यह तो तय है, क्योंकि दोनों को कोई पहचान नहीं पाया है। मृतकों के पॉकेट से भी कुछ खास नहीं बरामद हुआ जिससे उनकी पहचान की जा सके। दोनों की तस्वीर रांची के सभी थानों में भेजी गई है। इसके अलावा नजदीक के जिलों में भी तस्वीर भेजी गई है ताकि उनकी पहचान हो सके।
>
> **प्रमोद मिश्रा, डीएसपी, हटिया**

नक्सल के नाम पर आदिवासियों का दमन बंद करो : जगरनाथ

8-9 जून को रांची में आदिवासी संघर्ष मोर्चा का राष्ट्रीय कन्वेंशन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। आदिवासी संघर्ष मोर्चा के राज्य स्तरीय कार्यकर्ताओं की बैठक सोमवार को महेन्द्र सिंह भवन में हुई। बैठक की अध्यक्षता मोर्चा के राज्य संयोजक जगरनाथ उरांव ने की। इस बैठक में मोर्चा के राष्ट्रीय संयोजक देवकी नंदन बेदिया सहित आरडी मांझी, पलटन हंसदा, सुरेश बेदिया, भुण्डा बास्के, मानाराम मांझी, नागेश्वर मुंडा, सुभाष बेदिया, सुदामा खलखो, शिव शंकर उरांव, अंजेला तिग्गा, चारे उरांव, अलमा खलखो, रामेश्वर मुंडा, सुकदेव मुंडा, संतोष मुंडा, अजीत लकड़ा, महाबीर मुंडा, जगलाल सोरेन, विश्वनाथ टुडू, दिनेश कुमार किस्कू, सुरेन मरांडी आदि शामिल थे। बैठक में सर्वप्रथम पहलगम के शहीदों के प्रति एक मिनट का मौन श्रद्धांजलि से की गई। देश के 15 राज्यों से आर रहे 150 प्रतिनिधियों को लेकर कन्वेंशन आयोजित की जा रही है। इसकी सफलता को लेकर योजना बनाई गई है। पूरे झारखंड में आदिवासियों के बीच सघन अभियान चलाने का निर्णय लिया गया है।

सीएम बतायें- राज्य में डीआइजी बड़ा या डीएसपी : बाबूलाल

रांची। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बाबूलाल मरांडी ने फिर एकबार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर बड़ा निशाना साधा है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन बतायें कि राज्य के कानून में डीआईजी बड़ा या डीएसपी। उन्होंने कहा कि समाचारों से ज्ञात हुआ कि धनबाद इलाके के कुछ पुलिसकर्मियों का तबादला डीआईजी की प्रशासनिक कारवाई की अनुशंसा पर हुआ था। फिर, किसी डीएसपी की रिपोर्ट पर उन पुलिसकर्मियों का तबादला रोक दिया गया। इसपर पुलिसकर्मियों के एसोसिएशन ने भी इस तबादले और स्थगन की प्रक्रिया पर सवाल उठाकर जांच की मांग की है। उन्होंने कहा कि अनौपचारिक रूप से कई पुलिसवालों ने बताया है कि पुलिस मुख्यालय में एनजीओ के कुछ लोग ट्रांसफर पोस्टिंग करा रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री स्वयं ऐसे हालातों केलिये जिम्मेवार हैं। उन्हें इन सवालों का जवाब सीएम को अविलंब देना चाहिये।

कॉलेज ऑफ नर्सिंग, रिम्स में मना अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। रिम्स के कॉलेज ऑफ नर्सिंग में नर्स दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि रिम्स निदेशक डॉ राजकुमार थे। मौके पर फ्लोरेंस नाइटिंगेल अवार्ड से सम्मानित असिशन कुल्लू, सहायक प्रोफेसर ममता टोप्पो, और अन्य विशिष्ट अतिथिगण उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरूआत फ्लोरेंस नाइटिंगेल को समर्पित विशेष अर्पण और श्रद्धांजलि के साथ हुई। इसके बाद असिशन कुल्लू को उनके उत्कृष्ट नर्सिंग सेवा कार्य के लिए सम्मानित किया गया। उन्होंने यह प्रतिष्ठित पुरस्कार भारत के राष्ट्रपति से प्राप्त किया है। उनकी उपस्थिति ने कार्यक्रम की गरिमा को और बढ़ाया। असिशन कुल्लू ने अपनी प्रेरणादायक यात्रा साझा करते हुए नर्सिंग के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सेव वन लाइफ, यू आर ए हीरो, सेव हंड्रेड्स ऑफ लाइफ्स, यू आर ए नर्स। उन्होंने यह भी कहा कि फ्लोरेंस नाइटिंगेल ने जिस प्रकार इस पेशे को सम्मान और पहचान दिलाई, हम उसी विरासत को आगे बढ़ा रहे हैं। ममता टोप्पो ने इंटरैक्टिव सत्र का संचालन किया, जिसमें सभी प्रतिभागियों ने सक्रिय रूप से भाग लिया। कार्यक्रम के समापन पर सभी ने मिलकर फ्लोरेंस नाइटिंगेल के योगदान को स्मरण किया और उनके प्रति आभार व्यक्त किया।यह आयोजन केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि नर्सों के अथक परिश्रम, समर्पण और समाज के प्रति उनकी सेवा भावना को सम्मान देने का एक सार्थक प्रयास था।

यौन शोषण के दो आरोपियों को भेजा गया जेल

रांची। जिले के पिठौरिया थाना की पुलिस ने शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने के दो अलग-अलग मामलों कार्रवाई करते हुए दो आरोपी अभियुक्तों को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। पुलिस की गिरफ्त में आये अभियुक्तों में सुनील मुंडा पिठौरिया थाना क्षेत्र के सतकनादु का रहनेवाला है। वहीं अभियुक्त सूफियान अंसारी रातू थाना क्षेत्र के भोडा का है। पीड़िता की शिकायत पर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। आरोप है कि सूफियान ने विवाह का झांसा देकर पीड़िता के साथ शारीरिक संबंध बनाए और बाद में शादी से मुकर गया। वहीं दूसरे मामले में आरोपी सुनील मुंडा पर भी शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण करने और बाद में विवाह से इंकार करने का आरोप है। पुलिस ने इस मामले में भी तत्परता दिखाते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

खबर एक नजर में

ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को दिया गया ओआरएस

रांची। मानवाधिकार सुरक्षा संगठन के द्वारा भीषण गर्मी को देखते हुए सोमवार को बुटी मोड़ चौक से फिरायालाल चौक के ट्रैफिक बूथों पर ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को ओआरएस दिया गया। मानवाधिकार सुरक्षा संगठन के प्रदेश सचिव संतोष सोनी ने बताया कि संस्था का लक्ष्य है कि शहर के सभी पुलिसकर्मियों के लिए स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन करना। इस मौके पर पंकज राणा, उपाध्यक्ष राजू रंजन सहित अन्य लोग मौजूद थे।

अनाथ बच्चों को लाभकारी योजना से जोड़ना ही डालसा का उद्देश्य

रांची। माता-पिता के आकस्मिक निधन होने पर तथा उनके बच्चों के अनाथ हो जाने की खबरों पर झारखण्ड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश-सह-कार्यपालक अध्यक्ष झालसा सुजित नारायण प्रसाद ने संज्ञान लिया है। झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची को यह आदेश दिया कि वह तत्काल टीम गठित कर बेड़ो प्रखंड के हरिहरपुर जामटोली गांव में पहुंचकर पीड़ितों से मिलकर मृतक माता-पिता के बच्चों को उचित विधिक सहायता प्रदान करें। इस निर्देश का पालन करते हुए डालसा सचिव अभिषेक श्रीवास्तव, पीएलवी, सतीश कुमार, सधनी कुमारी, दिनेश कुमार प्रमाणिक एवं अन्य ने बेड़ो प्रखंड के हरिहरपुर जामटोली गांव में मृतक माता-पिता के बच्चों से मिलकर उन्हें मदद करने का आश्वासन दिया।

अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस पर बोले सीएस- नर्स के बिना नहीं चल सकता कोई अस्पताल

रांची। अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर सोमवार को सदर अस्पताल में एक सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। जिसमें नर्सिंग पेशेवरों की निष्ठा, सेवा और समर्पण को सम्मानित किया गया। सीएस व अन्य पदाधिकारियों नर्स व स्टाफ को शॉल ओढ़ाकर उन्हें सम्मानित किया। यह आयोजन नर्सों के अद्वितीय योगदान को मान्यता देने और स्वास्थ्य सेवा में उनकी भूमिका को उजागर करने हेतु आयोजित किया गया था। सिविल सर्जन डॉ प्रभात कुमार ने कहा कि कोई भी अस्पताल बिना नर्स के नहीं चल सकता। भले ही डॉक्टर मरीजों का इलाज करते हैं लेकिन नर्स मरीजों के साथ ज्यादा समय व्यतित करती हैं। दवा देने से लेकर उनका हालचाल भी जानती हैं। वहीं डीएस डॉ बिमलेश सिंह ने कहा कि नर्स ही पूरा हॉस्पिटल संभालती है। उनकी मेहनत से ही सदर हॉस्पिटल आज इस मुकाम पर है। इसे और आगे ले जाना है। समारोह में डॉ आरके सिंह, डॉ स्टीफन खेस, सोशल एक्टिविस्ट ज्योति शर्मा के अलावा कई अन्य मौजूद थे।

डोरंडा में शांति और समृद्धि की कामना के साथ मनी भगवान बुद्ध जयंती

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। डोरंडा स्थित गोरखा चौक नेपाल हाउस परिसर में भगवान बुद्ध का जन्मोत्सव समारोह सोमवार को हर्षोल्लास एवं भक्ति भावना के साथ मनाया गया। इस आयोजन का नेतृत्व छोटानागपुर बौद्ध सोसाइटी ने किया। सुबह से ही श्रद्धालु महिला भक्तों की भारी भीड़ पूजा-अर्चना में शामिल होने के लिए उमड़ पड़ी। खास तौर पर दार्जिलिंग से आए लामा द्वारा महिला भक्तों को विधिपूर्वक पूजा कराई गई। भक्तजनों का एक समूह सिद्धार्थ नगर स्थित हॉस्पिटल लाइन पहुंचा, जहां पारंपरिक 'लुंगदर झंडा' फहराया गया एवं भगवान गौतम बुद्ध की विशेष पूजा-अर्चना की गई। मौके पर झारखंड विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष एवं वर्तमान विधायक डॉ. रामेश्वर उराँव तथा झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के महासचिव आलोक कुमार दूबे भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे। दोनों अतिथियों ने श्रद्धापूर्वक भगवान बुद्ध की पूजा की, प्रसाद ग्रहण किया एवं राज्य की समृद्धि, शांति और सामाजिक समरसता के लिए प्रार्थना की। वहीं जैप-1 वाहिनी गुंबा समिति द्वारा जैप वन परिसर में भी बुद्ध जयंती समारोह उत्साहपूर्वक मनाया गया। समारोह की शुरूआत प्रातः 11 बजे प्रभात फेरी से हुई, जिसमें जैप वन के समादेष्टा राकेश रंजन एवं कांग्रेस के वरिष्ठ नेता आलोक कुमार दूबे मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। प्रभात फेरी के माध्यम से बुद्ध के संदेशों को जन-जन तक पहुँचाने का प्रयास किया गया। दोनों स्थलों पर श्रद्धालुओं में गहरी आस्था, उत्साह और शांति का वातावरण देखने को मिला। कार्यक्रम के सफल आयोजन में छोटानागपुर बौद्ध सोसाइटी, जैप वन वाहिनी गुंबा समिति एवं स्थानीय नागरिकों की सराहनीय भूमिका रही।

पंचशील वचनों को अपनाकर बनायें समतामूलक समाज : डॉ रामेश्वर उरांव

उन्होंने कहा आज ही के दिन भगवान बुद्ध को ज्ञान की प्राप्ति हुई थी। यही दिन उनके जीवन के निर्माण का प्रतीक है। बुद्ध धर्म में यह तिथि अत्यंत महत्वपूर्ण मानी जाती है। उनके उपदेश और वचन हर युग में प्रासंगिक हैं। वे सात्विक सत्य के आधार पर टिकी हुई शिक्षाएँ हैं, जो मानवता को शांति, करुणा और समरसता की ओर ले जाती हैं।

आलोक कुमार दुबे ने कहा

यह दिन केवल बौद्ध अनुयायियों के लिए नहीं बल्कि समस्त मानव समाज के लिए शांति सहिष्णुता और करुणा का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि आज का दिन हमें यह संदेश देता है कि हम भगवान बुद्ध के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं और एक बेहतर समाज की स्थापना की ओर कदम बढ़ाएं।

डीएसपीएमयू में व्यवहारिक वेदांत और मूल्यों का विज्ञान और मौलिक नेतृत्व पर सेमिनार 28 से

वेदांत और योग के सिद्धांत आज पश्चिमी दुनिया में भी हो रहे लोकप्रिय : डॉ शांडिल्य

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। आगामी 28 और 29 मई 2025 को डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी विश्वविद्यालय (डीएसपीएमयू) में व्यवहारिक वेदांत और मूल्यों के विज्ञान विषय पर एक दो दिवसीय अंतराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन किया जाना है। यह आयोजन, सेंटर फॉर ट्रेनिंग इन परीमल लीडरशिप, एशिया संस्था के साथ संयुक्त तत्वावधान में किया जाएगा। इस दो दिवसीय आयोजन समिति के अध्यक्ष डीएसपीएमयू के वीसी डॉ तपन कुमार शांडिल्य ने इस अंतरराष्ट्रीय सेमिनार के उद्देश्यों पर प्रकाश डालते हुए कहा कि वेदांत और योग के सिद्धांत आज पश्चिमी दुनिया में भी लोकप्रिय हो रहे है। योग और ध्यान की वैदिक पद्धतियां आज वैश्विक समाज में मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य के लिए अपनाई जाती है।

वेदों का ज्ञान आधुनिक समाज के लिए भी प्रासंगिक : उन्होंने कहा कि इस अंतराष्ट्रीय सेमिनार का आयोजन का मुख्य उद्वेश्य यह है कि आज की युवा पीढ़ी को यह समझाया जाए कि वेदों का ज्ञान आधुनिक समाज के लिए भी प्रासंगिक है। यह न केवल अध्यात्मिक जागरूकता को बढ़ावा देता है बल्कि नैतिकता, सत्य और अहिंसा के सिद्धांतों के माध्यम से समाज को दिशा देता है। उन्होंने बताया कि इस दो दिवसीय अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार में उपरोक्त विषय पर अपने विचारों को साझा करने के लिए राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर लब्ध श्रेष्ठ शिक्षाविद् आर्मंत्रित किए जा रहे हैं, जिनमें प्रमुख है : अंतराष्ट्रीय शिक्षाविदों के अंतर्गत प्रो जेम्स गोमेज, बैंकॉक, थाईलैंड, डॉ स्टीफन मर्फी, रिसर्च फेलो, सिंगापुर, डॉ सोमवीर, निदेशक, मार्कण्डेय योग सेंटर, इंडोनेशिया, डॉ धर्मस्य, बाली, इंडोनेशिया और राष्ट्रीय विशेषज्ञों में प्रो उपेंद्र पढ़ी, भुवनेश्वर, डॉ एडीएन बाजपेई, कुलपति अटल बिहारी बाजपेई विश्वविद्यालय, बिलासपुर और डॉ संघमित्रा, नयी दिल्ली विशेष तौर पर उपस्थित रहेंगे। कुलपति डॉ शांडिल्य ने कहा कि आशा है कि इस दो दिवसीय राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय सेमिनार के आयोजन के उपरांत वेदान्त से संबंधित कई उपयोगी निष्कर्ष निकल कर सामने आएंगे जो इस विषय में शोधार्थियों और प्राध्यापकों के लिए समान रूप से लाभकारी साबित होंगे। यह जानकारी पीआरओ डॉ राजेश कुमार सिंह ने दी।

स्कूटी देने का झांसा देकर लाखों रुपये की ठगी की

अरगोड़ा थाना में दर्ज हुई है प्राथमिकी, दर्जनों लोग हुये हैं ठगी के शिकार

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राजधानी में स्कूटी देने का झांसा देकर लाखों की ठगी करने का मामला प्रकाश में आया है। इस संबंध में लालपुर के नगड़ा टोली में रहनेवाले राज कुमार गोस्वामी ने अरगोड़ा थाना में जालसाजी करनेवाले आरोपियों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करायी है। पुलिस घटना की छानबीन कर रही है। इस मामले में चार नामजद सहित अन्य अज्ञात पर कांड दर्ज किया गया है।

क्या है घटना : जानकारी के अनुसार रांची में 10 से 12 व्यक्ति इस ठगी के शिकार हुये हैं। पीड़ित व्यक्तियों के अनुसार कडरु में ठगों ने एक ऑफिस खोल कर रखा था। जिसमें चार से पांच व्यक्ति कार्यरत थे, जो 85 हजार में नये इलेक्ट्रीक स्कूटी देने व प्रति माह साढ़े सात हजार रूपये देने का झांसा देकर ठगी की है। ऑफिस में चार से पांच नई स्कूटी रखी रहती थी, जिसे दिखाकर ये लोग ठगी करते थे। कुल 85 हजार रुपये लेने के बाद आरोपियों ने अब तक किसी को भी स्कूटी नहीं दी। स्कूटी को ओला या किसी अन्य कंपनी में लगाने का झांसा देकर 7,500 रूपये देने की बात कही गई थी।

बताया जा रहा है कि इस ठगी करने वाले गिरोह का सरगना बंगाल के किसी दत्त जी नामक व्यक्ति का है, जो दर्जनों लोगों से लाखों रूपये वसूलने के बाद से फरार है। ग्राहक फंसाने के लिये चार से पांच लोगों को प्रतिष्ठान में रखा गया था।

इस्टर्न कॉलेज ऑफ नर्सिंग एंड हेल्थ स्टडीज में लैम्प लाइटिंग सेरेमनी

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। कटहल मोड़ स्थित इस्टर्न कॉलेज ऑफ नर्सिंग एंड हेल्थ स्टडीज में सोमवार को अन्तर्राष्ट्रीय नर्सेस दिवस के अवसर पर लैम्प लाइटिंग सेरेमनी, नर्सिंग दिवस और जीएनएम 2024 (तीसरा बैच) का फ्रेशर्स पार्टी भी मनाया गया। नर्सिंग दिवस पर फ्लोरेंस नाइटेंगल के नर्सिंग क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान को याद किया गया तथा उनका जन्मदिन मनाया गया। इस दौरान कॉलेज परिसर में रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिसमें समस्त छात्र-छात्राओं ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

कार्यक्रम में नर्सिंग काउंसिल की रजिस्ट्रार प्रतिमा लकड़ा, ईस्टर्न कॉलेज ऑफ नर्सिंग के निर्देशक निशांत कुमार, डॉक्टर मनी मुक्ता, डॉक्टर अशोक कुमार, प्रिंसिपल ब्रह्मदेव राणा, नितेश कुमार, राकेश कुमार, सेजल, धीरज, लाडली, अमृता, ललिता एवं समस्त छात्र-छात्राएं मौजूद थे।

एसबीयू में अंतर्राष्ट्रीय नर्सिंग दिवस मना

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सोमवार को सरला बिरला विश्वविद्यालय परिसर में महादेवी बिरला इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड क्लीनिकल टेक्नोलॉजी की ओर से अंतरराष्ट्रीय नर्सिंग दिवस पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ एसबीयू के महानिदेशक प्रो. गोपाल पाठक, कुलपति प्रो. सी. जगनाथन, रजिस्ट्रार प्रो. श्रीधर बी. दंडीन, संस्थान की प्राचार्या डॉ. सुबानी बाड़ा, प्रशासक शआशुतोष द्विवेदी एवं उप-प्राचार्या श्मीनल श्वेता द्वारा दीप प्रज्वलन एवं फ्लोरेंस नाइटिंगेल को श्रद्धांजलि अर्पित कर किया गया।

डीएवी हेहल में शिक्षकों के लिए संवर्द्धन कार्यशाला आयोजित

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। हेहल डीएवी पब्लिक स्कूल में शिक्षकों के लिए तीन दिवसीय शिक्षक संवर्द्धन कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। यह कार्यशाला डीएवी पब्लिक स्कूल हेहल, डीएवी कपिलदेव एवं डीएवी गांधीनगर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित की जा रही है। इस कार्यशाला में ईईडीपी, हिंदी, संस्कृत, अंग्रेजी, गणित, विज्ञान, वाणिज्य, सामाजिक विज्ञान, कम्प्यूटर साइंस, पीएचई, संगीत आदि विषयों में संवर्द्धन कार्यक्रम चलाया जा रहा है। इसमें चौदह डीएवी विद्यालयों के लगभग 300 शिक्षक-शिक्षिकायें अपने ज्ञान का संवर्द्धन कर रहे हैं। इस अवसर पर प्राचार्य एमके सिन्हा ने कहा कि समय के साथ शिक्षक की भूमिका में न केवल परिवर्तन आया है, अपितु जिम्मेदारियां भी बढ़ी हैं। इसलिये, शिक्षक को निरंतर सीखते रहने की आवश्यकता है। बिपिन राय ने कहा कि शिक्षक एक दिशा संकेतक होता है, जो विद्यार्थियों के जीवन को उजाले की ओर ले जाता है। एसके मिश्रा ने कहा कि शिक्षक राष्ट्र की नींव होते हैं। उन्हें अद्यतन जानकारी और प्रासंगिक शिक्षण पद्धतियों से लैस करना आवश्यक है। कार्यशाला में प्रदीप कुमार झा, तापस घोष, किरण यादव, कमलेश कुमार, एसके पाठक सहित अन्य विद्यालयों के प्राचार्य एवं वरिष्ठ शिक्षकगणों की सक्रिय भागीदारी रही।

'नर्सेज' मां का रूप ममता व सेवा की जननी: आदिल

- नर्सों को स्वास्थ्य विभाग का रीढ़ और ताकत बताया
- आपदा हो या महामारी, नर्सों के बिना इलाज संभव नहीं

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। झारखंड राज्य स्वास्थ्य चिकित्सा शिक्षा एवं परिवार कल्याण विभाग कर्मचारी संघ के महासचिव एवं झारखंड राज्य कर्मचारी महासंघ के राज्य अध्यक्ष आदिल जहीर ने अंतर्राष्ट्रीय नर्सेज दिवस के अवसर पर राज्य की नर्सों, एएनएम, जीएनएम, ए-ग्रेड सहित सभी नर्सों को स्वास्थ्य विभाग का रीढ़ और ताकत बताते हुए उन्हें हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी। संघ के महासचिव आदिल जहीर ने कहा कि मां के बाद इस पृथ्वी पर अगर कोई ममता भरी छांव है तो वह हमारी नर्सेज बहने हैं जिनकी अपार सेवा और दिन-रात की अथक प्रयासों से कई जिंदगी बचती हैं और उनके परिवारों में खुशियाँ वापस आती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि नर्सेज बहनों के बिना स्वास्थ्य एवं चिकित्सा की कल्पना भी नहीं की जा सकती और न ही स्वास्थ की कोई नीति निर्धारण या व्यवस्था को अमली जामा पहनाया जा सकता है। इसलिए नर्सेज बहनों को अपनी मां की तरह मान और सम्मान देना चाहिए। महासचिव श्री जहीर ने कहा कि चाहे कोरोना हो, महामारी हो या कोई आपदा एवं किसी प्रकार की कोई भी इलाज बिना हमारी नर्सेज बहनों के असंभव है इसलिए हम सबको नर्सेज बहनों के मान और सम्मान के लिए हमेशा तत्पर और खड़े रहना चाहिए।

बालाजी मदिर में विशेष अनुष्ठान

रांची। तिरुपति बालाजी मंदिर में शुक्ल पक्ष की अंतिम तीन तिथियों पर भगवान श्रीमन्नारायण के संतुष्टिकारक अनुष्ठान का आयोजन हुआ। वैशाख के शुक्ल पक्ष में जो अंतिम तीन त्रयोदशी से लेकर पूर्णिमा तक की तिथियां है, वे बड़ी पवित्र और शुभकारक है। इन तीन तिथियों में भगवान श्रीहरि वेंकटेश्वर का पूजा अर्चना करने से फल पा लेता है। वैशाख मास की एकादशी तिथि को शुभ अमृत प्रकट हुआ था। द्वादशी को भगवान विष्णु ने उसकी रक्षा की। त्रयोदशी को श्रीहरि देवताओं को सुधापान कराया। चतुर्दशी को देव विरोधी दैत्यों का संहार किया और पूर्णिमा के दिन समस्त देवताओं को उनका साम्राज्य प्राप्त हो गया। सोमवार को अन्तिम तिथि पूर्णिमा में भगवान दंपति को खीर का भोग लगाकर वैशाख मास व्रत का उद्यापन किया गया। दिनभर के भोग का यजमान कमलनयन द्विवेदी धर्मपत्नी आरती द्विवेदी थे। अर्चक सत्यनारायण गौतम और गोपेश आचार्य ने मंगल प्रार्थना की।

बुद्ध पूर्णिमा पर श्री राधा-कृष्ण मंदिर में हुई विशेष पूजा-अर्चना

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट द्वारा संचालित पुंदाग में श्री कृष्ण प्रणामी मंगल राधिका सदानंद सेवा धाम श्री राधा-कृष्ण मंदिर में बुद्ध पूर्णिमा का पावन पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर श्री राधा कृष्ण का अलौकिक श्रृंगार, विशेष पूजा अर्चना, प्रसाद भोग, भजन कीर्तन एवं सामूहिक महाआरती का आयोजन किया गया। श्री राज श्याम जी को फल, मेवा, चूरमा, पेड़ा का विधिवत भोग पुजारी अरविंद पांडे द्वारा लगाया गया तथा पूरे विधि विधान एवं मंत्रोच्चार साथ पूजा-अर्चना एवं महाआरती की गई। तत्पश्चात श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद भोग का वितरण किया गया।

इस अवसर पर ट्रस्ट के अध्यक्ष डुंगरमल अग्रवाल, उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल, निर्मल जालान, सचिव मनोज चौधरी, सज्जन पाड़िया, पूरणमल सर्राफ, सुरेश भगत, सुरेश अग्रवाल, निर्मल छावनिका, नंदकिशोर चौधरी, पवन पोद्दार, शिव भगवान अग्रवाल, विशाल जालान, सुनील पोद्दार, विष्णु सोनी, मनीष सोनी, संजय सर्राफ, विधा देवी अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, संतोष देवी अग्रवाल, मधु जाजोदिया, उर्मिला पाड़िया सहित महिला-पुरुष उपस्थित थे।

अल्कापुरी में कुलदेवी श्रीश्री माता गंधेश्वरी की पूजा का आयोजन

रांची में वर्ष 1987 से गंधबनिक समाज कर रहा है पूजा

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। राजधानी में गंधबनिक समाज के द्वारा हर वर्ष की तरह इस वर्ष भी कुलदेवी श्रीश्री माता गंधेश्वरी की पूजा का आयोजन अल्कापुरी, रातू रोड में किया गया। सोमवार को हर्षोल्लास के साथ कलश स्थापना कर पूजा आरंभ किया गया। मौके पर समाज के सभी सदस्य सह परिवार शामिल थे। मौके पर मौजूद अशोक हलधर ने बताया कि बुद्ध पुर्णिमा के दिन वर्ष 1987 से कुलदेवी मां गंधेश्वरी की पूजा धुमधाम से मनाया जा रहा है। यह मां दुर्गा का रूप है। स्व सतकीनकर दास के द्वारा रांची में यह पूजा अल्कापुरी में आरंभ किया गया था, जो निरंतर चला आ रहा है। मान्यता है कि सुगंध के व्यवसाय करने वाले लोग उन्नति के लिये ये पूजा करते हैं। यह गुप्त नवरात्र पूजा है। प्राकृतिक आपदा से बचने के लिये कुलदेवी मां गंधेश्वरी की पूजा की जाती है। यह पूजा विशेष रूप से रांची के बुंडू, तमाड़, बोकारो सहित अन्य जगहों पर की जाती है।

मौके पर आसित कुमार मोदी, बासुदेव दत्ता, सुकुमार दा, उत्तम हलधर, सुधीर कुमार सहित अन्य लोग मौजूद थे।

कैरलि स्कूल में अलंकरण समारोह आयोजित

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। कैरलि स्कूल में सोमवार को सत्र 2025-26 के लिए अलंकरण समारोह का आयोजन किया गया। इसमें वर्तमान सत्र के नवगठित स्टूडेंट काउंसिल के सदस्यों को शपथ दिलायी गयी। कार्यक्रम का आरंभ शोमा मुखर्जी ने शंखनाद से किया। विद्यालय क्वायर ने गायत्री मन्त्र एवं विद्यालय प्रार्थना को सस्वर गाया। इसके बाद नवनियुक्त स्टूडेंट काउंसिल के सदस्यों का मंच तक आगमन देवेन्द्र बेहरा एवं नीलम बाखला के निर्देशन में बैंड दल के साथ हुआ। विद्यालय के प्राचार्य राजेश पिल्लई, उपप्राचार्या सुजा पिल्लई एवं धुर्वा कैम्पस की हेड मिस्ट्रेस प्रभारी अनुपमा महतो ने सम्मिलित रूप से दीप प्रज्वलन किया। मुनमुन घोष के निर्देशन में विद्यार्थियों ने एक आह्वान गीत यूं ही चला चल ... की प्रस्तुति की। कार्यक्रम संचालिका शालिनी सिंह ने इस सत्र की संयोजिका, समन्वयक एवं विभिन्न हाउस के शिक्षक-शिक्षिकाओं का विद्यालय परिवार से परिचय कराया। पिछले सत्र की संयोजिका साथी गांगुली ने सत्र 2025-26 की संयोजिका रिन्जू चंदेल को अपने दायित्व एवं कार्यभार सौहार्दपूर्वक सौंपा। साथी गांगुली ने अभिभाषण में सभी लोगों का भावपूर्ण आभार व्यक्त किया। इसके बाद इस सत्र की संयोजिका रिन्जू चन्देल ने अपने वक्तव्य में कहा कि निश्चय ही इस सत्र में स्टुडेंट काउंसिल के सदस्य नए कीर्तिमानों को स्थापित करने का हरसंभव प्रयास करते रहेंगे।

प्राचार्य राजेश पिल्लई ने नवनियुक्त स्टूडेंट काउंसिल के नवगठित सदस्यों एवं शिक्षक प्रभारियों को उनके कर्तव्यों के प्रति अगाह किया तथा अनुशासनबद्ध होकर विद्यालय को वर्तमान सत्र में नए कीर्तिमान स्थापित करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि पद एक अवसर है कुछ नया करने का, कुछ परिवर्तन लाने और एक नई शुरूआत का जिससे विद्यालय में एक सकारात्मक, अनुशासित और सशक्त वातावरण का निर्माण हो। कार्यक्रम में पिछले सत्र के शिक्षक प्रभारियों ने नए सत्र के प्रभारी शिक्षक-शिक्षिकाओं को बैज लगाकर कार्यभार उन्हें सौंपा। इसके बाद प्राचार्य राजेश पिल्लई ने सभी हाउस के कप्तानों को शपथ दिलाया। विद्यालय के 4 हाउस औरिगा(ब्लू), डोरैडो (ग्रीन), कोलम्बा(रेड) एवं फिनिक्स (येल्लो) हाउस के कप्तानों को उनके हाउस मास्टर्स एवं हाउस मिस्ट्रेस ने बैज लगाकर उन्हें शुभकामनाएं दिया। करेज टू लीड, करैक्टर टू इंस्पायर... थीम पर छठवीं से नवीं कक्षा के विद्यार्थियों द्वारा सामूहिक नृत्य की सुन्दर प्रस्तुति हुई। इसी दौरान सभी प्रिफेक्टोरियल लीडर्स ने अपना परिचय दिया। कार्यक्रम का संचालन शालिनी सिंह ने किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। मौके पर विद्यार्थी एवं शिक्षक उपस्थित थे।

नवनियुक्त स्टुडेंट काउंसिल के सदस्यों की सूची : हेड बॉय लक्ष्य सिंह, हेड गर्ल श्रेया जेन एक्का, डेप्युटी हेड बॉय आदित्य देव, डेप्युटी हेड गर्ल नव्याश्री, स्कूल अम्बेसडर (बॉय) आदित्य स्वरुप, स्कूल अम्बेसडर (गर्ल) नव्या रानी, डेप्युटी स्कूल अम्बेसडर (बॉय) जैद जावेद, डेप्युटी स्कूल अम्बेसडर(गर्ल) आदिश्री ऐकत, कल्चरल सेक्रेटरी (बॉय) युवराज श्रीवास्तव, कल्चरल सेक्रेटरी (गर्ल) इशिका पात्रा, स्कूल मार्टिनेट (बॉय) शिवेन गुरुंग, स्कूल मार्टिनेट (गर्ल) आंचल कुमारी, स्पोर्ट्स कैप्टन (गर्ल) तराशा सूरज राणा और स्पोर्ट्स कैप्टन (बॉय) तेजस श्रीवास्तव बनाये गये हैं।

यामाहा ने हाईबर्ड बाइक लॉन्च की

खबर मन्त्र संवाददाता

रांची। सोमवार को यामाहा एफजेड एस एफआई हाईबर्ड बाइक की लॉच किया। इस अवसर पर कंपनी के टीएसएम जीशान एवं अभिनव मौजूद थे। इस मौके पर डीलर प्रणय झा और ऋषु राज ने बताया कि बाइक की एड्वांस बुकिंग पहले ही शुरू कर दी गई थी। उन्होंने बताया कि यह बाइक युवाओं की पहली पसंद है। इसका कारण है शानदार माइलेज, दमदार लुक और हाइब्रिड टेक्नोलॉजी।

मधु मंजूषा में सदगुरु श्री श्री आनंदमूर्ति का जन्म महोत्सव का आयोजन

खबर मन्त्र ब्यूरो

रांची। मधु मंजूषा में सदगुरु श्री श्री आनंदमूर्ति का जन्म महोत्सव धूमधाम से मनाया गया। कार्यक्रम प्रातः 5 बजे से प्रभात संगीत गायन से प्रारंभ हुआ। जन्म मुहूर्त का 6 बजकर 7 मिनट पर शंख ध्वनि, आतिशबाजी एवं पटाखा से स्वागत हुआ। फिर बाबा नाम केवलम कीर्तन, सामूहिक साधना, गुरु पूजा, वर्ण अर्धदान के बाद आनंदवानी पाठ हुआ। आचार्य विश्वदेवानंद अवधुत दादा ने आनंदवाणी पाठ पर सारगर्भित प्रवचन दिया। उन्होंने कहा कि उनके एक कृपा कण से सारी ग्लानि दूर हो जाती है। उनका कण पाने के लिए रागातमिका भक्ति चाहिये। सोमवार को मधु मंजूषा से कृषि बाजार पंडरा तक सोभा यात्रा निकाली गई। प्रभात संगीत आधारित गायन, अंताक्षरी, कौसकी, तांडव प्रतिस्पर्धा का आयोजन किया गया और सफल प्रतिभागियों को पुरुस्कृत किया गया। अंत में मिलित प्रीतिभोज हुआ। कार्यक्रम को सफल बनाने में भुक्ती प्रधान बिजय, पंचु जी, डाक्टर करुणा साहदेव, डाक्टर अंशुमान देव, तात्विक रतन जी, विजय बर्धन, बिनोद, मृणाल, मनोज, देव शिवानंद, धनेश्वर, निलेश, कलावती दीदी, बबिता दीदी आदि सक्रिय रहे।

अनाथ हुए चार बच्चों की खबर पर हाईकोर्ट के न्यायाधीश सह कार्यपालक अध्यक्ष ने लिया संज्ञान

तत्काल टीम गठित कर अनाथ बच्चों को सहायता प्रदान करने के दिये आदेश

- कहा- अनाथ बच्चों को लाभकारी योजना से जोड़ना ही डालसा का उद्देश्य

खबर मन्त्र संवाददाता

चारों नाबालिग अनाथ बच्चों से मिलने पहुंचे रांची डालसा के पदाधिकारी।

बेड़ो। विभिन्न अखबारों में छपी खबर माता-पिता के आकस्मिक निधन होने पर तथा उनके बच्चों के अनाथ हो जाने पर झारखण्ड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश-सह-कार्यपालक अध्यक्ष, झालसा माननीय सुजित नारायण प्रसाद ने संज्ञान लिया है। झारखण्ड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकार, रांची को यह आदेश दिया हैं कि वह तत्काल टीम गठित कर बेड़ो प्रखंड के हरिहरपुर जामटोली गांव में पहुंचकर पीड़ितों से मिलकर मृतक माता-पिता के बच्चों को उचित विधिक सहायता प्रदान करें। इस निर्देश का पालन करते हुए डालसा के सचिव अभिषेक श्रीवास्तव, पीएलवी, सतीश कुमार, सधनी कुमारी, दिनेश कुमार प्रमाणिक एवं अन्य टीम गठित कर बेड़ो प्रखंड के हरिहरपुर जामटोली गांव में पहुंचकर पीड़ित बच्चों से मिलकर उन्हें हर संभव मदद करने का आश्वासन दिये। डालसा टीम के द्वारा पीड़ित परिवार से मिलकर पीड़ित परिवार को सरकारी योजनाओं की जानकारी दी गयी। डालसा टीम के द्वारा एक कमजोर परिवार की पहचान की गई जिसमें एक बुजुर्ग महिला और तीन अनाथ बेटियाँ शामिल थीं। यह परिवार संकट में है, खराब आवासीय परिस्थितियों में रह रहे है और बुनियादी कल्याण अधिकारों तक पहुँच से वंचित है। तत्काल कानूनी सहायता शुरू की गई है, और पेंशन योजनाओं, आवास, राशन और शिक्षा लाभों तक पहुंच सुनिश्चित करने के लिए, तत्काल कार्रवाई की जा रही है। इस दौरान इसके बाल कल्याण विभाग से संपर्क किया गया है, और उन्होंने तीनों लड़कियों को कस्तूरबा गांधी बालिका विद्यालय में प्रवेश दिलाने का आश्वासन दिया है। इसके बाद जिला शिक्षा अधिकारी से भी डीएलएसए ने संपर्क किया है और उन्होंने पूर्ण सहयोग का आश्वासन देते हुए कहा है कि मामले को आवश्यक कार्रवाई के लिए संबंधित समिति के समक्ष रखा जाएगा।

इसके अतिरिक्त, पीएलवी को कमजोर लड़कियों और उनके रिश्तेदारों को डीएलएसए कार्यालय में लाने का निर्देश दिया गया है। तीनों लड़कियों के पुनर्वास, संरक्षण और देखभाल के लिए बेहतर समन्वय के लिए संबंधित विभाग को सूचित कर दिया गया है। स्थानीय पीएलवी और ग्रामीणों द्वारा हस्ताक्षरित आवेदन प्रस्तुत किया गया, जिसमें कई परिवारों के लिए सहायता का अनुरोध किया गया है। ज्ञात हो कि अभी तक पीड़ित परिवार को सरकार द्वारा चलाये जा रहे किसी भी लाभकारी योजना का लाभ नहीं मिल रहा है। पीड़ित परिवार को विभिन्न योजनाओं जैसे दादा-दादी वृद्धा पेंशन योजना, पीएम आवास योजना, सिंचाई कूप योजना, सुकर पालन योजना, दीदी-बाड़ी योजना आदि का लाभ दिलाने हेतु आवेदन पीएलवी और जन प्रतिनिधियों द्वारा डालसा रांची को दिया गया है। मौके पर मुखिया लक्ष्मी कोया, पीटर तिर्की सहित कई ग्रामीण मौजूद थे।

हुरहुरी मंडा पूजनोत्सव में उमड़ा आस्था का सैलाब, शिवभक्तों ने अदा की फुलखुंदी की रश्म

रातू। प्रखंड के हुरहुरी में भगवान शिव की आराधना का पर्व मंडा पूजनोत्सव में सोमवार की रात आस्था का सैलाब उमड़ पड़ा। सैकड़ों भक्तों ने पाठ भोक्ता महेश राम की अगुआई में दहकते अंगारे में चलकर फुलखुंदी की रश्म अदा किये। मंगलवार की शाम भोक्ता झूलन के बाद मेला भी लगेगा। वहीं, रात्रि 10 बजे से नागपुरी आर्केस्ट्रा है। इसमें अलाशा म्यूजिकल ग्रुप के ख्याति प्राप्त कलाकार धमाल मचायेंगे। नृत्य का भी दौर चलेगा। पूजा अनुष्ठान साधु गोसाईं की ओर से कराया जा रहा है। कार्यक्रम को लेकर जिला प्रशासन की ओर से सुरक्षा के कड़े प्रबंध किये गये हैं। थानेदार आरएन सिंह ने इसकी कमान संभाल रहे हैं। मौके पर पाहन अनिल मुंडा, ग्राम प्रधान शैलेंद्र मुंडा, ढकाहा दिलीप महली, अध्यक्ष मकसूदन तिग्गा, उपाध्यक्ष दुर्गा उरांव व सुनिल मिंज, कोषाध्यक्ष मोहित सिंह, सचिव आशीष उरांव, संरक्षक जुगेश्वर सिंह, महामंत्री लक्ष्मण महतो, मुखिया कमल खलखो, पंचायत समिति सदस्य संजु देवी, उप कोषाध्यक्ष विजय उरांव, उप सचिव संजय उरांव, उप संरक्षक पंचम महतो व उप महामंत्री रंथु तिग्गा आदि भूमिका निभा रहे हैं।

बुद्धा पब्लिक स्कूल में बुद्ध जयंती मनायी गयी

सिल्ली। बुद्धा पब्लिक स्कूल सिल्ली में सोमवार के दिन भगवान बुद्ध की जयंती पर उत्सव मनाया गया। उत्सव की शुरूआत सर्वप्रथम दीप प्रज्वलित कर किया गया। विद्यालय में बच्चों के बीच निबंध प्रतियोगिता एवं चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। विद्यार्थियों के बीच वाद विवाद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसका विषय था भगवान बुद्ध का जीवन। प्रतियोगिता में सफल बच्चों के बीच पुरस्कार का वितरण किया गया विद्यालय के निदेशक रणधीर कौशिक ने बच्चों को बताया कि आज का दिन शांति, प्रकाश और ज्ञान का सूचक है।घृणा को केवल प्रेम द्वारा समाप्त किया जा सकता है, यह एक अटूट सत्य है। विद्यालय के प्राचार्य वी सुधीर राव ने बच्चों को भगवान बुद्ध के बताए गए मार्ग पर चलने का संदेश दिया।इस मौके पर राहुल भद्रा,नकुल बडाईक,गोविंदर सिंह,प्रतिमा देवी,सुषमा सिंह, हर्षा कुमारी, प्रेमचंद,प्रिया दुबे,जितेंद्र महतो, सुमंत कुमार,राकेश महतो, लंकेश्वर, विपुल रॉय एवं राकेश इत्यादि उपस्थित रहे।

ओरमांझी में सर्पदंश से दो की मौत

ओरमांझी। थाना क्षेत्र के होचई सांती निवासी दिनेष प्रजापति का चार वर्षीय बेटा देवराज कुमार महतो उर्फ अंकित कुमार की सांप के काटने से मौत हो गई। रविवार का सुबह 10 बजे के करीब हुई घटना के संबंध में बताया गया कि घर स्थित बारी में तरबूज लगा हुआ है। देवराज अपने आठ वर्षीय फुफेरा भाई वासु कुमार के साथ तरबूज तोड़ने बारी गया था। तरबूज तोड़ रहा था, तभी देवाज के पांव में सांप काट लिया। सांप काटने पर वह रोते हुए घर पहुंचा, और स्वजनों को सांप काटने की जनाकारी दी। स्वजन उसे तत्काल रिम्स लेकर पहुंचे, उपचार के दौरान उसकी मौत हो गई। इसकी जानाकरी देते हुए उसके पिता ने बताया बच्चे को रसेल वाइपर (सियार चंदा) सर्प ने काटा था। वहीं दो दिन पूर्व गांव के ही बिनोद प्रजापति की पत्नी शांती देवी 30 वर्ष की भी सांप के काटने से मौत हो गई थी। बताया गया कि शांती देवी रात में अपने पति व चार वर्षीय बेटी दिक्षा कुमारी के साथ सोई हुई थी। रात 11:30 बजे के करीब सोई हुई शांती देवी के हांथ में सांप ने काट लिया। दर्द होने पर निंद खुल गया। देखा एक कैरेत सांप बिस्तर में रेंग रहा है। हो हल्ला सून कर कई लोग पहुंचे और सांप को मार डाला। वहीं स्वजनों ने तत्काल उसे उपचार के लिए रिम्स ले गए। मृतक के पति ने बताया शांती देवी का रिम्स में चार दिनों तक उपचार चला। लेकिन चैथे दिन उसकी मौत हो गई। मुखिया सुनील उरांव के साथ पूर्व प्रमुख जयगोविंद उर्फ लालू साहू, अर्जुन साहू सहित आदि मृतक के स्वजनों से मिलकर घटना के प्रति दुख जताया, और मुआवजा दिलाने का आष्वासन दिया।

दस वर्ष से सेविका के घर में चल रहा था आंगन बाड़ी, मुखिया ने आंगनबाड़ी भवन का रिपेरिंग कराया

ओरमांझी। प्रखंड के सुदूरवर्ती गांव टुंडाहुली स्थित आंगनबाड़ी केंद्र का मरमती कराने के बाद सोमवार का मुखिया रमेष बेदिया द्वारा उद्घाटन किया गया। मुखिया ने बताया आंगनबाड़ी भवन काफी जर्जर हो गया था। भवन से पानी टपकने के साथ छत से ढलाई भी गिरने लगा था। बच्चों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए आंगनबाड़ी सेविका सालो देवी पिछले 10 वर्ष से अपने घर में आंगनबाड़ी केंद्र का संचालन कर रही थी। बताया गया कि सेविका द्वारा कई बार आवेदन देकर आंगनबाड़ी की स्थिति से अवगत कराया गया था। बावजूद मरमति कार्य नही हुआ। उद्घाटन के बाद सेविका, सहायिका के साथ बच्चों के अभिभावक व ग्रामीणों द्वारा खुषी जताते हुए, मुखिया के प्रति अभार जताया। कहा विभाग के भरोषे रहने पर आज भी केंद्र का मरमत नही हो पाता। वहीं आंगनबाड़ी की रंग-रोगन के बाद भवन के सुंदर दिखने पर बच्चें भी खुष थें। मौके पर उप मुखिया रेखा देवी, ग्राम प्रधान सुरेश मंडा, गोपाल राम बेदिया, वार्ड सदस्य रासो देवी, राम सेवक महतो, स्वास्थ्य सहिया सीता देवी, जलसहिया चंचला देवी, वीरेंद्र मुंडा, देवराज महतो, रविंद्र करमाली, राहुल बेदिया, प्रवेश बेदिया, झलकू महतो, शिवचरण महतो व ग्रामीण उपस्थित थें।

फ्लोरेंस में नर्सेज-डे कार्यक्रम का आयोजन

ओरमांझी। फ्लोरेंस ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन में सोमवार को एक कार्यक्रम का आयोजन कर नर्सिंग-डे मनाया गया। इस अवरस पर नर्सिंग छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किया गया। इससे पूर्व कार्यक्रम का उद्घाटन सचिव जीनत कौशर द्वीप जला व केक काट कर किया। कहा आज के समय में नर्सिंग एक चुनौतीपूर्ण प्रोफेशन है। हर मोड़ पर कुछ नये चुनौतियां आती रहती है। उन चुनौतियों से आगे निकलकर सेवा दे रही हैं। उन्होने नर्सिंग प्रोफेषन से जुड़े सभी का बधाई दी और कहा नर्सिंग प्रोफेशन के माध्यम से सेवा क्षेत्र में अपने बच्चों को भेजने के लिए सभी माता-पिता को भी सम्मान देने के जरूरत है। वहीं निदेशक डा. शाहीन कौशर ने कहा नर्सिंग ऐसा सेवा कार्य है, जहां मरिजों का दर्द दूर करने व उनके आंसू पोछने का मौका मिलता हैं। नर्सिंग-डे में दीप जलाकर मरिजों के अंधेरे जीवन आशा की किरण लाने का संदेष देती है। उन्होने कहा जिस उम्मीदों के साथ माता पिता ने नर्सिंग क्षेत्र में भेजा है। एक अच्छे नर्स बनकर उनकी उम्मीदों पर खरे उतरने को कहा। मौके पर कॉलेज प्राचार्या डा. विनिसा टी बंसियार, ज्योति कुमारी, विक्रम मजूमदार, बिनीता खालको, बिन्हा बारबरा, शोएब अख्तर, माधुरी कुमारी, वर्षा कुमारी, मनीषा कुमारी, कलाम अंसारी, सादिक अंसारी, कॉलेज के षिक्षक व छात्र छात्राएं उपस्थित थें।

रैयतों का रोजगार छिना तो बंद होगा खदान : रमेशर भोगता

खबर मन्त्र संवाददाता

खलारी। तुमांग के विस्थापित नेता रमेशर भोगता ने एक बयान जारी कर कहा है कि रोहिणी परियोजना के रैयत विस्थापित के रोजगार पर हमला बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। परियोजना को चालू करने में ढुब पेटपेट के रैयतो ने अपनी पूर्वजों की जमीन दी है ताकि परियोजना चल सके और रैयत विस्थापित को रोजगार सहित अन्य सुविधाएं मुहैया कराई जा सके।लेकिन कुछ लोग जो तुमांग के रैयत विस्थापित नही है और एक साजिश के तहत लोगो को बरगलाने का काम कर रहे हैं और रैयत विस्थापित के रोजगार को छिनने का प्रयास में लगे हुए हैं। जिससे रैयत विस्थापित काफी आक्रोशित है और रोजगार छिनने वालो का जोरदार तरीके से विरोध करने का निर्णय लिया गया है।ऐसे लोग रोजगार छिनने के साजिश से बाज आये।साथ ही सीसीएल रोहिणी प्रबंधन से भी आग्रह है कि जो लोग रैयत विस्थापित को रोजगार छिनने का प्रयास करते हैं ऐसे लोग को तरजीह नही दे अन्यथा तुमांग के रैयत विस्थापित किसी तरह के सहयोग नही करेंगे और जरूरत पड़ी तो रोहिणी खदान को अनिश्चितकालीन बन्द भी कराया जाएगा।

श्री भोगता ने कहा कि सीसीएल से जब किसी तरह का रोजगार रैयतों के लिए आता है तो कुछ लोग अपने निजी स्वार्थ के लिए वास्तविक रैयत के अधिकार को छिनने का प्रयास कर रहे हैं। इस कार्य में कुछ लोग पर्दे के पीछे से भी साजिश कर रहे हैं उनके बारे में भी विस्थापितो को पूरी जानकारी है। सीसील प्रवंधन से ऐसे लोगों से सचेत रहने को कहा है और वास्तविक रैयत की पहचान उनके द्वारा प्रस्तुत जमीन के कागजातों से करें। लेकिन रैयतों के अधिकार या रोजगार पर ऐसे लोग छिनने का प्रयास करेंगे तो फिर तुमांग के रैयत विस्थापित में बड़े पैमाने पर आंदोलन करेंगे जिसकी जिम्मेवारी सीसील प्रवधन की होगी।

बुद्धा नर्सिंग कॉलेज में नर्स दिवस पखवाड़ा आयोजित

- मानव सेवा का जीवंत उदाहरण है नर्सिंग : जैनेंद्र कुमार

खबर मन्त्र संवाददाता

रातू। जैनेंद्र ग्रुप ऑफ कॉलेज की ओर से संचालित बुद्धा नर्सिंग कॉलेज व जैनेंद्र नर्सिंग कॉलेज, बिजुलिया में अंतर्राष्ट्रीय नर्स दिवस पखवाड़े का आयोजन किया गया। इसमें प्रबंध निदेशक जैनेंद्र कुमार तथागत बतौर मुख्य अतिथि थे। उन्होंने दीप प्रज्वलित तथा महात्मा बुद्ध की चित्र पर माल्यार्पण कर इसका उद्घाटन किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि नर्सिंग मानव सेवा का जीवंत उदाहरण है। कठिन परिस्थितियों में बीमार लोगो के चेहरे में मुस्कान और उनकी देखभाल नर्स की नैतिक जिम्मेदारी है। नर्स का पहला कर्त्तव्य मानवता का ख्याल रखना है।

नर्सो के बगैर स्वास्थ्य सेवा अधूरी : संस्थान के निदेशक प्रियांशु कुमार ने कहा कि नर्सिंग के बगैर स्वास्थ्य सेवा अधूरी है। विश्व के किसी भी स्वास्थ्य केंद्र में नर्सों के बिना स्वास्थ्य सेवाओं की कल्पना भी नहीं की जा सकती है। वही, कॉलेज की प्राचार्या ज्योति तिर्की ने छात्रों को गर्व का एहसास कराते हुये कहा कि नर्सों को भगवान का दूसरा रूप माना जाता है। संचालन एकेडमिक हेड आशीष कुमार ने किया।

नुक्कड़ का किया मंचन : समारोह में सांस्कृतिक नृत्य, फ्लोरेंस नाईटंगल की जीवनी पर आधारित नुक्कड़ का मंचन, भाषण, गीत-संगीत व रेम्प वॉक भी आयोजित किया गया। इसमें प्रीति कुमारी अव्वल रही। लक्ष्मी कुमारी दूसरे व पुरुषोत्तम भारद्वाज को तीसरा स्थान मिला। प्रबंधन की ओर से प्रतिभागी छात्रों के बीच उत्क्रष्टता का प्रमाण पत्र बांटा गया।

कार्यक्रम में थे शामिल : प्रबंधक हिमांशु सिंह, शिक्षक निकिता कुजुर, हिना परवेज, पुजा कुमारी, निधि पाठक, गुलशन कुमारी, सुनीता कच्छप, जमीमा खातून, कंचन कुमारी, राहुल कुमार, दीपक रजक, आरपी सिंह, मुंसाद मंझर, चंदन कुमार, राहुल कुमार, कुंदन कुमार, जुगनू कुमार, नितीश कुमार, सन्नी सिंह, साकिब आलम, मोकिम अहमद व ऋतिक कुमार आदि।

बेड़ो में अज्ञात वाहन ने 13 बकरियों को कुचला, आठ घायल, विरोध में तीन घंटे सड़क जाम

खबर मन्त्र संवाददाता

बेड़ो। रांची गुमला मुख्य मार्ग पर बेड़ो थाना क्षेत्र के जरिया गांव के समीप सोमवार को सुबह करीब साढ़े नौ बजे एक अज्ञात वाहन के चपेट में आने से 13 बकरियों की मौत हो गई और 8 घायल हो गए। सभी बकरियां जरिया सिंघुवा टोली निवासी रंजन लोहरा की हैं। वहीं इस घटना से आक्रोशित ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर सुबह दस बजे दोपहर एक बजे तक एन एच को जाम कर दिया। इधर घटना की सूचना मिलने पर पूर्व शिक्षा मंत्री बंधु तिर्की जरिया गांव पहुंचे। उनके समझाने बुझाने पर ग्रामीणों ने जाम समाप्त कर दिया। साथ ही पूर्व मंत्री बंधु तिर्की ने पीड़ित परिवार के स्वजनों को एक लाख की राशि आर्थिक सहायता के रूप में मुहैया कराया। वहीं पीड़ित परिवार को बकरी शेड देने का आश्वासन दिया गया। जिससे वे अपनी जीविका चला सकें। इधर करीब तीन घंटा सड़क जाम रहने से वाहनों की लंबी कतारें लगी रहीं। वहीं राहगिरों को परेशानियों का सामना करना पड़ा। मिली जानकारी के अनुसार अज्ञात वाहन गुमला से रांची की ओर जा रहा था। ग्रामीण मरी बकरी का उचित मुआवजा देने की मांग कर रहे थे। ग्रामीणों का कहना था कि सड़क पर वाहन तेज गति से दौड़ते रहते हैं। इससे लोगों को जान का खतरा रहता है। इस गांव में पहले भी कई बार दुघर्टनाएं हो चुकी है।पूर्व मंत्री ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया है कि घटना की जांच की जाएगी और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। मौके पर सीओ प्रताप मिंज, डीएसपी अशोक कुमार राम, पुलिस निरीक्षक उत्तम उपाध्याय, बेड़ो थाना के एस आई नंदू पैरा एएसआई अक्षय कुमार सिंह समेत पुलिस पदाधिकारी सशस्त्र बलों के साथ मौजूद थे।

मुरचू में बड़े भाई की हत्या, आरोपी गिरफ्तार

- भाहो से था अवैध संबंध, छोटे भाई ने दिया घटना को अंजाम
- दस्ते की ली गयी मदद, पुलिस कर रही है जांच

खबर मन्त्र संवाददाता

आरोपी चेतन और मृतक की फाइल फोटो

रातू (रांची)। मुरचू में सोमवार की सुबह तीन बजे छोटे भाई ने सगे अग्रज 40 वर्षीय मिठू महतो की धारदार बसिला और डंडे से मारकर हत्या कर दी। मृतक के सिर पर गंभीर चोटें आयी थी। सूचना मिलते ही थानेदार आरएन सिंह सदल-बल घटनास्थल पर पहुंचे और आरोपी चेतन महतो को गिरफ्तार कर लिया। वहीं, हत्या में प्रयुक्त खून से सने बसिला और डंडे बरामद कर लिये गये हैं। फिंगर प्रिंट दस्ते की भी मदद ली गयी। मृतक के शव का पंचनामा कर रिम्स में पोस्टमार्टम कराने के बाद उसके परिजनों को सौंप दिया गया। देर शाम गांव के शमशान में अंत्येष्टि की गयी। पिता जतरु महतो ने मुखाग्नि दी।

जानें क्या है मामला : मृतक दो भाइयों में बड़ा था। मां जानकी देवी जीवित हैं। मिठु का अपनी मंदबुद्धि और विकलांग भाहो जीतन देवी से अवैध संबंध होने को लेकर चेतन गुस्से में था। वह रात में खाना खाने के बाद पत्नी और 8 साल के पुत्र शनि महतो के साथ सो गया। तीन बजे जब उसकी नींद खुली, तो जीतन को विस्तर से गायब पाया। बसिला और लाठी लेकर मिठु के कमरे में गया, तो दोनों को आपत्तिजनक स्थिति में पाकर आग बबूला हो उठा और उसे मार डाला।

दो बच्चे का बाप था मृतक : मृतक मिठु महतो दो बच्चे का बाप था। उसके परिवार में 35 वर्षीया पत्नी ललिता देवी, 12 साल का पुत्र आशीष महतो और 9 वर्ष की पुत्री अंशिका कुमारी है। घटना के बाद परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। ग्रामीणों ने पत्रकारों को बताया कि मिठु को कई बार समझाने की कोशिश की गयी थी। लेकिन, वह अपनी आदत से बाज नहीं आया और उसे जान गंवानी पड़ी।

एक नजर में

मदर्स डे के अवसर पर न्यू उदयन पब्लिक स्कूल कल्याणपुर में विशेष कार्यक्रम का आयोजन

पिपरवार। सीसीएल पिपरवार क्षेत्र के न्यू उदयन पब्लिक स्कूल कल्याणपुर में सोमवार को मदर्स डे के अवसर पर एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया इस अवसर पर स्कूल के बच्चों ने अपनी माताओं के लिए विभिन्न कार्यक्रम प्रस्तुत किया,जिनमें नृत्य, गीत और कविता पाठ सहित अन्य प्रकार के कार्यक्रम का आयोजन किया गया इसके साथ ही बच्चों ने माताओं के साथ कई गतिविधियों की जैसे की खेल,कला और शिल्प तथा ग्रीटिंग कार्ड भी बनाएं बच्चों ने माताओं को उपहार स्वरूप ग्रीटिंग कार्ड और फूल देकर उनसे आशीर्वाद प्राप्त किया। बच्चों को ऐसा करता देख माताओं के चेहरे पर गर्व और संतोष देखा गया। विद्यालय के प्रधानाचार्य रामप्रकाश दुबे ने कहा कि मदर्स डे का यह कार्यक्रम छात्रों और माता के बीच के बंधन को मजबूत बनाने में मदद करेगा। वहीं विद्यालय की प्रबंधक रेहाना परवीन ने कहा कि इस प्रकार के कार्यक्रम विद्यालय में नियमित रूप से आयोजित की जाती हैं,जिससे छात्रों को अपने परिवार के महत्व को समझने में मदद मिल सके। विद्यालय के निर्देशक मोहम्मद साहिल ने बच्चों व माताओ को मदर्स डे की शुभकामना दी। इस कार्यक्रम में स्कुल के सभी शिक्षक, शिक्षिका एवं अभिभावक सहित बच्चे मौजूद थे।

पिपरवार के इक्को पार्क मे हुई ट्रक ऑनर एसोसिएशन की बैठक, नगद भाड़ा भुगतान पर हुई चर्चा

पिपरवार। पिपरवार क्षेत्र के कायाकल्प वाटिका परिसर स्थित इक्को पार्क में सोमवार को ट्रक ऑनर एसोसिएशन अशोका पिपरवार क्षेत्र की एक आवश्यक बैठक संपन्न हुई। इस बैठक की अध्यक्षता बिजय महतो और संचालन रचित गंझु ने किया। बैठक में ट्रक मालिकों की कई ज्वलंत समस्याओं पर विस्तार से चर्चा की गई एवं सभी ट्रक मालिकों को एकजुट होने की अपील की गई। बैठक मे मुख्य रूप से ट्रक ऑनर एसोसिएशन के द्वारा तय किए गए भाड़ा का भुगतान करने एवं नगद भाड़ा का भुगतान कराने को लेकर विचार विमर्श किया गया। बैठक को संबोधित करते हुए वक्ताओं ने कहा कि एसोसिएशन के द्वारा तय किए गए भाड़ा का भुगतान और नगद भाड़ा भुगतान पर जोर दिया गया है। यदि तय किए गए भाड़ा का भुगतान एवं नगद भाड़ा का भुगतान नहीं होगा तो एसोसिएशन के द्वारा जोरदार आंदोलन किया जाएगा। बैठक मे सभी ट्रक मालिकों से एक मंच पर रहने की अपील की गई। बैठक में मुख्य रूप से महेंद्र गंझु, रोहण गंझु,सकील अंसारी, इदरीश अंसारी,बिजय महतो,लियाकत अंसारी,प्रेम ठाकुर,वसीम रजा,रचित गंझु,जमीर अंसारी,श्रवण महतो,मोहम्मद असलम, अमर महतो,मुस्ताक आलम सहित काफी संख्या में ट्रक मालिक मौजूद थे।

इटकी सेवा निकेतन ट्रस्ट हॉस्पिटल प्रांगण में हेल्थ वर्कशॉप का आयोजन

इटकी। इटकी सेवा निकेतन ट्रस्ट हॉस्पिटल प्रांगण में सोमवार को हेल्थ वर्कशॉप का आयोजन किया गया। ट्यूलिप हॉस्पिटल रांची और सेवा निकेतन ट्रस्ट हॉस्पिटल के संयुक्त तत्वधन में आयोजित वर्कशॉप में इटकी व आसपास के दर्जनों मेडिकल प्रैक्टिशनर व डॉक्टरों ने भाग लिया। वर्कशॉप में डॉ जितेंद्र सिन्हा ने जटिल बीमारियों का कम खर्च में बेहतर इलाज व स्वस्थ से संबंधित कई महत्वपूर्ण जानकारी दी। साथ ही रोगियों को बेहतर स्वास्थ सुविधा उपलब्ध कराने को लेकर चर्चा किया। वर्कशॉप में डॉ जाहिद, डॉ कविता शाह, डॉ सुशांत कुमार सोनू, डॉ मकसूद आलम, खुर्शीद आलम, तनवीर आलम, आकिब अहमद व लीला लकड़ा सहित अन्य मौजूद थे।

झारखंड पब्लिक स्कूल में भगवान बुद्ध की जयंती मनायी गयी

खलारी। बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर झारखंड पब्लिक स्कूल, मोहन नगर डकरा में भगवान गौतम बुद्ध की जयंती मनायी गयी। इस अवसर पर विद्यालय परिसर में आध्यात्मिक और सांस्कृतिक वातावरण से सराबोर हो उठा। कार्यक्रम का शुभारंभ विद्यालय की वरिष्ठ शिक्षिका एवं कोऑर्डिनेटर किरण देवी द्वारा भगवान बुद्ध के चित्र पर माल्यार्पण एवं पुष्प अर्पित कर किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के कक्षा 5 वी से 12 वीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया और गौतम बुद्ध के जीवन, विचार एवं शिक्षाओं पर आधारित भाषण, कविता, लघु कथा और आदर्श वाक्य प्रस्तुत किए। इन प्रस्तुतियों ने बुद्ध के जीवन से जुड़ी शिक्षाओं को जीवंत कर दिया, जिससे उपस्थित छात्र-छात्राएं और शिक्षकगण प्रेरित हुए। कार्यक्रम का संचालन करते हुए शिक्षक मनोज यादव ने बुद्ध के विचारों की प्रासंगिकता पर प्रकाश डालते हुए विद्यार्थियों को संयम, करुणा और अहिंसा के मार्ग पर चलने के लिए प्रेरित किया। धन्यवाद ज्ञापन विद्यालय के शिक्षक गणेश कुमार महतो द्वारा किया गया।

गुरु चरण सिंह की 112वीं जयंती मनाई गई

सिल्ली। सिल्ली प्रखंड अंतर्गत टुटकी गांव में सोमवार को स्व गुरु चरण सिंह की 112 वीं जयंती मनाई गई। कार्यक्रम में गूंज परिवार के संयोजक जयपाल सिंह, प्रमुख जितेंद्र बड़ाइक, मुखिया उर्मिला कुमारी, समाजसेवी रतन लाल महतो, संजय सिद्धार्थ, ब्रजेश प्रसाद, अशोक सिंह, शिशिर सिंह, समीर सिंह एवं उपस्थित अतिथियों एवं स्थानीय लोगों ने स्व गुरु चरण सिंह के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर नमन किय। इस अवसर पर जयपाल सिंह ने कहा स्व गुरुचरण सिंह के द्वारा क्षेत्र में शिक्षा के जगत में जो अलख जगाने का कार्य किया गया वह सराहनीय है। इनकी कमी समाज को हमेशा खलती रहेगी। हम सबों को संकल्प के साथ उनके सोच को आगे बढ़ाने का काम करना होगा। इस मौके पर नरेंद्र नारायण, समल महतो, रमेश प्रसाद साहु, राधा रमण सिंह मुंडा, जयसिंह महतो,रामभजन सिंह, कलेवर महतो, बिरेंद्र कुमार सिंह, महावीर प्रसाद सिंह, हेमंत सिंह, कुलदीप सिंह, हिमांशु, प्रवीण , चंदन , जयंत, विक्रम, मोहित महतो, भोलानाथ महतो, महेश महतो, जगदीश महतो समेत कई लोग उपस्थित थे।

शेर के डर से दहशत के साये में जी रहे हैं ग्रामीण

नामकुम। प्रखण्ड के बंधुवा, हुवांगहातु, रूडूंगकोचा के जंगलों में शेर आने की बात कही जा रही है। जिसको लेकर दर्जनों गांव के ग्रामीण डर और दहशत के साये में जीने को मजबूर हैं। बताया जा रहा है कि गुरुवार को जंगल बकरी और बैल चराने गयी महिलाओं द्वारा शेर देखने का दावा किया गया था। उसके बाद से गांव के मवेशियों का गायब होना और मृत पाए जाने से ग्रामीणों को पूर्ण विश्वास हो गया है कि जंगल में शेर आया है। शुक्रवार को सोमा उरांव का बैल मृत पाया गया था एवं रविवार को रायश गांव रोड़े मुण्डा का बैल मृत मिला। जिससे ग्रामीणों को अब पूर्ण विश्श्वास हो गया है कि शेर ने क्षेत्र में दस्तक दे दी है। डर का ऐसा माहौल है कि शाम ढलते ही लोग घर के मुख्य दरवाजा को बंद कर अंदर खुद को कैद कर ले रहे हैं। बच्चों को अकेले बाहर नहीं निकलने दिया जा रहा है। बच्चे स्कूल भी नहीं जा पा रहे हैं। अंधेरे में ग्रामीण निकलने से डर रहे हैं। जो निकल भी रहे हैं वे दो चार लोगों के साथ और सुरक्षा के लिए हाथ में टांगी, तलवार, फरसा एवं दौली पास में रख रहे हैं। घटना की जानकारी मिलने पर विधायक राजेश कच्छप ने ग्रामीणों,पुलिस और वन विभाग के बैठक कर एहतियात बरतने के निर्देश दिए हैं। पुलिस एवं वन विभाग की रेस्क्यू टीम लगातार जंगल क्षेत्र घुम रही हैं।

बरगांवा में धूमधाम से मंडा पूजा संपन्न, हर हर महादेव के जयघोष के साथ दहकते अंगारों पर चले भोक्ता

नामकुम। बरगांवा देवी मण्डप में रविवार रात मंडा पूजा धमधाम से संपन्न हो गया। भोक्ताओं के अनुसार सैकडों वर्सो से बरगांवा में मंडा पूजा की परंपरा हैं। इस वर्ष मंडा मे 161 भोक्ताओं ने भगवान महादेव की पूजा आराधना की। वहीं इनके लिए माता के रूप में भी 161 सोक्ताईंन भी भोक्ताओं और ग्रामवासीयों के लिए भगवान महादेव और माता पार्वती की पूजा अर्चना की। पुरोहित रामानंद पांडेय व कैलाश पांडेय ने पूरे विधि विधान के साथ पूजन कार्य,लोहटन सेवा सभी भोक्ता को कराया। फिर सभी भोक्ता एवम सोक्ताईंन दहकते अंगारे को फूल समझते हुए चलते हुए पार कर अपनी आस्था को मजबूत किया। इस दौरान पूरा वातावरण हर हर महादेव के जयघोस से गुंजयमान हो गया था। इसके पश्चात बंगाल से आये दो छउ नृत्य पाटीर्यों नेपूरी रात गणेश वंदना,दुर्गा शक्ति,महिषासुर वध का दृश्य नृत्य के माध्यम से दिखाया। मौके पर मुख्य रूप से सांसद प्रतिनिधि सह प्रदेश भाजपा नेता मनोज कुमार सिंह,मुखिया अनिता तिर्की,रामानंद पांडेय,किनु सिंह,शंकर पांडेय,रंजीत कुमार सिंह,कृष्णा गोप,प्रदीप सिंह,विरेन्द्र सिंह,अजीत कुमार,राजू गोप,निखिल कुमार, पृथ्वी सिंह,संजय महतो सहित हजारों की संख्या मे भक्तगण मौजूद थे।

आतंक का अंत

भारतीय थल सेना के महानिदेशक सैन्य अभियान लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, भारतीय वायु सेना के महानिदेशक वायु अभियान एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती और भारतीय नौसेना के महानिदेशक नौसेना अभियान वाइस एडमिरल एएन प्रमोद ने संयुक्त रुप से बताया कि ऑपरेशन सिंदूर का मकसद सिर्फ आतंकियों का अंत करना था और भारतीय सशस्त्र बलों ने 100 आतंकियों को खत्म किया। हमने इसके लिए सीमा पार टेरर कैंप और इमारतों की पहचान की। हमें 9 ऐसे ठिकाने मिले जिन्हें हमारी एजेंसियों ने एक्टिव बताया। इनमें से कुछ ठिकाने पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर और कुछ पाकिस्तान के पंजाब प्रांत में थे। हमने इसपर स्ट्राइक की और हमारे हमलों में 100 से अधिक आतंकवादी मारे गए। इसमें यूसुफ अजहर, अब्दुल मलिक रऊफ और मुदस्सिर अहमद जैसे हाई वैल्यू टारगेट शामिल हैं। ये आतंकी क्ठ-814 हाइजैक और पुलवामा हमले से जुड़े थे।7 मई को हुई कार्रवाई के बाद पाकिस्तान ने ड्रोन और मिसाइल्स से हमारे बॉर्डर स्टेट्स में स्थित सैन्य ठिकानों पर हमले की कोशिश की। हालांकि, हमनें उन्हें हवा में ही मार गिराया। हमने एक भी टारगेट सक्सेस नहीं होने दिया। इसके अलावा वायुसेना के डायरेक्टर जनरल एयर ऑपरेशंस एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती ने कहा कि भारतीय वायुसेना ने बेहद सावधानीपूर्वक केवल आतंकवादी ठिकानों को निशाना बनाया और कोई भी नागरिक हानि नहीं होने दी। उन्होंने कहा, ह्लहमने पूरी योजना इस तरह बनाई थी कि सिर्फ आतंकी कैंपों पर सटीक वार किया जाए और किसी आम नागरिक को नुकसान न पहुंचे। भारतीय वायुसेना ने पाकिस्तान के मुरिदके स्थित आतंकी शिविर को सटीक मिसाइल हमले में पूरी तरह ध्वस्त कर दिया गया। यह लश्कर-ए-तैयबा के सरगना हाफिज सईद का गढ़ माना जाता है।

आज का राशिफल

मेष : बुद्धि व धन का दुरुपयोग न करें। व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। भ्रातृपक्ष में विरोध की संभावना है। आय-व्यय समान रहेगा। स्वास्थ्य ठीक रहेगा। व्यर्थ प्रपंच में समय न गंवाकर काम पर ध्यान दीजिए। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश सफल होगी। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। शुभांक-2-5-7

वृष : कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। मान-सम्मान में वृद्धि होगी। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें क्योंकि आगे कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-2-3-5

मिथुन : यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। नवीन जिम्मेदारी बढ़ने के आसार रहेंगे। अपने काम को प्राथमिकता से करें। चिंतनीय वातावरण से मुक्ति मिलेगी। शुभांक-2-3-8

कर्क : मेहमानों का आगमन होगा। राजकीय कार्यो से लाभ। पैतृक सम्पत्ति से लाभ। मेहमानों का आगमन होगा। पुरानी गलती का पश्चाताप होगा। विद्यार्थियों को लाभ। दाम्पत्य जीवन सुखद रहेगा। वाहन चालन में सावधानी बरतें। बातचीत में संयम बरतें। आय के अच्छे योग बनेंगे। शुभांक-2-5-8

सिंह : परिवारजन का सहयोग व समन्वय काम को बनाना आसान करेगा। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-4-8-9

कन्या : अपनों का सहयोग मिलेगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। व्यापार व व्यवसाय में स्थिति ठीक रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। मित्रों से सावधान रहें। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। कार्य सफल होंगे। शुभांक-2-8-9

तुला : मन प्रसन्न बना रहेगा। अचल संपति की खरीद अथवा कृषि उद्यम में रुचि पैदा होगी। आपसी प्रेम-भाव में बढ़ोतरी होगी। भविष्य की योजनाओं पर विचार विमर्श होगा। सहयोग प्राप्त होगा। अपने आपको अधिक सक्रिय पाएंगे। परामर्श आदि सभी का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-7-9

वृश्चिक : दिन-भर का माहौल आडंबरपूर्ण और व्ययकारी होगा। वरिष्ठ लोगों से कहासुनी वातावरण में तनाव पैदा करेंगे। उतावलेपन से बचे। संयमित भाषा का इस्तेमाल करें। कुछ कार्यक्रम बदलने होंगे। किसी को हानि पंहुचाने की चेष्टा न करें अन्यथा हानि संभव है। स्वविवेक से कार्य करे। शुभांक-1-2-7

धनु : घर के सदस्य मदद करेंगे और साथ ही आर्थिक बदहाली से भी मुक्ति मिलने लगेगी। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। सभा-सोसायटी में सम्मान मिलेगा। पद-प्रतिष्ठा बढ़ाने के लिए कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। पसंदीदा भोज्य पदार्थो की प्राप्ति होगी। शुभांक-1-4-8

मकर : प्रतिष्ठा बढ़ाने वाले कुछ सामाजिक कार्य संपन्न होंगे। आमोद-प्रमोद का दिन होगा और व्यावसायिक प्रगति भी होगी। जीवन स्तर में सुधार की अपेक्षा रहेगी। ज्ञान-विज्ञान की वृद्धि होगी और सज्जनों का साथ भी रहेगा। मनोरथ सिद्धि का योग है। स्त्री-संतान पक्ष का सहयोग मिलेगा। शुभांक-5-6-8

कुंभ : कुछ कार्य भी सिद्ध होंगे। व्यर्थ की भाग-दौड़ से यदि बचा ही जाए तो अच्छा है। प्रियजनों से समागम का अवसर मिलेगा। अवरुद्ध कार्य संपन्न हो जाएंगे। कुछ तनाव हो सकता हैं। महत्वपूर्ण कार्य को समय पर बना लें तो अच्छा ही होगा। भाई-बहनों का प्रेम बढ़ेगा। स्वविवेक से कार्य करें। शुभांक-5-7-8

मीन : आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध हो रहे हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। सभा-गोष्ठियों में मान-सम्मान बढ़ेगा।

संस्थापक
स्व. डॉ अभय कुमार सिंह
स्वामित्व वृन्दा मीडिया पब्लिकेशन्स प्राइवेट लिमिटेड के लिए
मुद्रक, प्रकाशक
मंजू सिंह
द्वारा चिरौंदी, बोड़ेया रोड, रांची (झारखंड) से मुद्रित एवं प्रकाशित।
प्रधान संपादक
सौरभ कुमार सिंह
संपादक
अविनाश ठाकुर*
फोन : 95708-48433
पिनः -834006
e-mail
khabarmantra.city@gmail.com
R.N.I No.
JHAHIN/2013/51797
धनबाद कार्यालय
लुबी सर्कुलर रोड, धनबाद 826001 से प्रकाशित।
(R.N.I No. आवेदित)
*पीआरबी एक्ट के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए उत्तरदायी। प्रकाशित खबरों से संबंधित किसी भी विवाद का निपटारा

भारत ने हमला नहीं, जवाबी कार्रवाई की है

- उमेश चतुर्वेदी

भारत ने काफी सावधानी से इन स्थलों को चुना और मिसाइल एवं ड्रोन के जरिए निशाना बनाया। भारत की कोशिश यह रही कि उसकी कार्रवाई की जद में सामान्य नागरिक ना आएं। लेकिन पाकिस्तान ने इसे खुद पर हमला माना।

चाहे दुश्मन की हों, या अपनी, सेनाएं हमेशा चौकस रहती हैं। ऐसे में छह और सात मई की दरमियानी रात भारतीय सेनाएं जिस तरह पाकिस्तान और उसके कब्जे वाले कश्मीर की नौ जगहों पर सफल निशाना साधने में कामयाब रहीं, उससे पाकिस्तान की सेना, उसकी चौकसी और चीन से खरीदे उसके चौकसी वाले तंत्र पर सवाल उठता है। भारत ने यह कार्रवाई पहलगाम में 22 अप्रैल को बहे बेगुनाह खूनों के जवाब में किया। भारत के खबरिया टीवी चैनल अक्सर ही जल्दबाजी में रहते हैं। उनके यहां सोच-विचार की प्रक्रिया की गुंजाइश कम है। शायद यही वजह है कि भारतीय कार्रवाई को उन्होंने पाकिस्तान पर हमला बताने में देर नहीं लगाई। लेकिन यह ध्यान रखने की बात है कि हमला एक तरह से युद्ध की शुरूआत होता। इस लिहाज से देखें तो भारत ने जवाबी कार्रवाई की है, हमला नहीं। क्योंकि भारत ने अपनी तरफ से शुरूआत नहीं की है।

इसमें दो राय नहीं कि पहलगाम में बहाए गए बेगुनाह खूनों के चलते देश में गुस्से की लहर थी। पहलगाम में आतंकियों ने जिन 26 बेगुनाह लोगों का खून बहाया, उनमें एक नेपाली नागरिक भी था। हैरत की बात यह है कि इन बेगुनाहों खून बहाते वक्त आतंकियों ने बाकायदा उनसे नाम पूछा, उन्हें कुरान की आयत और कलमा पढ़ने को बोला। यहां तक कि उनके वस्त्र उतारकर उनके अंदरूनी अंगों को देखा और हिंदू होने की तसल्ली होते ही बिना वजह गोलियों सो उड़ा दिया। उसमें दो ऐसी महिलाएं विधवा हुईं, जिनके माथे पर कुछ ही दिनों पहले सिंदूर का तेज शामिल हुआ था। आतंकियों ने धर्म के नाम पर इन महिलाओं का सुहाग उजाड़कर सिर्फ इन महिलाओं और उनके परिवारों को सूना ही नहीं किया, बल्कि भारतीय सहनशक्ति को चुनौती दे दी। भारत में गुस्से की लहर उड़ना स्वाभाविक था। बिहार के मधुबनी में एक सभा में प्रधानमंत्री मोदी का कहना कि सुहाग उजाड़ने वाले आतंकियों का पीछा करके उन्हें खोजकर मिट्टी में मिला दिया जाएगा, उस गुस्से की ही अभिव्यक्ति थी। उसी अभिव्यक्ति को भारतीय सेनाओं ने बीती छह और सात मई की आधी रात को एक बजकर पांच मिनट से डेढ़ बजे के बीच जमीनी

हकीकत बना दिया। इस हमले में पाकिस्तान के बहावलपुर स्थित मौलाना मसूद अजहर का केंद्र भी रहा, जिसने थोक के भाव से आतंकियों को पैदा किया और भारत निर्यात किया है। जिसमें 26 नवंबर 2008 को मुंबई को खून से लाल कर देने वाले अजमल कसाब और उसका षडयंत्र रचने वाले रिचर्ड हेडली भी शामिल थे।

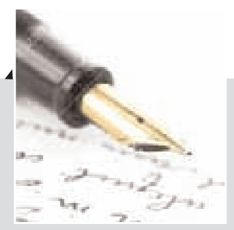

> भारत ने काफी सावधानी से इन स्थलों को चुना और मिसाइल एवं ड्रोन के जरिए निशाना बनाया। भारत की कोशिश यह रही कि उसकी कार्रवाई की जद में सामान्य नागरिक ना आएं। लेकिन पाकिस्तान ने इसे खुद पर हमला माना। दिलचस्प यह है कि उसने आतंकी ठिकानों को नागरिक ठिकाने बताना शुरू किया।

भारत ने काफी सावधानी से इन स्थलों को चुना और मिसाइल एवं ड्रोन के जरिए निशाना बनाया। भारत की कोशिश यह रही कि उसकी कार्रवाई की जद में सामान्य नागरिक ना आएं। लेकिन पाकिस्तान ने इसे खुद पर हमला माना। दिलचस्प यह है कि उसने आतंकी ठिकानों को नागरिक ठिकाने बताना शुरू किया। इसके साथ ही उसने अंतरराष्ट्रीय समुदाय के सामने यह भी बताना तेज कर दिया कि भारत ने मासूमों को निशाना बनाया है। फिर उसने आतंकवादी कार्रवाई पर साझा जांच का प्रस्ताव रखा। लेकिन अंतरराष्ट्रीय समुदाय ने इसे स्वीकार नहीं किया है।

पाकिस्तान एक तरफ जहां खुद को प्रताड़ित बता रहा है, वहीं वह सात-आठ मई की रात से लगातार भारतीय क्षेत्रों में हमला कर रहा है। दुखद बात यह है कि वह खुद भारतीय क्षेत्र में नागरिक ठिकानों और घरों को निशाना बना रहा है। कश्मीर सीमा पर पुंछ में उसने एक गुरूद्वारे पर हमला किया, जिसमें रागी समेत चार लोगों की मौत हो गई। पाकिस्तान लगातार भारत के सैनिक ठिकानो पर हमला कर रहा है। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक वह तकरीबन पूरी पश्चिमी सीमा पर मिसाइल, मोर्टार, ड्रोन और हवाई हमले कर चुका है। उसने चंडीगढ़, जैसलमेर, बाड़मेर, उरी, अखनूर, पहलगाम, जम्मू, लेह, सर क्रीक, भुज समेत तमाम सैनिक ठिकानों पर निशाना साधने की कोशिश कर चुका है। यह बात और है कि भारत की जवाबी कार्रवाई में उसके तकरीबन सभी प्रयास नाकाम कर दिए गए। दिलचस्प यह है कि पाकिस्तान के इन हमलों को निष्फल करने वाली आकाश मिसाइल को भारत की अपनी स्वदेशी कंपनी भारत इलेक्ट्रॉनिक्स लिमिटेड ने बनाया है। भारत ने उनके तीन सैनिक ठिकाने जहां तबाह किए हैं, वहीं उसको लगातार जवाब दिया जा रहा है।

भारत को अपने षडयंत्र का निशाना बनाने वाले भारतीय मूल के आसिफ मुनीर लगातार हालात को बिगाड़ने की कोशिश में लगे हैं। सुनने में भले ही अजूबा लगे, भारत के खिलाफ आतंकी युद्ध के पीछे भारत से पाकिस्तान गए लोगों का ही हाथ रहा...ठीक 26 साल पहले पाकिस्तान ने सियाचिन इलाके में घुसपैठ के जरिए हम पर करगिल का युद्ध थोप दिया था.. उस युद्ध के पीछे जनरल परवेज मुशर्रफ का हाथ था..पाकिस्तान जाने से पहले परवेज का परिवार दिल्ली के चांदनी चौक में रहता था..पहलगाम की नृशंस आतंकी कार्रवाई का षडयंत्र किस्तान के जनरल आसिफ मुनीर ने रचा। यहां जानना जरूरी है कि आसिफ का परिवार भी भारत से पाकिस्तान गया था..बंटवारे से पहले आसिफ का परिवार जालंधर में रहता था..

भारत की जवाबी कार्रवाई से पाकिस्तान लगातार मुंह की खा रहा है। इसके बावजूद वह दुष्प्रचार के जरिए अपनी डींगे हांक रहा है। पाकिस्तान अपने लोगों को लगातार बता रहा है कि उसकी सेनाओं ने भारत की सेना या वायुसेना को इतना नुकसान पहुंचाया। जबकि उसके ये दावे कोरे झूठ हैं। इस लिहाज से देखें तो भारत दो मोर्चों पर जूझ रहा है..पहला मोर्चा जहां सैनिक है, वहीं दूसरा मोर्चा सूचनाओं का है..अरब क्रांति के दौरान देवता के रूप में उभरा सोशल मीडिया अब देवता और दैत्य-दोनों ही भूमिकाओं में है..पाकिस्तान इन दिनों सोशल मीडिया की दैत्य वाली भूमिका का खूब उपयोग करते हुए भारत के बारे में लगातार गलत सूचनाएं दे रहा है..अपनी सेनाओं की झूठी कामयाबियों को इसी के जरिए वह फैला रहा है। भारत पर आरोप लगा रहा है कि भारतीय सेनाएं रिहायशी इलाकों और धार्मिक स्थानों पर हमला कर रही हैं.लेकिन यह गलत है और भारत का सार्वजनिक सूचना तंत्र और सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय लगातार इन भ्रामक सूचनाओं को तथ्यों के साथ खारिज कर रहे हैं और पाकिस्तान के झूठ को बेपर्दा कर रहे हैं। वैसे यह दुनिया का जाना-पहचाना तथ्य है कि सीधी लड़ाई में नाकाम रहने वाले ही फर्जी खबरों का सहारा लेते हैं।

सीधा युद्ध जो नहीं कर सकता, वही शेखी भी बघारता है।

लेटर टू एडिटर

ऑपरेशन सिंदूर

भारत की वैश्विक शक्ति की छवि को मजबूत करेगा। भारत इसे आत्मरक्षा और आतंकवाद विरोधी कदम बताएगा, जबकि पाकिस्तान इसे अपनी सम्प्रभुता का उल्लंघन कहेगा। संयुक्त राष्ट्र में स्थायी सदस्यों के विरोधाभासी हितों के कारण कोई ठोस प्रस्ताव संभव नहीं। सार्क कमजोर होगा और आईएमएफ ऋण की समीक्षा से पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति बिगड़ेगी। हवाई क्षेत्र बंद होने से पाक एयरलाइंस को नुकसान हो रहा है। **- जयभगवान, गढ़वा**

दीर्घकालिक हित देखें

युद्ध किसी समस्या का हल नहीं है और आपसी बातचीत से समस्या को सुलझाना दोनों देशों के हित में है। लेकिन राष्ट्रीय अस्मिता से कोई समझौता नहीं हो सकता। इस में कोई शक नहीं कि 22 अप्रैल को जो कुछ पहलगाम में हुआ, उस से पूरा देश आहत है, किंतु पूर्ण युद्ध होने की स्थिति में मंजर दोनों मुल्कों के हित में नहीं होगा।

-डीवी अरोड़ा, जमशेदपुर

मुंह तोड़ जवाब

भारत का सुरक्षा कवच भेदने में विफल पाक पर मिसाइल वर्षा, पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाक आतंकी ठिकानों पर हमला कर मुंह तोड़ जवाब दिया है। जम्मू कश्मीर के कई ठिकानों पर गोली-बारी से नुकसान पहुंचाया? **- रवि रांची**

X ट्वीट

भारत की उन्नति और विकास को सुनिश्चित करने हेतु सेवारत सभी वैज्ञानिकों एवं इंजीनियरों को 'राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस' की हार्दिक शुभकामनाएं।

वर्ष 1998 में आज ही के दिन भारत ने पोखरण में परमाणु परीक्षण कर अपनी शक्ति और सामर्थ्य का परिचय दिया था।

-अन्नपूर्णा देवी, केन्द्रीय मंत्री

समाज के लिए नर्सों के योगदान को नमन

सामयिक

- योगेश कुमार गोयल

दया और सेवा की प्रतिमूर्ति फ्लोरेंस नाइटिंगेल को आधुनिक नर्सिंग की जन्मदाता माना जाता है, जिनकी आज हम 205वीं जयंती मना रहे हैं। प्रतिवर्ष उन्हीं की जयंती पर 12 मई को अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस मनाया जाता है। लेडी विद द लैंप के नाम से विख्यात नाइटिंगेल का जन्म 12 मई 1820 को इटली के फ्लोरेंस शहर में हुआ था। भारत सरकार द्वारा वर्ष 1973 में नर्सों द्वारा किए गए अनुकरणीय कार्यों को सम्मानित करने के लिए उन्हीं के नाम से ह्यफ्लोरेंस नाइटिंगेल पुरस्कारह्न की स्थापना की गई थी, जो प्रतिवर्ष अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस के अवसर पर प्रदान किए जाते हैं।

फ्लोरेंस नाइटिंगेल खूबसूरत, पढ़ी-लिखी और समझदार युवती थीं। उन्होंने अंग्रेजी, इटेलियन, लैटिन, जर्मनी, फ्रैंच, इतिहास और दर्शन शास्त्र सीखा था, वहीं अपनी बहन और माता-पिता के साथ कई देशों की यात्रा की थी। मात्र 16 वर्ष की आयु में ही उन्हें अहसास हो गया था कि उनका जन्म सेवा कार्यों के लिए ही हुआ है। हालांकि उस दौर में नर्सिंग को एक सम्मानित व्यवसाय भी नहीं माना जाता था। उनके माता-पिता संपन्न परिवार से थे। ऐसे में उनका मानना था कि धनी परिवार की लड़की के लिए वह पेशा सही नहीं है।

दरअसल वह ऐसा समय था, जब अस्पताल बेहद गंदी जगह पर होते थे और वहां बीमार लोगों की मौत के बाद काफी भयावह माहौल हो जाता था। 1850 में फ्लोरेंस ने जर्मनी में प्रोटेस्टेंट डेकोनेसिस संस्थान में दो सप्ताह की अवधि में एक नर्स के रूप में अपना प्रारम्भिक प्रशिक्षण पूरा किया। मरीजों, गरीबों और पीड़ितों के प्रति उनके सेवाभाव को देखते हुए आखिरकार उनके माता-पिता द्वारा वर्ष 1851 में उन्हें नर्सिंग की आगे की पढ़ाई के लिए अनुमति दे दी गई। इसके बाद उन्होंने जर्मनी में महिलाओं के लिए एक क्रिश्चियन स्कूल में नर्सिंग की पढ़ाई शुरू की, जहां उन्होंने मरीजों की देखभाल के तरीकों और अस्पतालों को साफ रखने के महत्व के बारे में जाना।

फ्लोरेंस का नर्सिंग के क्षेत्र में पहली बार अहम योगदान 1854 में क्रीमिया युद्ध के दौरान देखा गया। उस समय ब्रिटेन, फ्रांस और तुर्की (तुर्किये) की रूस से लड़ाई चल रही थी और सैनिकों को रूस के क्रीमिया में लड़ने के लिए भेजा गया था। युद्ध के दौरान सैनिकों के जख्मी होने, ठंड, भूख तथा बीमारी से मरने की खबरें आ रही थीं। युद्ध के समय वहां उनकी देखभाल के लिए कोई उपलब्ध नहीं था। ऐसे में ब्रिटिश सरकार द्वारा फ्लोरेंस के नेतृत्व में अक्तूबर 1854 में 38 नर्सों का एक दल घायल सैनिकों की सेवा के लिए तुर्की भेजा गया। फ्लोरेंस ने वहां पहुंच कर देखा कि किस प्रकार वहां अस्पताल घायल सैनिकों से खचाखच भरे हुए थे, जहां गंदगी, दुर्गंध, दवाओं तथा उपकरणों की कमी, दूषित पेयजल इत्यादि के कारण असुविधाओं के बीच संक्रमण से सैनिकों की बड़ी संख्या में मौतें हो रही थी। फ्लोरेंस ने अस्पताल की हालत सुधारने के अलावा घायल और बीमार सैनिकों की देखभाल में दिन-रात एक कर दिया, जिससे सैनिकों की स्थिति में काफी सुधार हुआ। उनकी अथक मेहनत के परिणामस्वरूप ही अस्पताल में सैनिकों की मृत्यु दर में बहुत ज्यादा कमी आई। उस समय किए गए उनके सेवा कार्यो के लिए ही सभी सैनिक उन्हें आदर और प्यार से ह्यलेडी विद द लैंपह्न कहने लगे थे। 1856 में युद्ध की समाप्ति के बाद जब वह वापस लौटीं, तब स्वयं महारानी विक्टोरिया ने पत्र लिखकर उनका धन्यवाद किया। उसके कुछ ही माह बाद रानी विक्टोरिया से उनकी मुलाकात हुई। उनके सुझावों के आधार पर ही वहां सैन्य चिकित्सा प्रणाली में बड़े पैमाने पर सुधार संभव हुआ और वर्ष 1858 में रॉयल कमीशन की स्थापना हुई। उसके बाद ही अस्पतालों की सफाई व्यवस्था पर ध्यान देना, सैनिकों को बेहतर खाना, कपड़े और देखभाल की सुविधा मुहैया कराना तथा सेना द्वारा डॉक्टरों को प्रशिक्षण देने जैसे कार्यों की शुरूआत हुई। सेवाभाव से किए गए फ्लोरेंस नाइटिंगेल के कार्यों ने नर्सिंग व्यवसाय का चेहरा ही बदल दिया था, जिसके लिए उन्हें रेडक्रॉस की अंतरराष्ट्रीय समिति द्वारा सम्मानित किया गया।

मरीजों, गरीबों और पीड़ितों के प्रति फ्लोरेंस की सेवा भावना को देखते हुए ही नर्सिंग को उसके बाद महिलाओं के लिए सम्मानजनक पेशा माना जाने लगा और उनकी प्रेरणा से ही नर्सिंग क्षेत्र में महिलाओं को आने की प्रेरणा मिली। फ्लोरेंस के अथक प्रयासों के कारण ही रोगियों की देखभाल तथा अस्पताल में स्वच्छता के मानकों में अपेक्षित सुधार हुआ। 90 वर्ष की आयु में 13 अगस्त 1910 को फ्लोरेंस नाइटिंगेल का निधन हो गया, जिनकी कब्र सेंट मार्गरेट गिरजाघर के प्रांगण में है।

कर्नल सोफिया और विंग कमांडर व्योमिका ने महिलाओं में जगाई उम्मीद की किरण

सामयिक

योगेंद्र योगी

पुणे में साल 2016 में आसियान प्लस देशों का बहुराष्ट्रीय फील्ड प्रशिक्षण अभ्यास फोर्स 18 में 40 सैनिकों की भारतीय सेना की टुकड़ी का नेतृत्व सिग्नल कोर की महिला अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल सोफिया कुरैशी ने किया था।

देश भर में चर्चित लेफ्टिनेंट कर्नल सोफिया कुरैशी और वायु सेना में विंग कमांडर व्योमिका सिंह ने साबित कर दिया कि महिलाएं अदम्य साहस के साथ किसी भी चुनौती को स्वीकार करने के लिए तैयार हैं। निश्चित तौर पर युद्ध जैसी स्थिति के दौरान इन दोनों सैन्य अधिकारियों ने जिस शानदार तरीके से स्ट्राइक का विवरण पेश किया, उससे न सिर्फ महिलाओं में उत्साह का संचार होगा बल्कि हर मुश्किल हालात से निपटने के लिए साहस का उद्गम होगा।

पुणे में साल 2016 में आसियान प्लस देशों का बहुराष्ट्रीय फील्ड प्रशिक्षण अभ्यास फोर्स 18 में 40 सैनिकों की भारतीय सेना की टुकड़ी का नेतृत्व सिग्नल कोर की महिला अधिकारी लेफ्टिनेंट कर्नल सोफिया कुरैशी ने किया था। कुरैशी को बहुराष्ट्रीय अभ्यास में भारतीय सेना के प्रशिक्षण दल का नेतृत्व करने वाली पहली महिला अधिकारी बनने का दुर्लभ गौरव हासिल हुआ। गुजरात निवासी सैन्य परिवार से आने वाली सोफिया कुरैशी साल 1999 में 17 साल की उम्र में शॉर्ट सर्विस कमीशन के जरिए भारतीय सेना में आई थीं। उन्होंने छह साल तक संयुक्त राष्ट्र की शांति सेना में भी काम किया। इसमें साल 2006 में कॉन्गो में एक उल्लेखनीय कार्यकाल शामिल है। उस वक्त उनकी प्रमुख भूमिका शांति अभियान में ट्रेनिंग संबंधित योगदान देने की थी। सोफिया कुरेशी के अलावा ऑपरेशन सिंदूर की कामयाबी की ब्रीफिंग देने वाली विंग कमांडर व्योमिका सिंह दूसरी चर्चित अधिकारी थीं। व्योमिका सिंह भारतीय वायु सेना में हेलीकॉप्टर पायलट हैं। उनके नाम का मतलब ही आसमान से जोड़ वाला है। नेशनल कैडेट कोर (एनसीसी) की कैडेट रही व्योमिका सिंह ने इंजीनियरिंग की।

उन्हें साल 2019 में भारतीय वायुसेना के फ्लाइंग ब्रांच में पायलट के तौर पर परमानेंट कमीशन मिला। व्योमिका सिंह ने 2500 घंटों से ज्यादा उड़ान भरी है। उन्होंने जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर भारत में मुश्किल हालात में चेतक और चीता जैसे हेलीकॉप्टर उड़ाए हैं। उन्होंने कई बचाव अभियान में भी अहम भूमिका निभाई है। इनमें से एक ऑपरेशन अरुणाचल प्रदेश में नवंबर 2020 हुआ था। इन दोनों महिला सैन्य अधिकारियों ने जिस आत्मविश्वास और दृढ़ता से ऑपरेशन सिंदूर की सफलता की गाथा पेश कि वह न सिर्फ देशवासियों के दिल-दिमाग में अमिट रहेगी बल्कि तमाम बाधाओं के बावजूद महिलाओं में आगे बढ़ने की ललक कायम रखेगी। इनके जज्बे ने साबित कर दिया कि महिलाऐ देश में हर क्षेत्र में तरक्की का परचम लहरा रही हैं, चाहे वह क्षेत्र सैन्य जैसा चुनौतीपूर्ण और साहसिक क्षेत्र ही क्यों न हो। देश में महिला सशक्तिकरण की दिशा में इन दोनों महिलाओं का प्रदर्शन महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा। महिलाओं के सपने पूरा करने में मदद करेगा। देश के विभिन्न क्षेत्रों में महिलाओं का अग्रणी प्रदर्शन विकसित बनने की दिशा में अग्रसर भारत की नई तस्वीर पेश करता है।

सोफिया कुरैशी और व्योमिका सिंह जैसी देश का प्रतिनिधित्व करने वाली महिलओं की सफलता की प्रेरणा के बावजूद देश की आम महिलाओं के लिए अभी भी मंजिल आसान नहीं हैं। भारत में पितृसत्तात्मक मानसिकता और लैंगिक असमानता के चलते महिलाओं को विरोधाभासी भूमिकाएँ निभाने के लिए मजबूर किया जाता है। महिलाओं की ताकत को यह सुनिश्चित करने के लिए उभारा जाता है कि वे बेटियों, माताओं, पत्नियों और बहू के रूप में पालन-पोषण करने वाली अपनी पारंपरिक भूमिकाएँ प्रभावी ढंग से निभाएँ। दूसरी ओर, एक कमजोर और असहाय महिला की रूढ़िवादिता को बढ़ावा दिया जाता है ताकि यह सुनिश्चित हो सके।

युद्ध की त्रासदी और मानवीय जीवन

कार्टून वर्ल्ड

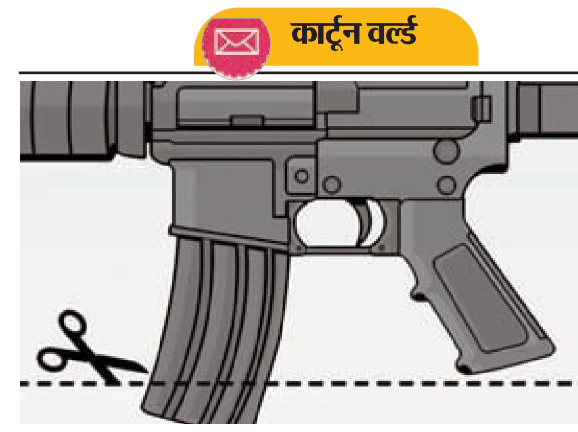

बरकट्ठा में किराना दुकान में सेंधमारी

5 लाख का सामान और 30 हजार नकद की चोरी

खबर मन्त्र संवाददाता

बरकट्ठा। थाना क्षेत्र के गंगपाचो गांव में एक किराना दुकान में अज्ञात चोरों ने सेंध लगाकर करीब 5 लाख रुपये के सामान और 30 हजार रुपये नकद की चोरी कर ली। दुकान मालिक महेश प्रसाद चौधरी ने बताया कि घटना 8 मई की रात की है। चोरों ने खिड़की तोड़कर दुकान में घुसपैठ की और चावल, दाल, चीनी, तेल, रिफाइंड, साबुन समेत कई सामान चोरी कर फरार हो गए। इसके अलावा गल्ले में रखे 30 हजार रुपये नकद भी ले गए। घटना के बाद दुकानदार ने बरकट्ठा थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है। महेश प्रसाद चौधरी ने पुलिस से अज्ञात चोरों के खिलाफ कार्रवाई करने की मांग की है।

सीसीटीवी में कैद चोर

पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालने के प्रयास में जुटी है। घटना से स्थानीय व्यापारियों में भय और आक्रोश का माहौल है। पुलिस ने जल्द ही आरोपियों की गिरफ्तारी का आश्वासन दिया है।

हजारीबाग में ब्राउन शुगर की बड़ी खेप बरामद, पांच गिरफ्तार

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। जिले के बड़ा बाजार ओपी क्षेत्र के मिशन ग्राउंड में ब्राउन शुगर के बड़े सौदे का भंडाफोड़ करते हुए पुलिस ने पाँच तस्करों को गिरफ्तार किया है। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि पिकअप वाहन (सं. जेएच 02 एआर 1667) और हुंडई आई20 (सं. डीएल 07 सीएम 8593) में सवार कुछ लोग ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री करने आ रहे हैं। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अमित आनंद के नेतृत्व में एक विशेष छापेमारी दल का गठन किया गया। टीम ने मिशन ग्राउंड पहुंचकर चारों ओर घेराबंदी कर दी। थोड़ी देर बाद दोनों वाहन वहां पहुंचे। पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए दोनों वाहनों में सवार पाँच लोगों को पकड़ लिया। तलाशी के दौरान 52.95 ग्राम ब्राउन शुगर, 51,300 रुपये नकद और तीन मोबाइल फोन बरामद किए गए। गिरफ्तार तस्करों में गिद्धौर, चतरा के अंगलेश कुमार और संदीप कुमार, बड़ा बाजार के मोहम्मद रिजवान, हबीबी नगर के इमरान खान उर्फ राजा और पेलावल के शाहील खान उर्फ आलिम शामिल हैं। सभी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट 1985 की धारा 21 (ए) (बी), 22 (ए) (बी) और बीएनएस एक्ट 2023 की धारा 317 (5) के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। छापेमारी टीम में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी अमित आनंद, बड़ा बाजार ओपी प्रभारी बिट्टू रजक, कटकमसांडी थाना प्रभारी राज बल्व, सदर ओपी के पु.अ.नि. सुधीर कुमार, स.आ.नि. उपेंद्र सिंह और अन्य पुलिसकर्मी शामिल थे। घटना के बाद इलाके में पुलिस की सतर्कता बढ़ा दी गई है।

जानकारी देते एसपी अरविन्द कुमार सिंह

एक नजर में

झील किनारे डब्बे में मिला नवजात का शव, अवैध संबंधों के चलते फेंके जाने का शक

नीरज पासवान व अन्य

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। लोहसिंघना थाना क्षेत्र में स्थित झील के समीप रविवार को एक दिल दहला देने वाली घटना सामने आई। झील के किनारे एक डब्बे में नवजात शिशु का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। डब्बे के आसपास आवारा कुत्तों को मंडराते देख स्थानीय लोगों को शक हुआ, जिसके बाद उन्होंने तुरंत पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने स्थिति का जायजा लिया और शव को कब्जे में लेने के लिए मुक्ति सेवा संस्थान के समाजसेवी नीरज पासवान को बुलाया। पासवान ने नवजात के शव को कब्जे में लेकर आगे की कार्रवाई शुरू की। प्रथम दृष्टया ऐसा प्रतीत हो रहा है कि किसी ने अवैध संबंधों के चलते नवजात को जन्म देकर अपनी करतूत छिपाने के लिए डब्बे में पैक कर झील किनारे फेंक दिया। पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि शिशु को यहां फेंकने के पीछे किसका हाथ है। मुक्ति सेवा संस्थान के नीरज पासवान ने इस कृत्य की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि मासूम की जान लेने वाले आरोपियों को जल्द से जल्द पकड़कर कड़ी सजा दी जानी चाहिए।

दैनिक रांची एक्सप्रेस के प्रभारी के पिता महेश विश्वकर्मा का निधन

पत्रकारों एवं समाज के गणमान्य लोगों ने दी श्रद्धांजलि

खबर मन्त्र संवाददाता

रामगढ़। दैनिक रांची एक्सप्रेस के प्रभारी अनिल विश्वकर्मा के पिता महेश विश्वकर्मा का रविवार देर रात हृदयगति रुक जाने के कारण निधन हो गया। उनके असामयिक निधन से क्षेत्र में शोक की लहर फैल गई।

जानकारी के अनुसार, रविवार देर रात महेश विश्वकर्मा की अचानक तबीयत बिगड़ गई। उन्हें तुरंत अस्पताल ले जाया गया, जहां उन्होंने अंतिम सांस ली। सोमवार को गांधी घाट स्थित मुक्तिधाम में उनका अंतिम संस्कार किया गया। मुखाग्नि उनके बड़े पुत्र पप्पू विश्वकर्मा ने दी। रामगढ़ के लोहार टोला निवासी स्व. महेश विश्वकर्मा अपने पीछे दो पुत्र पप्पू विश्वकर्मा एवं अनिल विश्वकर्मा और दो पुत्रियों सहित भरापूरा परिवार छोड़ गए हैं।

लोहार टोला से निकली शव यात्रा : दिवंगत महेश विश्वकर्मा के पार्थिव शरीर को अंतिम दर्शन के लिए उनके लोहार टोला स्थित आवास पर रखा गया था। जहां सैकड़ों लोगों ने उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। वहाँ से शव यात्रा निकाली गई, जो मुक्तिधाम पहुंची। वहां दो मिनट का मौन रखकर उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

अंतिम संस्कार में शामिल

राजनीतिक और सामाजिक जगत ने जताया शोक : उनके निधन की सूचना मिलते ही रामगढ़ के पूर्व विधायक शंकर चौधरी सहित विभिन्न राजनीतिक दलों के प्रतिनिधि, समाजसेवी, पत्रकार और गणमान्य लोग उनके आवास पहुंचे और शोक-संवेदना व्यक्त की। साथ ही परिवार के प्रति अपनी गहरी सहानुभूति प्रकट की और ईश्वर से दिवंगत आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की। महेश विश्वकर्मा के अंतिम संस्कार में प्रेस क्लब रामगढ़ के अध्यक्ष वीरेंद्र कुमार बीरू, सचिव धनेश्वर प्रसाद, उपाध्यक्ष प्रदीप राज बबलू, अमित कुमार सिन्हा, कोषाध्यक्ष दुर्वेज आलम, वरिष्ठ पत्रकार प्रदीप बर्मन, अशोक मेहता, तरुण बागी, सुरेंद्र सिंह भाटिया, धर्मेंद्र पटेल, मुकेश सिंह, शंकर देवघरिया, देवांशु शेखर मिश्र, मोतीउल्लाह, आरएस मुन्ना, मिथिलेश रविदास, राजेश राय, सन्नी सिन्हा, आशीष सिंह, अंकित कुमार, सत्यप्रकाश, करमजीत सिंह जग्गी, आकाश शर्मा, मो. अयुब, भाजपा नेता सरदार अनमोल सिंह, धनंजय पुटुश, विजय जायसवाल, संदीप शर्मा, रितिक सोनी सहित बड़ी संख्या में लोग शामिल थे।

राधा कास्टिंग फैक्ट्री में कार्यरत मजदूर की शॉट सर्किट से हुई मौत : ग्रामीण व परिजनों ने फैक्ट्री पर लापरवाही का लगाया आरोप, वार्ता में नगद 1 लाख व भरण-पोषण के लिए 17 लाख का दिया गया चेक।

मंडा पर्व भक्तों की अटूट आस्था और भक्ति का प्रदर्शन है: तिवारी

मंडा पर्व में 50 भोक्तो ने दहकते अंगारो व बनस झूला झूलकर दिया शिव भक्ति का परिचय

दहकते अंगारों पर चलते शिव भक्त, बनस झूला झूलते शिव भक्त व मांदर बजाते तिवारी महतो

कुजू। लोक आस्था का पर्व मंडा ओरला में धूमधाम से मनाया गया। इस दौरान 50 भोक्ताओ को पंडित हीरालाल,पाहन गोपाल मुंडा, हरिहर मुंडा, खीरु बेदिया द्वारा लोटन सेवा कराया गया। साथ ही स्थानीय तालाब में स्नान कर नए वस्त्र धारण कर विधिवत भगवान शिव की पूजा अर्चना कराया। बाद में दहकते अंगारों पर चलकर व अपने पीठ पर किल चुभोकर बनस झूला झूल कर शिव भक्ति का परिचय दिया। इससे पूर्व रात्रि में छऊ नृत्य व मेले का उद्धघाटन किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि के रूप में मांडू विधायक तिवारी महतो विशिष्ट अतिथि तोपा लोकल सेल अध्यक्ष राजेश्वर गंझू, मुखिया गुड़िया देवी, जिप सदस्य दयामंती देवी, पंसस गुड़िया देवी शामिल थे। इस दौरान अतिथियों ने सयुंक्त रूप से फीता काटकर मेले व छऊ नृत्य का उद्घाटन किया। वही समिति सदस्यों ने अतिथियों को अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया।

रामगढ़ जिला एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पावन क्रूस स्कूल के खिलाड़ियों ने लहराया परचम

भुरकुंडा (रामगढ़)। रामगढ़ जिला एथलेटिक्स एसोसिएशन के तत्वावधान में रजरप्पा स्थित डीएवी ग्राउंड में आयोजित दो दिवसीय रामगढ़ जिला जूनियर एथलेटिक्स चैंपियनशिप में पावन क्रूस स्कूल के खिलाड़ियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर अपनी प्रतिभा का डंका बजाया। प्रतियोगिता में स्कूल के कुल 18 खिलाड़ियों ने हिस्सा लिया। जिसमें से 12 प्रतिभागियों ने विभिन्न प्रतिस्पधाओं में पदक जीतकर विद्यालय का मान बढ़ाया। प्रतियोगिता के पंच स्पधामें नैतिक उरांव एवं शिखा लकड़ा प्रथम और इशांत उरांव तृतीय, त्रैस्पर्धा सी वर्ग में निधि तिग्गा द्वितीय, सृष्टि एक्का तृतीय, त्रैस्पर्धा ए वर्ग में अनुपमा तिर्की तृतीय, (त्रैस्पर्धा बी वर्ग में मुस्कान उरांव द्वितीय, 60 मीटर दौड़ में दिव्या गुप्ता प्रथम, सिया तिग्गा द्वितीय, 600 मीटर दौड में नैतिक उरांव तृतीय, लंबी कूद में दिव्या गुप्ता प्रथम, सिया तिग्गा द्वितीय, 3000 मीटर वॉक में समायरा कुमारी प्रथम, गायत्री कुमारी तृतीय, भाला फेंक में रिया उरांव द्वितीय स्थान प्राप्त कर सफल प्रतिभागी घोषित हुए। मौके पर मो. कमरुद्दीन, सुधीर प्रसाद, रेणु पॉल, रजनी डुंगडुंग, निर्मला, कंचन मिंज, संगीता गिद्ध, सिस्टर संगीता, मानशी, पूजा, नेहा, आनंद टेटे, आरती आदि मौजूद थें।

गौतम बुद्ध शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय का 18वां वार्षिकोत्सव, सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने बांधा समा

अनुशासन और शिष्टाचार के पाठ पढ़ा रहा है: सांसद

दीप प्रज्ज्वलित करते सांसद मनीष जायसवाल

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। हजारीबाग के गौतम बुद्ध शिक्षक प्रशिक्षण महाविद्यालय ने सोमवार को अपने 18वें वार्षिकोत्सव को धूमधाम से मनाया। विवेकानंद सभागार में आयोजित इस समारोह में बुद्ध जयंती के अवसर पर उनके जीवन और उपदेशों पर परिचर्चा भी आयोजित की गई। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए मुख्य अतिथि सांसद मनीष जायसवाल ने महाविद्यालय की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह संस्थान अपने प्रशिक्षुओं को व्यावहारिक ज्ञान, अनुशासन और शिष्टाचार के पाठ पढ़ा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रशिक्षु शिक्षक ही देश के भविष्य को संवारने में अहम भूमिका निभाएंगे। इस अवसर पर विनोबाभावे विश्वविद्यालय के राजनीति विज्ञान विभाग के सेवानिवृत्त प्रोफेसर डॉ. बालेश्वर प्रसाद सिंह ने कहा कि बुद्ध के उपदेश आज भी वैश्विक विषमताओं को दूर करने में कारगर हैं। पूर्व रजिस्ट्रार डॉ. बंशीधर रूखैयार ने सत्य और अहिंसा के मार्ग पर चलने का संदेश दिया, जबकि महाविद्यालय प्रबंधन समिति के उपाध्यक्ष मनोज कुमार ने मध्यम मार्ग अपनाने की सलाह दी। सांस्कृतिक कार्यक्रम में बी.एड. और डी.एल.एड. के प्रशिक्षुओं ने रंगारंग प्रस्तुतियों से समां बांध दिया। गणेश वंदना से शुरूआत करते हुए राजस्थानी, मराठी और नागपुरी लोकनृत्य के प्रदर्शन ने दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कार्यक्रम का संचालन कुमारी श्वेता, कुमारी कोमल और कपिल देव ने किया। समापन राष्ट्रगान के साथ हुआ, जिसमें पूरा महाविद्यालय परिवार उपस्थित रहा।

संकुल के सभी विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं पर ध्यान देना आवश्यक : रामअवतार

खबर मन्त्र संवाददाता

रजरप्पा। कोयलांचल स्थित सरस्वती विद्या मंदिर रजरप्पा में सोमवार को विद्या विकास समिति, झारखंड के तत्वावधान में संकुल प्रमुख एवं संयोजकों की एक दिवसीय महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। बैठक में झारखंड प्रांत के विभिन्न क्षेत्रों से आए संकुल प्रमुखों एवं संयोजकों ने भाग लिया।बैठक का शुभारंभ मंचासीन अतिथियों के रूप में उपस्थित विद्या भारती के क्षेत्रीय मंत्री रामवतार नारसरिया, विद्या विकास समिति के प्रदेश सचिव नकुल कुमार शर्मा, प्रदेश मंत्री डॉ. ब्रजेश कुमार एवं प्रांतीय समिति सदस्य डॉ. भारती प्रसाद के द्वारा संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलन करके किया गया। बैठक तीन सत्रों में आयोजित हुई।जिसमे पूरे झारखंड प्रांत से 39 संकुल के संकुल प्रमुख एवं संयोजक सम्मिलित हुए। उद्घाटन सत्र में अथिति परिचय प्राचार्य उमेश प्रसाद के द्वारा किया गया। अतिथियों का स्वागत पुष्प-गुच्छ एवं अंगवस्त्र प्रदानकर किया गया। उसके पश्चात विद्यालय की बहनों ने स्वागत गीत प्रस्तुत की। कार्यक्रम की प्रस्तावना प्रदेश सचिव नकुल शर्मा द्वारा रखी गई जिसके माध्यम से संगठन को रीति और नीति अनुसार कार्यों की समीक्षा करने पर बल दिया गया। तत्पश्चात क्षेत्रीय मंत्री उत्तर पूर्व क्षेत्र रामअवतार नारसरिया द्वारा बुद्ध पूर्णिमा तथा अंतरराष्ट्रीय नर्स डे की बधाई देते हुए नई शिक्षा नीति के विभिन्न विषयों पर चर्चा की गई जिसमे क्लस्टर के अनुसार अपने अपने संकुल के विद्यालयों की कमियों को पूर्ण करने पर विशेष बल दिया गया। समय-समय पर शिक्षकों के लिए अपग्रेडिंग असेस्मेंट का आयोजन भी किया जाना चाहिए। संकुल के सभी विद्यालयों में आधारभूत सुविधाओं पर ध्यान देना आवश्यक है। प्रबंधकारिणी समिति की सक्रियता पर भी ध्यान देना तथा योग्यताओं के आधार पर इसका समय-समय पर आँकलन करना भी आवश्यक है। संकुल के सभी विद्यालयों को सरकारी तंत्र से भी जोड़ना आवश्यक है। प्रदेश मंत्री डॉ ब्रजेश कुमार ने पाँच परिवर्तनों पर विशेष बल दिया। कायार्नुभव तथा योग्यताओं के आधार पर चयनित संकुल प्रमुख एवं संकुल संयोजक के तालमेल और सहमति से ही संकुल में कार्यों का निष्पादन हो। अपने क्षेत्र के संस्कार केंद्रों पर संकुल संयोजक तथा प्रमुख का ध्यान देना आवश्यक है। सौ वर्ष पूरे होने पर आरएसएस ने पांच परिवर्तन पर जो चर्चा की है जमीनी स्तर पर उसका क्रियान्वयन करना है। द्वितीय सत्र में सभी संकुल प्रमुखों के द्वारा संकुल की योजना एवं उपलब्धियों पर चर्चा की गई। वही समापन सत्र में क्षेत्रीय संगठन मंत्री उत्तर पूर्व क्षेत्र ख्यालीराम जी का उदबोधन हुआ। बैठक में विद्या विकास समिति के पूर्णकालिक कार्यकर्ता नीरज कुमार लाल, अखिलेश कुमार, राजेश प्रसाद, ओम प्रकाश सिन्हा, सुरेश मंडल, विवेक नयन पांडेय, रमेश कुमार, ब्रेन कुमार टुडू आदि उपस्थित थे।

उपस्थित अतिथि

पानी पर मुनाफाखोरी: हजारीबाग में 'वाटर लॉर्ड्स' का खौफनाक खेल

खबर मन्त्र संवाददाता

हजारीबाग। शहर में पानी का संकट अब महज एक आपदा नहीं, बल्कि कुछ लोगों के लिए सोने का अंडा देने वाली मुर्गी बन गया है। भीषण गर्मी और सूखे की मार झेल रहे हजारीबाग में लोग बूंद-बूंद पानी को तरस रहे हैं।

वहीं दूसरी ओर, इसी प्यास के बाजार में कुछ मुनाफाखोर दिन-रात पानी बेचकर मोटी कमाई कर रहे हैं। शहर के कई इलाकों में नल सूख चुके हैं। जिन घरों में पहले दिन में दो बार पानी आता था, अब वहां हफ्ते में एक बार भी सप्लाई नहीं हो रही। इस संकट का फायदा उठाकर टैंकर माफिया और जार सप्लायर्स ने अपने धंधे को जमकर फैलाया है। 20 से 30 रुपये प्रति जार के हिसाब से पानी बेचा जा रहा है। हर दिन हजारों लीटर पानी शहर के हर गली-मोहल्ले में सप्लाई किया जा रहा है। लेकिन सवाल यह है कि यह पानी कितना शुद्ध है? कई जगहों पर बिना किसी फिल्ट्रेशन के सीधे बोरवेल से पानी भरकर जार में सप्लाई किया जा रहा है। स्वास्थ्य विभाग की अनदेखी और नगर निगम की निष्क्रियता के कारण इस अवैध धंधे को खुलेआम बढ़ावा मिल रहा है।

शहर में चल रहे कई मिनरल वॉटर प्लांट न तो पंजीकृत हैं, न ही उनके पानी की गुणवत्ता की कोई गारंटी है। हजारीबाग के प्यासे लोग अब इन 'वाटर लॉर्ड्स' के शिकंजे में फंस चुके हैं। जहां सरकार का काम जनता को शुद्ध पानी उपलब्ध कराना था, वहां अब ये माफिया तय कर रहे हैं कि पानी किस दाम पर मिलेगा। मजबूर लोग अपनी जेब और सेहत को दांव पर लगाकर यह पानी खरीद रहे हैं। सवाल यह है कि आखिर कब तक यह गोरखधंधा यूं ही चलता रहेगा? क्या प्रशासन इन मुनाफाखोरों पर नकेल कसेगा या फिर आम आदमी की प्यास का सौदा इसी तरह होता रहेगा?

भीषण गर्मी के बावजूद प्रशासन ने नहीं की पेयजल की व्यवस्था

बरही। प्रचंड गर्मी के बीच बरही में प्रशासन की लापरवाही से राहगीरों की परेशानी बढ़ गई है। पिछले कुछ दिनों से तापमान में लगातार वृद्धि हो रही है और आने वाले दिनों में इसके और बढ़ने की संभावना जताई जा रही है। इसके बावजूद, बरही चौक पर प्रशासन ने अब तक पेयजल स्टॉल की कोई व्यवस्था नहीं की है। मई का आधा महीना बीत चुका है, लेकिन बरही के किसी भी इलाके में राहगीरों के लिए ठंडे पानी की व्यवस्था नहीं की गई है। तेज धूप में सफर कर रहे यात्रियों को गला तर करने के लिए मजबूरन दुकानों से पानी खरीदना पड़ रहा है। जो लोग पानी की बोतल नहीं खरीद सकते, वे प्यासे ही सफर करने को विवश हैं। हर दिन बरही से गुजरने वाले हजारों यात्रियों को इस पेयजल संकट का सामना करना पड़ रहा है। धूप से झुलसते शरीर और सूखते गले के बावजूद प्रशासन का इस ओर ध्यान नहीं है। स्थानीय लोगों का कहना है कि प्रशासन को तत्काल बरही चौक और अन्य प्रमुख स्थानों पर पेयजल स्टॉल की व्यवस्था करनी चाहिए, ताकि राहगीरों को राहत मिल सके।

आक्रोशित ग्रामीणों ने आंगनबाड़ी केंद्र में जड़ा ताला

मुखिया को लिखित आवेदन देकर अवैध वसूली का लगाया आरोप

आक्रोशित लोग

खबर मन्त्र संवाददाता

कटकमसांडी। सेविका के अनैतिक कार्यो से क्षुब्ध होकर सोमवार को करीब आठ बजे सुबह पबरा पंचायत के हरिना गांव के ग्रामीणो ने आंगनबाड़ी मे ताला जड़ दिया। ग्रामीणो का आरोप है कि बाल विकास से जुड़े सभी जनकल्याणीकारी योजनाओं में सेविका सोगरा खातुन द्वारा पैसे की वसूली की जाती है। महिलाओं द्वारा विरोध करने पर फंसाने की धमकी दी जाती है। साथ ही, मुखिया को दिए आवेदन मे लाडली योजना के फॉर्म भरने के एवज में गांव के सबीहा खातुन, शकीला खातुन, मो. सगीर, मो. हसमत से पांच से छह हजार रूपए लेने की बात कही गई है। लोगों ने बताया कि हरिना स्थित आंगनबाड़ी केंद्र में अव्यवस्था का आलम है। आंगनबाड़ी केंद्र मनमाने तरीके से खुलता व बंद होता है। सेविका से पूछे जाने पर वह लड़ाई झगड़ा पर उतारू हो जाती है। इन तमाम शिकायतों के सामने आने पर गांव के महिला पुरूष ने ताला जड़कर कहा कि जबतक सम्बन्धित विभाग से सेविका पर कार्रवाई नही होती है तबतक आंगनबाड़ी में ताला जड़ा रहेगा। मुखिया को दिए आवेदन में सबीहा परवीन, सोनू कुमार, मो. कयुम, मो. साहिल, धनु महतो, मो. मुस्ताक, मो. जावेद, शकीला खातुन, सलीमा खातुन, संजीदा खातुन, मेहरून निशा, अफसाना परवीन, सुफीदा खातुन सहित दर्जनों महिला पुरूष का नाम शामिल है।

कूटनीतिक जीत: आतंकवाद पर खींची स्थायी रेखा, अपने उद्देश्य में भारत सफल...

एयर डिफेंस सिस्टम तक, भारत ने ऐसे साधा सटीक निशाना

पाकिस्तान की ओर से किए गए संघर्ष विराम उल्लंघन के बाद सीमा पर हालात तनाव पूर्ण बने हुए हैं। रविवार को डीजीएमओ की ओर से प्रेस कॉन्फ्रेंस की गई। जिसमें भारतीय थल सेना के महानिदेशक सैन्य अभियान लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, भारतीय वायु सेना के महानिदेशक वायु अभियान एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती और भारतीय नौसेना के महानिदेशक वाइस एडमिरल एएन प्रमोद शामिल हुए।

सेना अधिकारियों की ओर से पाकिस्तान के उपर की गई कार्रवाई के तस्वीरें जारी की गई है। सैन्य अधिकारियों ने बताया कि हमने इन ठिकानों की सटीक पहचान की और इनके सबूत वापस लाने की प्रॉसेस भी सुनिश्चित की। सीमा पार 9 ठिकानों पर हमने 100 आतंकवादी मारे। हमने कंधार हाईजैक और पुलवामा हमले में शामिल तीन बड़े आतंकी चेहरे मार गिराए। 9 में से 6 टारगेट एयरकैंप को दिए गए। इनमें बहावलपुर और मुरीदके के आतंकी कैंप भी शामिल थे।

डायरेक्टर जनरल ऑफ एयर ऑफरेशन एयरमार्शल भारती ने बताया, मुरीदके के आतंकी कैंप में हवा से सतह पर मार करने वाली चार टारगेटेड मिसाइल से हमला किया और उन्हें तबाह कर दिया गया। ऑपरेशन सिंदूर साफ तौर पर आतंकवाद के साजिशककताओं और उनके ठिकानों को तबाह करने के लिए किया गया था।

एयरमार्शल भारती ने बताया, मुरीदके के आतंकी कैंप के बाद बहावलपुर ट्रेनिंग कैंप में कई इन्फ्रास्ट्रक्कर को चुना, जहां आतंकवाद को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाया जा सकता था। इन दो आतंकी ठिकानों को हमने निशाना बनाया और इन्हें तबाह किया। हमने आतंकियों और आतंकी अड्डों को निशाना बनाया। पाकिस्तानी सेना और किसी और इन्फ्रास्ट्रक्कर को टारगेट नहीं किया।

एयरमार्शल भारती ने बताया, हमने उसी रात उनके लाहौर और गुजरांवाला स्थित रडार सिस्टम को निशाना बनाया। हम उन्हें यह बताना चाहते थे कि उनके सैन्य ठिकाने हमारी पहुंच से दूर नहीं थे। 8-9 मई को पाकिस्तान ने ड्रोन और एयरक्राफ्ट से हमारे बॉर्डर पर हमला किया था और सैन्य ठिकानों को निशाना बनाने की उनकी ज्यादातर कोशिशें नाकाम रहीं। 8-9 मई की रात श्रीनगर से नलिया तक ड्रोन और एयरक्राफ्ट से हमला हुआ।

रहीमयार खान एयरबेस

रहीमयार खान एयरबेस पाकिस्तान के पंजाब प्रांत के दक्षिण क्षेत्र में स्थित है। ये एयरबेस पाकिस्तानी एयर फोर्स का सक्रिय सैन्य हवाई अड्डा नहीं है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा होने की वजह से इसका महत्व काफी अलग है। यह हवाई अड्डा नागरिक उड़ानों के लिए इस्तेमाल होता है और पाकिस्तान सिविल एविएशन अथॉरिटी की तरफ से संचालित किया जाता है।

सरगोधा एयरबेस

पाकिस्तान एयरफोर्स का सरगोधा एयरबेस मियांवाली जिले में मौजूद है। इसे पाकिस्तान की एयर डिफेंस की रीढ़ माना जाता है। भारतीय सेना के हमले में बड़े पैमाने पर मिसाइल और बमबारी से रडार यूनिट्स नष्ट हो गई थी। ऐसे भी माना जा रहा है कि, बेस पर मौजूद कई विमानों की भी नुकसान पहुंचा था।

चकलाला एयरबेस

ये एयरबेस पाकिस्तान वायुसेना की लाइफलाइन है, इसे नूर खान एयरबेस के नाम से भी जाना जाता है। इसका नाम पाकिस्तानी एयरफोर्स के पूर्व प्रमुख एयर मार्शल नूर खान के नाम पर रखा गया है। ये ज्यादातर वीआईपी मूवमेंट और लॉजिस्टिक्स ऑपरेशन के लिए इस्तेमाल किया जाता है।

चुनियांन एयरबेस

यह पाकिस्तान एयरफोर्स (पीएएफ) का एक प्रमुख ऑपरेशनल एयरबेस है। यह एयरबेस पंजाब प्रांत के चुनियांन शहर के पास स्थित है, जो लाहौर से लगभग 70 किलोमीटर दक्षिण की ओर है। यह एयरबेस पाकिस्तान की हवाई सुरक्षा प्रणाली का एक महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है।

ॅपसरूर एयरबेस (सीमा के पास)

पसरूर एयरबेस रडार इंटरसेप्शन और लॉजिस्टिक सपोर्ट में पाकिस्तान सेना की मदद करता है। भारतीय सेना के हमले में यहां भारी नुकसान हुआ था।

इन सैन्य ठिकानों पर जवाबी कार्रवाई:

चकलाला	(एलओसी से 100 किमी)
मुरीद	(एलओसी से 160 किमी)
रफीकी	(फजिल्का से 175 किमी)
रहीमयार खान	(जैसलमेर से 180 किमी)
सुक्कूर	(जैसलमेर से 225 किमी)
चुनियांन	(फिरोजपुर से 62 किमी)
पसरुर की रडार साइट	(गुरुदासपुर से 75 किमी)
सियालकोट एविएशन बेस	(सांबा से 55 किमी)

अब भविष्य में देश के अंदर होने वाली एक भी आतंकी घटना को भारत अपने खिलाफ युद्ध मानेगा

जी पार्थसारथी,

आतंकवाद के सवाल पर भारत ने पड़ोसी पाकिस्तान के लिए एक स्थायी लक्ष्मण रेखा खींच दी। सीजफायर को स्वीकार करने से पहले भारत ने घोषित कर दिया कि अब भविष्य में देश के अंदर होने वाली एक भी आतंकी घटना को वह अपने खिलाफ युद्ध मानेगा। इसका सीधा अर्थ यह हुआ कि भविष्य में ऐसी आतंकी कार्रवाई के खिलाफ जवाबी सैन्य कार्रवाई के लिए भारत ने खुद को स्वतंत्र घोषित कर दिया है। पहलगाम पर बर्बर और अमानवीय आतंकी हमला मामले में पाकिस्तान के खिलाफ जवाबी कार्रवाई कर भारत ने अपना मकसद पूरा कर लिया। आतंकवाद के सवाल पर भारत ने पड़ोसी पाकिस्तान के लिए एक स्थायी लक्ष्मण रेखा खींच दी। सीजफायर को स्वीकार करने से पहले भारत ने घोषित कर दिया कि अब भविष्य में देश के अंदर होने वाली एक भी आतंकी घटना को वह अपने खिलाफ युद्ध मानेगा। इसका सीधा अर्थ यह हुआ कि भविष्य में ऐसी आतंकी कार्रवाई के खिलाफ जवाबी सैन्य कार्रवाई के लिए भारत ने खुद को स्वतंत्र घोषित कर दिया है। इसका सीधा अर्थ है कि पाकिस्तान भविष्य में ऐसी आतंकी कार्रवाई के लिए भारत की सीधी कार्रवाई के लिए तैयार रहे। भारत अपने उद्देश्य में सफल पाकिस्तान की फजीहत

करीब चार दिन की तनातनी के बाद कूटनीतिक विशेषज्ञ युद्ध विराम पर भारत की सहमति को लेकर अपने निष्कर्ष के लिए स्वतंत्र हैं। दोनों पक्षों के समर्थन और विरोध में कई तर्क दिए जा रहे हैं। हालांकि सही निहितार्थ में देखें, तो आतंकवाद के खिलाफ जंग में भारत अपने उद्देश्य में सफल रहा है। कूटनीतिक मोर्चे पर पाकिस्तान की दुनिया भर में फजीहत हुई है।

भारत की दो टूक- पाकिस्तान ने संघर्ष विराम का घोर उल्लंघन किया, सेना को सख्ती से निपटने के आदेश

रवैया नहीं बदला तो बढ़ेंगी मुश्किलें

यह भी साफ हुआ है कि अगर पाकिस्तान आतंकवाद को पोषित और संरक्षण देने की नीति पर कायम रहा तो आने वाले समय में उसकी मुश्किलें बढ़ेंगी। यह मुश्किलें ऐसे समय में बढ़ेंगी जब पाकिस्तान आर्थिक और आंतरिक मोर्चे पर बुरी तरह से संघर्ष कर रहा है। अब सवाल है कि इस संघर्ष विराम को कैसे देखा जाना चाहिए? इस संघर्ष विराम के राजनीतिक और कूटनीतिक निहितार्थ क्या हैं? और सबसे बड़ा सवाल यह है कि सैन्य और कूटनीतिक संघर्ष में जीत किसके हाथ लगी है? मेरा मानना है कि संघर्ष विराम को भारत के कूटनीतिक रणनीति के संदर्भ में देखा जाना चाहिए। यह बेहद महत्वपूर्ण है। भारत ने पहलगाम आतंकी हमला मामले में पाकिस्तान और पीओके स्थित आतंकी ठिकानों को निशाना बनाया। निशाना बनाने से पहले भारत पूर्व की तरह दुनिया के आगे कूटनीतिक मोर्चे पर पाकिस्तान को अलग–थलग करने की मुहिम से दूर रह कर सीधी कार्रवाई की। यह सीधी कार्रवाई इस बात का संकेत है कि अब अपने खिलाफ आतंकी घटनाओं के बाद भारत दुनिया के आगे रोने और मध्यस्थता की गुजारिश करने के बदले सीधी कार्रवाई करेगा।

राजनाथ सिंह बोले- अब हर साल बनेंगी 100 ब्रह्मोस मिसाइलें

रेशन सिंदूरह्ल का असर रावलपिंडी तक: रक्षा मंत्री ने ब्रह्मोस यूनिट के उद्घाटन को भी भारत की रक्षा क्षमता को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया।

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने रविवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटीग्रेशन और टेस्टिंग फैसिलिटी का उद्घाटन किया। इस मौके पर उन्होंने कहा कि यह दिन लखनऊ, उत्तर प्रदेश और पूरे देश के लिए ऐतिहासिक है।

उन्होंने कहा, ह्लआज का दिन उस शक्ति की पूजा का दिन है जो हमारे सैनिकों को ताकत देती है और दुश्मनों के लिए कहर बन जाती है। भले ही मैं आज आपके बीच मौजूद नहीं हूं, लेकिन आपके उत्साह के जरिए आप मुझ तक पहुंच चुके हैं। यह खुद में एक संदेश है कि देश किसी भी स्थिति में रुकेगा नहीं, काम थमेगा नहीं और संवाद कभी टूटेगा नहीं।ह्व

रक्षा मंत्री ने इस परियोजना से जुड़े सभी वैज्ञानिकों, इंजीनियरों और संस्थानों को बधाई दी।

उन्होंने कहा कि यह फैसिलिटी देशभर के युवाओं, इंजीनियरों और वैज्ञानिकों की मेहनत का नतीजा है।

राजनाथ सिंह ने कहा, ह्लआप सबने दिन-रात मेहनत करके इस इंटीग्रेशन और टेस्टिंग फैसिलिटी की नींव रखी है। मैं आपकी मेहनत और समर्पण को सलाम करता हूं।ह्व

ब्रह्मोस एयरोस्पेस इंटीग्रेशन और टेस्टिंग फैसिलिटी के उद्घाटन समारोह के दौरान रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को कहा कि आज का दिन ह्लराष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवसह्व के तौर पर बेहद अहम है। उन्होंने 1998 में हुए पोखरण परमाणु परीक्षण को याद करते हुए कहा कि यह भारत की वैज्ञानिक और तकनीकी क्षमता का ऐतिहासिक प्रदर्शन था।

राजनाथ सिंह ने कहा, ह्लआज राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस है। 1998 में इसी दिन भारत ने अटल बिहारी वाजपेयी जी के नेतृत्व में पोखरण में परमाणु परीक्षण कर दुनिया को अपनी ताकत दिखाई थी। यह परीक्षण हमारे वैज्ञानिकों, इंजीनियरों, रक्षा कर्मियों और कई अन्य हितधारकों के वर्षों के प्रयास का नतीजा था।

रक्षा मंत्री ने ब्रह्मोस यूनिट के उद्घाटन को भी भारत की रक्षा क्षमता को मजबूत करने की दिशा में एक बड़ा कदम बताया। इस यूनिट से ब्रह्मोस मिसाइल के निर्माण, परीक्षण और एकीकरण से जुड़े कार्यों को गति मिलेगी।

समझौते के चंद

इस कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी संबोधन दिया। उन्होंने कहा, ह्लआपने ह्यऑपरेशन सिंदूरह्व के दौरान ब्रह्मोस मिसाइल की ताकत की झलक जरूर देखी होगी। अगर नहीं देखी, तो पाकिस्तान से पूछ लीजिए कि ब्रह्मोस की शक्ति क्या होती है।

सीएम योगी ने बताया कि ऑपरेशन सिंदूरह्व में भारतीय सेना ने उन आतंकवादी संगठनों और भारत-विरोधी ताकतों को करारा जवाब दिया है जिन्होंने भारत मां के माथे पर हमला कर कई परिवारों की सिंदूर की रेखा मिटा दी थी। इस अभियान में ब्रह्मोस मिसाइल का अहम योगदान रहा। इसी बीच भारतीय वायुसेना ने ऑपरेशन सिंदूर को लेकर बड़ा बयान दिया है। वायुसेना ने एक्स (पूर्व में ट्विटर) पर बताया कि इस मिशन को पूरी सटीकता और प्रोफेशनलिज्म के साथ अंजाम दिया गया। वायुसेना ने कहा कि, यह अभियान राष्ट्रीय उद्देश्यों के अनुरूप, सुनियोजित और गोपनीय तरीके से संचालित किया गया है। ऑपरेशन अब भी जारी है, और इस पर विस्तृत जानकारी उचित समय पर दी जाएगी। जब तक आधिकारिक जानकारी न आए, तब तक किसी भी अटकल या अपुष्ट जानकारी के प्रसार से बचें। इस घटनाक्रम के बीच, भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्षविराम उल्लंघन के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आवास पर एक उच्चस्तरीय बैठक हुई। इस बैठक में राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल, भारतीय वायुसेना और नौसेना प्रमुख शामिल हुए।

गौरतलब है कि शनिवार को भारत और पाकिस्तान के बीच शांति समझौते पर सहमति बनने के कुछ ही घंटों बाद पाकिस्तान ने नियंत्रण रेखा पर कई जगहों पर घुसपैठ कर इस समझौते का उल्लंघन किया।

इससे पहले बुधवार को भारत ने पहलगाम हमले (जिसमें 26 लोगों की जान गई थी) के जवाब में ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया था। इसमें 25 मिनट के भीतर पाकिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (ढङ्कङ) में स्थित 9 आतंकी ठिकानों पर 24 मिसाइलें दागी गईं।

बुधवार रात से गुरुवार सुबह तक पाकिस्तान ने भारत के उत्तरी और पश्चिमी क्षेत्रों में 15 सैन्य ठिकानों पर ड्रोन और मिसाइलों से हमले की कोशिश की, जिसे भारतीय सुरक्षा बलों ने सफलतापूर्वक नाकाम कर दिया।

आतंकी संगठनों के खिलाफ लड़ाई का संदेश देने में सफल रहा भारत

भारत की कूटनीतिक रणनीतिक दूसरा पहलु अत्यंत महत्वपूर्ण है। सैन्य कार्रवाई के जरिए भारत पाकिस्तान के उकसावे में नहीं आया। उसने दुनिया को सफल संदेश दिया कि उसकी लड़ाई पाकिस्तान के खिलाफ नहीं बल्कि आतंकी संगठनों के खिलाफ है। उन आतंकी संगठनों के खिलाफ जिसे पाकिस्तान में वित्तीय और राजनीतिक संरक्षण हासिल है।

वैश्विक मंच पर पाकिस्तान बेनकाब

पाकिस्तान ने सैन्य कार्रवाई को अपने नागरिकों के खिलाफ हमला करार दिया, हालांकि जैसे-जैसे इस कार्रवाई में पत्रकार डेनियल पर्ल के हत्यारे समेत दूसरे आतंकियों के मारे जाने की सूचना सामने आई, उससे पाकिस्तान वैश्विक मंच पर बुरी तरह से बेनकाब हो गया। भारत अपने सैन्य कार्रवाई के बाद पाकिस्तान की जवाबी कार्रवाई का माकूल जवाब दे सकता था। कई मोर्चे पर कार्रवाई भी की, मगर यह संदेश देने में सफल रहा कि वह पाकिस्तान ही है, जो आतंक के खिलाफ लड़ाई को युद्ध में बदलने पर आमदा है।

खाड़ी देश भी समर्थन में नहीं उतरे

भारत की सैन्य कार्रवाई के बाद वैश्विक स्तर पर मचे हलचल पर भी ध्यान देने की जरूरत है। पाकिस्तान को सबसे बड़ा झटका यह लगा कि एक भी खाड़ी देश उसके समर्थन में नहीं आया। 1998 में पोखरण में परमाणु परीक्षण के बाद सउदी अरब से लेकर ईरान तक तमाम इस्लामिक देश उसके समर्थन में खड़े हो गए थे। सउदी ने तो परीक्षण तक पाकिस्तान को प्रतिदिन मुफ्त में 50 हजार बैरल तेल देने की घोषणा की थी। अब भारत की जवाबी कार्रवाई के बाद तुर्किए तो छोड़ कर एक भी इस्लामिक देश उसके समर्थन में खड़ा नहीं हुआ। ईरान, सउदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात ने तटस्थ देश की भूमिका निभाई। यहां तक की चीन ने भी सार्वजनिक तौर पर पाकिस्तान का समर्थन नहीं किया। इसके उलट रूस समेत अन्य पश्चिमी देश भारत के पक्ष में परोक्ष और प्रत्यक्ष खड़ा नजर आए।

स्पीड न्यूज

नार्दन टाउन में अखंड हरिकीर्तन शुरू

जमशेदपुर। जमशेदपुर नॉर्दर्न टाउन में अखंड हरि कीर्तन किया गया, जो आज सवेरे 8 बजे से शुरू हुआ और कल इसकी पूर्णाहुति होगी। संस्था के पदाधिकारी ने बताया कि यह हरि अखंड कीर्तन मानव कल्याण के लिए किया जा रहा है। ज्यादा से ज्यादा लोग हरि भगवान से जुड़े। इस कीर्तन में उड़ीसा से भी टीम आ रही है। जो लगातार 24 घंटा अखंड कीर्तन करेगी।

नारायण आईटीआई में बुद्ध की जयंती मनी

नीमडीह/जमशेदपुर। सोमवार को नारायण आई टी आई लुपुंगडीह चांडिल में भगवान बुद्ध की जयंती मनायी गयी। मौके पर संस्थान के संस्थापक डाक्टर जटाशंकर पांडे ने कहा कि भगवान बुद्ध इस पूरे विश्व को सत्य अहिंसा मार्ग दिखाने वाले और उनका जन्म राज परिवार में हो कर भी लंबनी जो नेपाल में है और 29 वर्ष की उम्र में ही घर से ही निकल गयी और 5 साल के कठिन तपस्या के बाद गया मैं जो वृक्ष है वृक्ष के नीचे उनका अंतर चक्षु खुला और पूरे विश्व के लिए उन्होंने जो ज्ञान का जो संदेश दिया वह आज भी उतना ही उपयोगी है। मौके पर अधिवक्ता निखिल कुमार, अधिवक्ता अशोक झा, शांतिराम महतो, पवन महतो, अजय मंडल, प्रकाश महतो, संजीत महतो, देवाशीष मंडल, गौरव महतो, शुभम साहू उपस्थित थे।

महिला विवि के बीबीए विभाग में वेबिनार

जमशेदपुर। कुलपति, प्रो (डॉ) अंजिला गुप्ता मार्गदर्शन में बीबीए विभाग ने छात्राओं के लिए एक वेबिनार किया। जिसमें भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) रांची की एक प्रमुख प्रोफेसर और सम्मानित पूर्व छात्र ने भाग लिया। इस सत्र का उद्देश्य प्रबंधन में ग्रीष्मकालीन कार्यक्रम के बारे में जानकारी प्रदान करना था, जैसे कि छात्रों को करियर मार्गदर्शन के साथ सशक्त बनाना, प्रबंधन में उभरते रुझानों पर चर्चा करना। आईआईएम रांची के सहायक प्रोफेसर डॉ कृष्ण कुमार सक्सेना ने छात्राओं को बहुमूल्य जानकारियां दी, जैसे कि प्रबंधन की समस्याएं क्या हैं एवं प्रबंधन का भविष्य क्या है आदि। आईआईएम रांची के एक निपुण पूर्व छात्र स्वराज सिंह ने वास्तविक दुनिया के कई उदाहरणों एवं अपने अनुभव के आधार पर करियर की सलाह और उद्योग के बारे में जानकारी प्रदान करके सत्र को और समृद्ध बनाया। डॉ राजीव वर्मा और डॉ जगन कुमार, सहायक प्रोफेसर, आईआईएम रांची ने भी छात्राओं के साथ विशेष सलाह दिया। बीबीए विभाग के सहायक प्रोफेसर अमित गुंजन, विजय गोविंदराजन एवं क्लब की छात्राओं ने कार्यक्रम के सफल आयोजन में अहम भूमिका निभायी।

मंडल स्टोर के मालिक पर फायरिंग के मामले में तीन गिरफ्तार

गम्हरिया। बीते 8 मई को देर शाम कांड्रा थाना क्षेत्र के कांड्रा मोड़ के पास मंडल स्टोर के मालिक चितरंजन मंडल पर की गयी फायरिंग की घटना में शामिल तीन अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उसके पास से उक्त घटना में प्रयुक्त एक पिस्तौल, 8 जिंदा कारतूस, दो मोबाइल और एक बिना नम्बर का सुपर एस्पलेंडर मोटरसाइकिल भी पुलिस ने बरामद किया है। हालांकि मुख्य साजिशकर्ता अभी भी फरार है। उक्त फायरिंग की घटना का खुलासा करते हुए सरायकेला एसडीपीओ समीर सवैया ने बताया कि रंगदारी की नीयत से बाइक सवार अपराधियों ने मंडल स्टोर में बैठे मालिक चितरंजन मंडल पर फायरिंग की गयी थी।

समाज के हर परिवार को विपत्तियों से बचाने की मां बाघेश्वरी देवी से की गयी प्रार्थना

- बाराद्वारी स्थित भवन में मां बाघेश्वरी देवी की पूजा में भक्तों की उमड़ी भीड़...
- आज श्रद्धा दास अपने गीतों से बांधेंगी शमां

न्यू बाराद्वारी में मां बाघेश्वरी पूजा समारोह में विचार व्यक्त करते सांसद विद्युत। मंचस्थ हैं विधायक पूर्णिमा साहू व अन्य।

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। सुवर्ण वर्णिक समाज के प्रदेश, जिला एवं विभिन्न शाखा कमेटी के सौजन्य से बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर सोमवार को बाराद्वारी स्थित भवन में श्री श्री मां बाघेश्वरी देवी की पूजा अर्चना की गयी। पूजा का शुभारंभ सुबह स्वर्णरेखा नदी घाट से समाज के लोगों ने घाट आगमन कर किया।

जमशेदपुर सांसद थे मुख्य अतिथि

कार्यक्रम में अतिथि के रूप में उपस्थित सांसद विद्युत वरण महतो ने सुवर्ण वर्णिक समाज के हर परिवार को विपत्तियों से बचाने की मां बाघेश्वरी देवी से की प्रार्थना की। उन्होंने कहा कि सुवर्ण वर्णिक समाज एक संगठित समाज है, जो सामाजिक कार्यों में काफी सक्रियता है। उन्होंने केंद्रीय ओबीसी पिछड़ा वर्ग आयोग की सूची में सुवर्ण वर्णिक जाति को शामिल करने के लिए हरसंभव मदद का भरोसा दिया।

इन्होंने किया संबोधित

कार्यक्रम को विधायक मंगल कालिंदी, विधायक पुर्णिमा साहु, समाजसेवी आस्तिक महतो, समाजसेवी मोहन कर्मकार, पूर्व मंत्री दुलाल भुइयां, आनंद विहारी दुबे, शिव शंकर सिंह, जुगन पांडेय, सौरव विष्णु, करण गोराई आदि ने भी संबोधित किया।

मौके पर प्रदेश कमेटी के संरक्षक विश्वनाथ चंद्र, प्रदेश अध्यक्ष संजय पोद्दार, सचिव दीपक दत्ता, गोपाल दत्त, समीर दत्त, डॉ केएल पाल, जिला अध्यक्ष रवि माझी, संजय दता, सनोज चंद्र, प्रशांत पोद्दार, धनंजय चंद्र, विजय चंद्र, पप्पू पोद्दार, सतीश दे, बुलबुल चंद्र, शिशिर दत्त, विश्वजीत चंद्र, कंचन दत्त, महादेव सेन, शंभू सेतुआ, प्रदीप चंद्र, राजेंद्र दत्त, सनातन चंद्र, निरंजन मांझी, विनोद दे, रविंद्र नाथ दे, उज्जल दास, संतोष पोद्दार, मधुसूदन चंद्र समेत सभी आठ शाखा के पदाधिकारीयों ने बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया।

इस मौके पर बच्चों एवं महिलाओं के बीच खेलकूद, चेयर रेस आदि कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मंगलवार की शाम श्रद्धा दास द्वारा भजन संध्या का आयोजन किया जायेगा।

मां बाघेश्वरी देवी की पूजा में निर्मल नगर भुइयांडीह में उमड़ी भारी भीड़

जमशेदपुर। सुवर्ण वर्णिक समाज निर्मल नगर भुइयांडीह शाखा कमेटी की ओर से सोमवार को निर्मल नगर में श्री श्री मां बाघेश्वरी देवी की पूजा अर्चना की गई। पूजा का शुभारंभ स्वर्णरेखा नदी घाट से पंडित काजल ठाकुर व दर्जनों महिलाओं द्वारा घट आगमन कर किया। कार्यक्रम में समाज के उज्जवल दास, महादेव सेन, संतोष मांझी, संजय चौधरी, गणेश दत्त, नवीन माझी, अश्विनी माझी, संदीप दत्त, राजेश पाल, चिंटू पोद्दार, राजू पाल, सुजीत चंद्र, अविनाश चंद्र, अजय दास, अंपु दत्त, चंदन मांझी, आशीष सेन आदि उपस्थित थे। इस दौरान देर शाम संस्कृति कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया।

खरकाई नदी के जल से मां का अभिषेक, भक्तों की भीड़ उमड़ी

जमशेदपुर। सुवर्ण वर्णिक समाज कदमा शाखा की ओर से बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर सोमवार को मां बाघेश्वरी देवी पूजा मैदान कदमा में हर वर्ष की बात इस वर्ष भी खड़काई नदी के जल से मां बाघेश्वरी देवी का हुआ अभिषेक। इस दौरान समाज के पुरुष एवं महिलाओं ने उपवास रहकर समाज की कुलदेवी श्री श्री मां बाघेश्वरी देवी की पूजा अर्चना की। पूजा से पूर्व दर्जनों पुरुष महिलाओं ने पंडित रखोहरी भट्टाचार्य के नेतृत्व में दो मुहानी संगम घाट से जलाभिषेक कर पूजा का शुभारंभ किया। इस दौरान बच्चों के बीच खेलकूद एवं महिलाओं के बीच चेयर रेस, शंखनाद आदि प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। देर शाम सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया है। कार्यक्रम को सफल बनाने में मुख्य रूप से निर्मल चंद्र, दिलीप दत्त, संजय दत्त, अनिल मांझी, अशोक साव, नेपाल माझी, दीपक दत्ता, वीरेन दत्त, राजेश माझी, कंचन दत्त, रवि दत्त, दीपू माझी, दुलाल साव, विक्रम चंद्र, टिंकू पोद्दार, बापन चंद्र, सबल चंद्र समेत महिलाओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

साकची के होटल में फंदे से लटकती मिली युवती, तीन हिरासत में लिये गये

- होटल अल डोराडो में दो लड़के और दो लड़कियों ने बुक कराया था कमरा

गिरफ्तार युवक-युवती और होटल के कमरे में मिली शराब की बोतले और चखना।

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। जमशेदपुर के साकची थाना क्षेत्र स्थित आमबगान सना कॉम्प्लेक्स के होटल एल डोराडो के एक कमरे में सोमवार की सुबह एक युवती का शव फंदे से झूलता हुआ पाया गया। युवती की पहचान आजादनगर निवासी सुश्री रुखसार के रुप में की गयी है।

बताया जाता है कि रविवार की रात आजादनगर निवासी रुखसार, ओल्ड पुरुलिया रोड निवासी दीपा दीप, राजेंद्रनगर निवासी ऋतुराज सिंह और पंकज कुमार क्रमशः रुम नंबर 506 और 504 में ठहरे हुए थे। पूरी रात चारों ने अय्याशी की। पुलिस ने दोनों कमरों से शराब की बोतलें एवं कई आपत्तिजनक सामान बरामद किये हैं।

सोमवार की सुबह में रुखसार अपने कमरे में फंदे से लटकती हुई मिली। सूचना मिलने पर साकची पुलिस होटल पहुंची और शव को उतार कर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया जबकि दीपा दीप, ऋतुराज सिंह और पंकज को हिरासत में ले लिया। पुलिस सीसीटीवी फुटेज भी तलाश रही है। दीपा दीप के मुताबिक रुखसार से उसकी दोस्ती इंस्टाग्राम पर हुई थी। उसने ही उसे होटल में बुलाया था।

जब यहां पहुंची तो तीनों शराब के नशे में धूत थे और फिर वह वहां से चली गयी। दूसरी ओर घटना की सूचना पर मौके पर पहुंची साकची थाना की पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गयी है। जांच के क्रम में पुलिस ने होटल एल डोराडो के जिस कमरे से युवती का शव बरामद किया है।

वहां से पुलिस ने शराब की कई बोतले, बीयर की केन, सिगरेट समेत अन्य कई आपत्तिजनक समान भी बरामद किया है जिससे अंदेशा लगाया जा है कि घटना से पूर्व होटल में ठहरे युवकों व युवतियों के द्वारा जमकर शराब और शबाब की पार्टी हुई। जिसके बाद इस तरह की घटना घटी।

टाटा को कालीमाटी में स्टील प्लांट लगाने की पैरवी करनेवाले भूविज्ञानी थे पीएन बोस

- कृतज्ञ टाटा स्टील ने पीएन बोस को दी भावभीनी श्रद्धांजलि

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। टाटा स्टील ने अग्रणी भूविज्ञानी प्रमथ नाथ बोस (जिन्हें पी एन बोस के नाम से भी जाना जाता है) को आज उनकी 170वीं जयंती पर श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में टाटा स्टील के उपाध्यक्ष (कॉरपोरेट सर्विसेज) डी बी सुंदर रामम और विशिष्ट अतिथि के रूप में टाटा वर्कर्स यूनियन के अध्यक्ष संजीव कुमार चौधरी उपस्थित थे। इस अवसर पर भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण की झारखंड राज्य इकाई के उप महानिदेशक श्री अखौरी विश्वप्रिय विशेष अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम का आयोजन नेचुरल रिसोर्सेज डिविजन (एनआरडी) ने सेंटर फॉर एक्सीलेंस के सहयोग से किया था। इस अवसर पर टाटा स्टील के उपाध्यक्ष (कच्चा माल) संदीप कुमार, टाटा वर्कर्स यूनियन के उपाध्यक्ष शैलेश कुमार सिंह, एनआरडी के प्रमुख, टाटा स्टील के अधिकारी और टाटा वर्कर्स यूनियन के पदाधिकारी उपस्थित थे।

हाता जादूगोड़ा मुख्य पथ पर टेंपो पेड़ से टकराया, एक की मौत, कई घायल

खबर मन्त्र प्रतिनिधि

पोटका। थाना क्षेत्र के हाता जादूगोड़ा मुख्य सड़क पर पोटका भूषण कंपनी चारदीवारी के समीप पैसेंजर टेंपों दुर्घटनाग्रस्त होने से एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि 11 लोग घायल हो गए। मृतक का नाम सुधीर गोप (70) है। इनकी मौत एमजीएम अस्पताल में हुई। घटना सोमवार की है।

जानकारी अनुसार हाता से पैसेंजर लेकर टेंपों (जेएच 05 एच/ 7413) पोटका की ओर जा रहा था। घटनास्थल पर टेंपो चालक साधु गोप की तबियत बिगड़ने पर टेंपो अनियंत्रित होकर पहले एक बाइक सवार को ठोकर मारा, जिसमें तीन लोग गिर गये। इनमें दो को चोट लगी। तदुपरांत अनियंत्रित पैसेंजर टेंपों एक एरिस पैसेंजर टेंपों को ठोकर मारते हुए तेज गति से सड़क के दाहिने ओर पेड़ से टकराया। टेंपों के पेड़ से टकराने से इसमें सवार यात्री घायल हो गए तथा टेंपों दो तीन टुकड़ों में बंट गया। सूचना पाकर पोटका पुलिस और झामुमो नेता किशन गुप्ता मौके पर पहुंचे एवं घायलों को स्थानीय सीएचसी पहुंचाया।

दुर्घटना के बाद टेंपो का हाल और इलाज करते अस्पतालकर्मी।

गंभीर रोगियों की रिकवरी के लिए ब्रह्मानंद नारायणा अस्पताल ने खोला पुनर्वास केंद्र

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। ब्रह्मानंद नारायणा अस्पताल, तामुलिया ने अपने परिसर में एक समर्पित पुनर्वास केंद्र (पुनसुर्धार केंद्र) की स्थापना की है, जिसका उद्देश्य शारीरिक, स्नायविक, हृदय संबंधी, फेफड़ों से जुड़ी तथा उम्र-विशेष पुनर्वास की आवश्यकता वाले रोगियों को संरचित और निरंतर देखभाल प्रदान करना है।

यह केंद्र मुख्य रूप से अस्पताल में भर्ती रोगियों, सर्जरी के बाद के मामलों, स्ट्रोक से पीड़ित मरीजों तथा ऑर्थोपेडिक रोगियों को सहायता प्रदान करेगा, जिससे वे अपनी कार्यक्षमता पुनः प्राप्त कर सकें और समय पर हस्तक्षेप के माध्यम से जीवन की गुणवत्ता में सुधार हो सके। इन सेवाओं को सुलभ और किफायती बनाया गया है, जिससे लागत केवल बुनियादी ढांचे, उपकरण, स्टाफिंग और संचालन के खर्चों को कवर करने के लिए रखी गयी है। स्थानीय क्लीनिक, खेल केंद्रों और कॉर्पोरेट संगठनों ने पुनर्वास केंद्र की शुरूआत में ब्रह्मानंद नारायणा अस्पताल के साथ मिलकर सहयोग किया है।

पुनर्वास केंद्र का उद्घाटन करते मनोबिंदु भट्टाचार्यी और डा परवेज आलम। साथ में फेसिलिटी डायरेक्टर धर्मा राव।

सरयू राय के प्रतिनिधियों और कांग्रेस समर्थक के बीच मारपीट

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। उलीडीह के विधायक प्रतिनिधि श्री संतोष भगत और स्वास्थ्य प्रतिनिधि नीरज सिंह ने संयुक्त रूप से जवाहरनगर, रोड नं. 15, सहारा सिटी निवासी गोपाल यादव के खिलाफ मारपीट करने, 15 हजार नगद समेत सोने का चैन की छिनतई कर लेने की लिखित शिकायत मानगो थाना में दर्ज करायी है। उन्होंने लिखित शिकायत में कहा है कि जमशेदपुर पश्चिम के विधायक श्री सरयू राय के क्षेत्र का प्रतिनिधि होने के नाते नीरज सिंह, अमित शर्मा और संतोष भगत सोलर एलईडी लगवाने को लेकर क्षेत्र का निरीक्षण करने जा रहे थे तभी जवाहरनगर, रोड नं. 15 निवासी गोपाल यादव ने इन्हें देखकर अपनी नीले रंग की ब्रेजा गाड़ी को रोका और गाली देने लगा। गोपाल यादव के साथ अन्य तीन लोग भी थे सबने मिलकर कांग्रेस पार्टी से जुड़े होने की बात कही और गाली देते हुए कार से लाठी निकालकर हमला कर दिया। मारपीट के क्रम में नरीज सिंह के गर्दन से सोने का चैन छिन लिया और पैंट के पॉकेट से 15 हजार नगद भी निकाल लिया।

टाटा स्टील फाउंडेशन आईटीआई से युवाओं को दिला रही 100% प्लेसमेंट

खबर मन्त्र ब्यूरो

जमशेदपुर। एक उल्लेखनीय उपलब्धि के तहत, झारखंड और ओडिशा के ग्रामीण क्षेत्रों से 70 युवाओं को अप्रैल 2025 में विभिन्न कंपनियों में प्लेसमेंट प्राप्त हुआ। यह सफलता टाटा स्टील फाउंडेशन की प्रतिबद्धता का प्रत्यक्ष प्रमाण है, जो भारत सरकार के ₹स्किल इंडिया मिशन₹ के अनुरूप युवाओं को कौशल विकास के माध्यम से सशक्त बनाने के लिए सतत प्रयासरत है।

टाटा स्टील फाउंडेशन झारखंड और ओडिशा में औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थानों (आईटीआई) को सक्रिय रूप से सशक्त बना रहा है, जिससे एक समग्र पारिस्थितिकी तंत्र तैयार हो रहा है जो उद्योग-उन्मुख कौशल को प्रोत्साहित करता है। ये संस्थान तकनीकी और गैर-तकनीकी दोनों प्रकार के विविध पाठ्यक्रम प्रदान करते हैं, जिन्हें विशेष रूप से ग्रामीण और वंचित समुदायों से आने वाले युवाओं की क्षमताओं और आकांक्षाओं को ध्यान में रखकर तैयार किया गया है।

प्लेसमेंट का विवरणः

- वित्त वर्ष 2024-25 में कुल प्लेसमेंटः 213
- वित्त वर्ष 2025-26 (अप्रैल 2025 में): प्लेसमेंटः 70
- अब तक सभी आईटीआई में कुल प्लेसमेंट : 1431
- आइटीआई प्रशिक्षितों का विदेशों में प्लेसमेंटः 38

फाउंडेशन द्वारा समर्थित पहला औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान, आईटीआई तामाड़, वर्ष 2012 में स्थापित किया गया था – जो भारत सरकार की स्किल इंडिया मिशन की शुरूआत से तीन वर्ष पहले की बात है। वर्तमान में, चार आईटीआई सार्वजनिक-निजी भागीदारी (पीपीपी) मॉडल के तहत संचालित हो रहे हैं – जिनमें से तीन झारखंड सरकार के साथ और एक ओडिशा सरकार के साथ साझेदारी में संचालित हो रहें हैं।

इस उपलब्धि पर बात करते हुए, कैप्टन अमिताभ, हेड ,स्किल डेवलपमेंट, टाटा स्टील फाउंडेशन ने कहा कि हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि यह रही है कि हमने आईटीआई प्रशिक्षण को प्रेरणा का स्त्रोत बना दिया है – खासकर उन छात्रों के लिए जो वंचित समुदायों से आते हैं। जो कभी छात्रों को जोड़ने की चुनौती थी, वह अब एक आंदोलन बन चुका है। आज स्थिति यह है कि दाखिले के लिए कतारें लगती हैं और हमें उम्मीदवारों का चयन स्क्रीनिंग से करना पड़ता है। हमारा लगातार 100% प्लेसमेंट रिकॉर्ड – जिसमें विदेशी प्लेसमेंट भी शामिल हैं।

एक नजर में

रविदास भवन में बुद्ध पूर्णिमा मनायी गयी

जमशेदपुर। रविदास समाज पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर के द्वारा रविदास भवन कदमा में बुद्ध पूर्णिमा के दिन बुद्ध के विचारों को आत्मसात करने का संकल्प लिया गया। मौके पर बुद्ध बंदना, त्रिशरण और पंचशील का पाठ किया गया। अष्टांगिक मार्ग अपनाने की शपथ ली गईं। बाबासाहेब की 22 प्रतिज्ञाओं का सामूहिक पाठ हुआ।चार आर्य सत्य और दस परिमिताओ पर चर्चा हुई। तथागत के करुणा मैत्री और समानता को समाज में जन-जन तक पहुंचाने का संकल्प लिया गया। इस पावन अवसर पर बहुजन पुस्तकालय की स्थापना रविदास भवन में की गयी। बहुजन साहित्य प्रचुर मात्रा में लाई जा रही है जिससे बच्चे बूढे और महिलाओं को विशेष लाभ होगा। कार्यक्रम की अध्यक्षता श्यामलाल जी, संचालन विश्राम राम और धन्यवाद ज्ञापन सावन कुमार किये। मौके पर शंकर दास, गया प्रसाद प्रेमी, मोहनदास, सावन कुमार, विश्राम राम, प्रकाश चन्द्र, विंदेश्वर राम, हरिवंश ने विचार रखे।

साकची प्रखंड व मंडल कमेटियों का पुनर्गठन

जमशेदपुर। सोमवार को साकची प्रखंड कांग्रेस ने संगठन सृजन 2025 अभियान के तहत प्रखंड कमेटी एवं मंडल कमेटी का पुनर्गठन सर्वसम्मति से साकची प्रखंड पर्यवेक्षक सह प्रदेश सचिव राकेश कुमार तिवारी की उपस्थिति में हुआ। सर्वप्रथम साकची प्रखंड पर्यवेक्षक श्री तिवारी ने प्रखंड कमेटी एवं मंडल कमेटी के पदाधिकारियों का परिचय करते हुए उपस्थिति लिया। सीतारामडेरा मंडल अध्यक्ष के रूप में विनोद यादव एवं दो उपाध्यक्ष, 9 महामंत्री का चुनाव कार्य सम्पन्न हुआ। साकची पूर्वी मंडल के अध्यक्ष पद पर प्रमोद मिश्रा एवं दो उपाध्यक्ष, 9 महामंत्री का चुनाव कार्य हुआ। सीतारामडेरा मण्डल महिला के अध्यक्ष पद पर सुनीता ओझा एवं दो उपाध्यक्ष, 9 महामंत्री का चुनाव कार्य हुआ। साकची प्रखंड कमेटी के दो उपाध्यक्ष, 9 महामंत्री का चुनाव कार्य सम्पन्न हुआ। बैठक में प्रखंड पर्यवेक्षक राकेश कुमार तिवारी, प्रदेश महामंत्री परविंदर सिंह, प्रखण्ड संगठन प्रभारी राजेश चौधरी, साकची प्रखण्ड अध्यक्ष धर्मा राव, सीतारामडेरा मण्डल अध्यक्ष विनोद यादव, साकची पूर्वी मण्डल अध्यक्ष प्रमोद मिश्र, सीतारामडेरा मंडल अध्यक्ष महिला सुनीता ओझा, वरिष्ठ नेता प्रभात रंजन श्रीवास्तव, हरिहर प्रसाद सहित कांग्रेसजन शामिल हुए।

नरवा में आलचिकी के जनक पंडित रघुनाथ मुर्मू की 120वीं जयंती धूमधाम से मनायी गयी

जादूगोड़ा। जाहेर गाढ़ ओल ईतुन आसड़ा की ओर से यूसिल कॉलोनी नरवा पहाड़ में ओलचिकि के जनक पं रघुनाथ मुर्मू की 120 वां जयंती सादगी से मनाया गया। मौके पर सीटीसी में कार्यक्रम आयोजित की गई जहां उनकी प्रतिमा पर पूजा-अर्चना व माल्यार्पण कर श्रद्धांजलि दी गई। इस बाबत माझी बाबा वीरेन टुडू ने कहा कि उनका जन्म ओडिशा के मयुरभंज जिला के डांडपुस के डाहारडी गांव में सन 1905 में बैशाख माह की पूर्णिमा के दिन जन्म हुआ था। उन्होंने ओलचिकि का आविष्कार सन 1925 में पं रघुनाथ मुर्मू ने ने किया था। इस दौरान उन्होंने झारखंड, उड़िसा, बिहार, बंगाल आदि घुम घुमकर ओलचिकि का शोध किया व ओलचिकी भाषा की जन-जन पहुंचाने का काम किया। उन्होंने जानकारी दी कि ओल चिकी प्रकृति से जुड़ा हुआ है जिसमें सभी अक्षर कुछ न कुछ प्रकृति को दर्शाता है। इस समारोह की समाजविद दुर्गा मुर्मू ने भी संबोधित किया। इसमें गुरुवारी सरदार, रेशमा माहली, फुदान मारडी दिलीप मुर्मू, मानसिंह किस्कू, सागर टुडू, लक्ष्मी टुडू, सुनिता मुर्मू, चंपा मुर्मू, माया मुर्मू, सोनिया माझी,सीता बेसरा, अनिता किसकु, शेफाली मारडी, संजु सोरेन शामली माझी हिरानी किस्कु समेत कई महिलाओं ने हिस्सा लिया।

पोटका में ओलचिकी के जनक पंडित रघुनाथ मुर्मू की 120वीं जयंती धूमधाम से मनायी गयी

पोटका। ऑल चिकी के जनक पंडित रघुनाथ मुरमू की 120 वां जन्म जयंती रूसिक आखड़ा बाघमारा ने कसकोम डूंगरी की चोटी में स्थापित पंडित रघुनाथ मुर्मू की स्टैचू के समक्ष बड़ी हर्ष उल्लास के साथ मनाया। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में विधायक संजीव सरदार एवं विशिष्ट अतिथि पंडित रघुनाथ मुर्मू के साथ ऑल चिकि प्रचारक एवं अनुयाई रहें दुर्गा प्रसाद मुर्मू उपस्थित थे। महिलाओं ने पारंपरिक विधि विधान के अनुसार पंडित रघुनाथ मुरमू की पूजा अर्चना की एवं अनोड़हें गीत गाकर उनकी यादों को जीवंत किया। इस अवसर पर सीत सकाम हाटीइंज गुरु गोमके पंडित रघुनाथ मुरमू ऑल इतुन असड़ा द्वारा संचालित ओल चिकि स्कूल परीक्षा में 31 उत्तीर्ण छात्रों को सर्टिफिकेट वितरण हुआ एवं 1, सकील ज्ञान हेपराव 2, पंडित रघुनाथ मुर्मू बाबोत सेरेन हेपराव 3,पंडित रघुनाथ मुर्मू की जीवन पर ऑल हेपराव जैसे कार्यक्रम हुआ। इसमें कई प्रतिभागियों ने भाग लिये।

विराट युग का अंत: टेस्ट क्रिकेट से कोहली का संन्यास, एक सुनहरा अध्याय हुआ समाप्त

एक दिग्गज की विदाई, यादों की गठरी और विराट रिकॉर्ड्स की चमक, रोहित भी कह चुके हैं अलविदा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट टीम के वरिष्ठ खिलाड़ी विराट कोहली ने सोमवार को टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी, जिससे लंबे फॉर्मेट में उनके अपार योगदान और नेतृत्व की गाथा पर विराम लग गया। 36 वर्षीय कोहली का यह फैसला उनके 14 साल लंबे टेस्ट करियर का अंत है, जिसमें उन्होंने कठिन हालातों में शानदार प्रदर्शन करते हुए खुद को एक महान बल्लेबाज और कप्तान के रूप में स्थापित किया। कोहली ने सोमवार को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर इस बात की जानकारी दी कि वह अब टेस्ट क्रिकेट नहीं खेलेंगे।

ऑस्ट्रेलिया में इतिहास रचने वाला पहला एशियाई कप्तान

2018-19 की बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी में विराट कोहली की कप्तानी में भारत ने ऑस्ट्रेलिया को उसकी जमीन पर 2-1 से हराया। यह भारतीय क्रिकेट इतिहास की सबसे बड़ी विदेशों में टेस्ट जीतों में से एक थी। यह पहली बार था जब भारत ने ऑस्ट्रेलियाई धरती पर टेस्ट सीरीज अपने नाम की थी।

वेस्टइंडीज, दक्षिण अफ्रीका और इंग्लैंड को भी दी करारी शिकस्त

कोहली की कप्तानी में भारत ने 2019 में वेस्टइंडीज को उसके घर में 2-0 से हराया। 2015 में नंबर-1 दक्षिण अफ्रीका को 3-0 से मात दी। इसके अलावा 2016-17 में इंग्लैंड को 4-0 से हराकर भारत ने अपनी घरेलू ताकत का भी जबरदस्त प्रदर्शन किया।

एक आक्रामक सोच की शुरूआत

कोहली के नेतृत्व में भारतीय टेस्ट टीम में आक्रामकता, फिटनेस और जुझारूपन की नई परिभाषा बनी। उन्होंने खिलाड़ियों को न सिर्फ मानसिक रूप से मजबूत बनाया, बल्कि टीम में आत्मविश्वास का नया माहौल तैयार किया, जो किसी भी चुनौती से पीछे न हटे।

विदाई नहीं, विरासत है ये

विराट कोहली का टेस्ट क्रिकेट से जाना भारतीय क्रिकेट में एक युग के अंत की तरह है। लेकिन उनके द्वारा स्थापित की गई संस्कृति, उपलब्धियाँ और सोच आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणा बनकर जीवित रहेंगी। कोहली ने अपने इंस्टाग्राम पोस्ट में लिखा, ह्वमैं हमेशा अपने टेस्ट करियर को मुस्कुराते हुए देखूंगा।ह्व यह मुस्कान सिर्फ उनकी नहीं, करोड़ों भारतीयों की भी होगी, जिन्होंने इस 'बैगी ब्लू' योद्धा को एक सुनहरे दौर में बदलते देखा।

विराट कोहली का यादगार टेस्ट सफर: शतक, आंकड़े और रिकॉर्ड्स

कोहली ने अपने 14 साल के टेस्ट करियर में 123 मैच खेले और 46.85 की औसत से 9,230 रन बनाए, जिसमें 30 शतक और 31 अर्धशतक शामिल हैं। उन्होंने 7 दोहरे शतक भी जड़े, जिसमें सर्वोच्च स्कोर नाबाद 254 रहा। वह भारत की ओर से टेस्ट में चौथे सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज हैं। उनसे आगे सिर्फ महान खिलाड़ी सचिन तेंदुलकर (15,921 रन), राहुल द्रविड़ (13,288) और सुनील गावस्कर (10,122) हैं।

कोहली ने 2011 में वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया था। हालांकि शुरूआती दौरा कुछ खास नहीं रहा, लेकिन 2012 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एडिलेड में 116 रनों की पारी ने उनकी प्रतिभा को पूरी दुनिया में पहचान दिलाई।

2011 से 2015 के बीच उन्होंने 41 टेस्ट में 2,994 रन बनाए, जिसमें 11 शतक शामिल रहे। खास बात यह रही कि 2014-15 में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर कप्तान बनने के साथ ही उन्होंने 600 से अधिक रन बनाए, जिसमें चार शतक थे। यह वही समय था जब इंग्लैंड दौरे पर बुरी तरह फ्लॉप होने के बाद उन्होंने वापसी की और अपने करियर को एक नया मोड़ दिया।

2016 से 2019 तक कोहली ने टेस्ट क्रिकेट में सर्वश्रेष्ठ दौर बिताया। इस दौरान उन्होंने 43 टेस्ट में 4,208 रन बनाए, जिनमें 16 शतक, 10 अर्धशतक और 7 दोहरे शतक शामिल थे। यह दौर उनकी बल्लेबाजी के स्वर्णिम वर्षों में से एक माना जाता है।

कोहली ने इंग्लैंड, दक्षिण अफ्रीका और ऑस्ट्रेलिया में शतक जमाकर साबित किया कि वह सिर्फ एशिया के नहीं, बल्कि दुनिया के हर कोने में रन बना सकते हैं। 2018 इंग्लैंड दौरा इस बात का गवाह बना, जब उन्होंने 593 रन बनाए और प्लेयर ऑफ द सीरीज बने।

हालांकि 2020 के बाद उनका प्रदर्शन अपेक्षाओं पर खरा नहीं उतर सका। इस दशक में उन्होंने 39 टेस्ट में केवल 2,028 रन बनाए, औसत 30.72 रहा। 2023 में उनका प्रदर्शन बेहतर रहा, जिसमें 671 रन बनाए, लेकिन 2024 फिर निराशाजनक रहा और उन्होंने 10 टेस्ट में केवल 382 रन बनाए। उनका आखिरी टेस्ट शतक पर्थ में आया, जबकि भारत में आखिरी टेस्ट शतक 2023 में अहमदाबाद में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ रहा।

विराट कोहली: भारत के सबसे सफल टेस्ट कप्तान

कोहली ने 2014 में जब भारत की कप्तानी संभाली, तब टीम आईसीसी रैंकिंग में 8वें स्थान पर थी लेकिन उनके नेतृत्व में भारत ने आक्रामक क्रिकेट खेला और जल्द ही नंबर एक टीम बन गई। उन्होंने श्रीलंका में 22 साल बाद टेस्ट सीरीज जीत दिलाई, वेस्टइंडीज में ऐतिहासिक जीत दिलाई और 2018-19 में ऑस्ट्रेलिया में पहली बार टेस्ट सीरीज जीतने वाली भारतीय टीम के कप्तान बने।

कोहली की कप्तानी में भारत ने 68 टेस्ट में से 40 जीते, जिससे वह भारत के सबसे सफल टेस्ट कप्तान बने। दुनिया भर में सिर्फ ग्रेम स्मिथ (53 जीत), रिकी पोंटिंग (48) और स्टीव वॉ (41) उनसे आगे हैं।

कोहली को भारतीय क्रिकेट में फिटनेस और तेज गेंदबाजी संस्कृति की क्रांति का श्रेय भी जाता है। उनके नेतृत्व में भारत ने लगातार तीन साल टेस्ट चैंपियनशिप की मेस जीती और 2021 में डब्ल्यूटीसी फाइनल तक पहुंचा।

एक प्रेरणादायक करियर

विराट कोहली का करियर संघर्षों और कामयाबियों की कहानी रहा है—चाहे वह 2014 में ऑस्ट्रेलिया में मिशेल जॉनसन की अगुवाई वाले तेज गेंदबाजी आक्रमण के खिलाफ 692 रन बनाना हो या फिर 2018 में इंग्लैंड में रिडेंप्शन सीरीज खेलना हो। सेंचुरियन, एडिलेड, पर्थ, मेलबर्न, एजबेस्टन जैसे मैदानों पर उनके शतक हमेशा याद रखे जाएंगे। टेस्ट क्रिकेट में कोहली का योगदान हमेशा भारतीय क्रिकेट के इतिहास में सुनहरे अक्षरों में लिखा जाएगा।

कोहली का नाम भारतीय क्रिकेट इतिहास में दर्ज रहेगा: रेवंत

हैदराबाद : तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने सोमवार को महान क्रिकेटर विराट कोहली की प्रशंसा करते हुए कहा कि उनका नाम भारतीय क्रिकेट के इतिहास में दर्ज रहेगा। टेस्ट क्रिकेट से विराट के संन्यास पर प्रतिक्रिया व्यक्त करते हुए मुख्यमंत्री ने ट्विटर पर पोस्ट किया और खेल में पूर्व भारतीय कप्तान के असाधारण योगदान की सराहना की। उन्होंने कोहली को एक अत्यंत अनुशासित और प्रतिबद्ध खिलाड़ी बताया, जिन्होंने अनेक रिकॉर्ड बनाए तथा देश के लाखों युवा खिलाड़ियों को प्रेरित किया।विस्तृत समाचार के लिए हमारी सेवा

नीरज चोपड़ा समेत चार भारतीय एथलीट्स 16 मई को दोहा डायमंड लीग में लेंगे हिस्सा

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत के स्टार जैवलिन थ्रोअर नीरज चोपड़ा 16 मई को दोहा में होने वाली प्रतिष्ठित डायमंड लीग मीटिंग में तीन अन्य भारतीय एथलीट्स के साथ हिस्सा लेंगे। यह पहली बार होगा जब डायमंड लीग के किसी एक इवेंट में भारत की तरफ से चार एथलीट्स भाग लेंगे। नीरज चोपड़ा 2023 में दोहा डायमंड लीग का खिताब जीत चुके हैं, जहां उन्होंने 88.67 मीटर भाला फेंका था। वहीं, 2024 में वह 88.36 मीटर की थ्रो के साथ दूसरे स्थान पर रहे थे। इस बार भी उनसे गोल्डन थ्रो की उम्मीद की जा

रही है। नीरज के साथ पुरुषों की जैवलिन थ्रो स्पर्धा में किशोर जेना भी नजर आएंगे। जेना ने 2024 में भी हिस्सा लिया था और 76.31 मीटर की थ्रो के साथ नौवें स्थान पर रहे थे। इस बार वह अपने प्रदर्शन में सुधार की कोशिश करेंगे। इस बार ट्रैक इवेंट्स में भी भारत की दमदार मौजूदगी देखने को मिलेगी। पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में राष्ट्रीय रिकॉर्डधारी गुलवीर सिंह अपना डायमंड लीग डेब्यू करने जा रहे हैं। वहीं, महिलाओं की 3000 मीटर स्टीपलचेज में पारुल चौधरी उतरेंगी, जो इस इवेंट की भारतीय रिकॉर्डधारक हैं। नीरज और जेना को इस बार सशक्त प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ेगा। मैदान में दो बार के वर्ल्ड चैंपियन एंडरसन पीटर्स (ग्रेनेडा), 2024 के विजेता याकुब वाडलेच (चेक गणराज्य), जूलियन वेबर और मैक्स डेनिंग (जर्मनी), जूलियस येगो (केन्या) और रोडरिक डीन (जापान) जैसे दिग्गज होंगे।

एफआईएच प्रो लीग 2024-25: यूरोपीय चरण के लिए 24 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम घोषित

नई दिल्ली। हॉकी इंडिया ने एफआईएच प्रो लीग 2024-25 के यूरोपीय चरण के लिए 24 सदस्यीय भारतीय महिला हॉकी टीम की घोषणा कर दी है। यह चरण 14 से 29 जून तक लंदन, एंटवर्प और बर्लिन में आयोजित होगा, जिसमें भारत चार प्रतिभागी टीमों– ऑस्ट्रेलिया, अर्जेंटीना, बेल्जियम और चीन के खिलाफ दो-दो मैच खेलेगा। भारत अपना अभियान 14 जून को ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मुकाबले से शुरू करेगा। टीम की कमान मिडफील्ड की स्टार खिलाड़ी सलीमा टेटे को सौंपी गई है, जबकि फॉरवर्ड लाइन की

अनुभवी खिलाड़ी नवनीत कौर को उपकप्तान बनाया गया है। भारतीय टीम ने प्रो लीग के घरेलू चरण में दो जीत और दो ड्रॉ के साथ कुल नौ अंक हासिल किए और अंकतालिका में छठे स्थान पर रही। इंग्लैंड के खिलाफ 3-2 की जीत और एक ड्रॉ से शानदार शुरूआत की, लेकिन इसके बाद स्पेन से दो और जर्मनी से एक हार मिली। हालांकि, जर्मनी के खिलाफ 1-0 की वापसी जीत ने टीम का मनोबल बढ़ाया। विश्व की नंबर 1 टीम नीदरलैंड्स के खिलाफ अंतिम दो मैचों में भारत ने दमदार जज्बा दिखाया।

मुकाबले में भले ही 2-4 से हार मिली, लेकिन भारत ने 13 पेनल्टी कॉर्नर हासिल कर डच टीम को कड़ी टक्कर दी। आखिरी मैच में भारत ने नीदरलैंड्स को 2-2 से ड्रॉ पर रोका और शूटआउट में जीत हासिल कर बोनस अंक भी अर्जित किया। भारतीय महिला हॉकी टीम के मुख्य कोच हरेंद्र सिंह ने कहा, हमने अनुभव और युवा जोश का संतुलन साधते हुए यह टीम चुनी है।

यूरोपीय चरण प्रो लीग का अहम हिस्सा है और यहां दुनिया की टॉप टीमों से कड़ी चुनौती मिलेगी। उन्होंने आगे कहा, भुवनेश्वर में हुए मुकाबलों से हमें अपनी ताकत और कमजोरियों का आकलन करने का मौका मिला है। टीम ने हालिया कैंप और ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान बेहतरीन प्रतिबद्धता दिखाई है। अब लक्ष्य यही है कि हर मैच में खुद को बेहतर करते हुए टीम को आगे बढ़ाएं।

नॉर्वे चेस में समान इनामी राशि से महिलाओं को खेल अपनाने की प्रेरणा मिलती है : जू वेनजून

स्टावेंगर (नॉर्वे)। नॉर्वे चेस वूमेन 2025 टूनार्मेंट के दूसरे संस्करण को लेकर मौजूदा चैंपियन जू वेनजून ने अपनी उत्सुकता और उम्मीदें साझा की हैं। यह टूनार्मेंट 26 मई से 6 जून के बीच स्टावेंगर सिटी के फिनान्सपार्कन (एसआर-बैंक) में आयोजित होगा। चीनी ग्रैंडमास्टर जू वेनजून ने कहा, मैं नॉर्वे चेस वूमेन 2025 में हिस्सा लेने को लेकर बहुत रोमांचित हूं। यह मेरा इस टूनार्मेंट में दूसरा अनुभव होगा। इस बार कई मजबूत शतरंज खिलाड़ी हिस्सा ले रही हैं। मुझे लगता है कि अब लोग अमार्गेडन और टाइम कंट्रोल फॉर्मेट से ज्यादा परिचित हैं, जिससे टूनार्मेंट और भी रोमांचक होगा। जू वेनजून, जिन्हें मौजूदा समय में शतरंज की निर्विवाद महारानी कहा जाता है, इस साल की शुरूआत में अपना लगातार पांचवां वर्ल्ड चैंपियनशिप खिताब जीत चुकी हैं। उन्होंने सात साल की उम्र में शतरंज खेलना शुरू किया, 2004 में प्रोफेशनल बनीं, 2014 में ग्रैंडमास्टर की उपाधि पाई और 2018 में पहली बार विश्व चैंपियन बनीं। तब से लेकर अब तक वह महिलाओं की क्लासिकल शतरंज में अजेय रही हैं। वह वर्तमान वूमेन्स वर्ल्ड ब्लिट्ज चैंपियन भी हैं और दो बार की वर्ल्ड रैपिड चैंपियन भी। अपनी यात्रा को याद करते हुए 34 वर्षीय वेनजून ने कहा, हर मुकाबला मेरे लिए एक यादगार और अनोखा अनुभव होता है।

रोनाल्डो की अल नास्त्र सऊदी प्रो लीग के खिताबी दौड़ से बाहर

एजेंसी

नई दिल्ली। क्रिस्टियानो रोनाल्डो की अगुवाई वाली अल नास्त्र टीम को सऊदी प्रो लीग खिताब के लिए अब अगले सीजन तक इंतजार करना होगा। रविवार को मिली ताजा हार के बाद टीम 2024-25 सीजन के खिताबी दौड़ से बाहर हो गई है। अब एएफसी चैंपियंस लीग एलीट में क्वालीफाई करना ही उसका प्रमुख लक्ष्य रह गया है।

अल इत्तिहाद की जीत ने तोड़ी अल नास्त्र की उम्मीदें

लीग में टॉप पर चल रही अल इत्तिहाद ने करीम बेंजेमा के दो गोलों की मदद से अल फैहा को 3-0 से हराकर अपने शीर्ष स्थान को और मजबूत कर लिया। 31 मैचों के बाद इत्तिहाद के 74 अंक हो चुके हैं, जबकि अल नास्त्र अधिकतम 72 अंक ही हासिल कर सकती है। इस तरह वह खिताब की दौड़ से बाहर हो गई है।

गौरतलब है कि अल नास्त्र ने पिछली बार 2018-19 सीजन में सऊदी प्रो लीग खिताब जीता था। इसके बाद अल हिलाल ने चार बार और इत्तिहाद ने एक बार खिताब पर कब्जा जमाया है।

चैंपियंस लीग एलीट में कैसे पहुंचेगी अल नास्त्र?

2024-25 एएफसी टूनार्मेंट के अनुसार, सऊदी प्रो लीग की शीर्ष तीन टीमें एएफसी चैंपियंस लीग एलीट के लिए क्वालीफाई करेंगी। इसके अलावा, किंग्स कप का विजेता एएफसी चैंपियंस लीग टू (एसीएल 2) में जाएगा, जो एशिया की द्वितीय श्रेणी की प्रतियोगिता है।

अगर किंग्स कप विजेता पहले से लीग की टॉप-3 में है, तो चौथे स्थान की टीम को एसीएल 2 का टिकट मिलेगा। इस साल के किंग्स कप फाइनल में पहुंची अल इत्तिहाद और अल कदीसिया दोनों ही लीग की टॉप तीन की दौड़ में हैं। ऐसे में अगर इनमें से कोई एक कप जीतता है और लीग में भी टॉप-3 में रहता है, तो चौथे स्थान वाली टीम एसीएल 2 में पहुंचेगी।

रोनाल्डो की टीम के लिए समीकरण : अभी अल नास्त्र अंक तालिका में पांचवें स्थान पर है। टीम को एएफसी चैंपियंस लीग एलीट में जगह बनाने के लिए अपने बाकी बचे चारों मुकाबले जीतने होंगे और साथ ही टॉप टीमों के नतीजे भी उसके पक्ष में आने चाहिए। अगर टीम दूसरे स्थान पर पहुंचती है, तो उसका एलीट में खेलना तय है। अगर वह तीसरे या चौथे स्थान पर रहती है और किंग्स कप विजेता टॉप-3 में रहता है, तो अल नास्त्र को कम से कम एसीएल 2 में खेलने का मौका मिल सकता है।

बासुकीनाथ धाम में बुद्ध पूर्णिमा पर पूजा अर्चना के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़

खबर मन्त्र संवाददाता

पूजा-अर्चना के लिए उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़।

दुमका। बैशाख बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर तीर्थ नगरी बासुकीनाथ धाम में अहले सुबह मंदिर का पट खुलते ही श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ा। शिव भक्त श्रद्धालु कतारबद्ध होकर जलार्पण के लिए अपनी बारी का इंतजार कर रहे। संपूर्ण मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की भीड़ उमड़ पड़ी। बोल बम और हर हर महादेव के नारे की गूंज से संपूर्ण मंदिर परिसर गुंजता रहा। श्रद्धालुओं की उत्साह देखते ही बनती थी। दिन भर भोले के भक्त आस्था के सागर में डुबकी लगाते रहे। इस दौरान मंदिर परिसर में श्रद्धालु मनोवांछित फल की प्राप्ति के लिए पांडा पुरोहितों के साथ विभिन्न प्रकार के धार्मिक अनुष्ठान करते पाए गए। वही बड़ी संख्या में महिलाओं की समूह सत्यनारायण प्रभु की कथा श्रवण करती देखी गई। उधर मंदिर में श्रद्धालुओं को सुगमतापूर्वक जलार्पण कराने के लिए भारी संख्या में पुरुष एवं महिला पुलिसकर्मी ड्यूटी पर तैनात नजर आए। चोर उचक्कों व असामाजिक तत्वों पर सीसीटीवी कैमरा की मदद से नजर रखी जा रही थी। इस दरमियान मंदिर प्रशासन द्वारा किसी भी अनहोनी से निपटने के लिए डॉक्टर एवं एंबुलेंस की व्यवस्था की गई थी। लेकिन सुबह सवेरे बेलगाम ई रिक्शा चालकों के कारण पूजा करने आए श्रद्धालुओं को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। जाम के कारण कुछ देर तक अफरा तफरी का माहौल रहा। जो बाद में सामान्य हो गया। इस प्रकार देर शाम मंदिर का पट बंद होने तक लगभग 90 हजार से अधिक श्रद्धालु फौजदारीनाथ का जलाभिषेक किया।

ठाकुरगंगटी प्रखंड क्षेत्र के विभिन्न गांव का जलमीनार खराब, नदी व खुले कुओं से प्यास बुझाने को विवश

खबर मन्त्र संवाददाता

गोड्डा। ठाकुरगंगटी प्रखंड अंतर्गत फुलबडिया पंचायत के तीन तीन गांव में इन दिनों पेयजल की घनघोर समस्या उत्पन्न हो गई है। पीने के पानी को लेकर ग्रामीण त्राहिमाम हो रहे है बावजूद विभाग गहरी नींद आराम से सो रही है। ग्रामीण बताते हैं कि पंचायत के गमराह, फुलबड़िया और सोनपुर गांव में लगा सोलर जलमीनार विगत आठ माह से खराब पड़ा हुआ है जिससे गांव के लोग पीने के पानी को लेकर त्राहिमाम हो रहे है बाबजूद विभाग सुधि नहीं ले रहा है। बताते हैं कि तीनों गांव के लगभग तीन हजार की आबादी इस भीषण गर्मी में पेयजल को लेकर हलकान है। गांव के ग्रामीण जीतराम हांसदा, तल्लु टुडू, भागवत हांसदा, मनोज टुडू, होपना टुड्डू ने बताया की यह गांव सड़क के दोनों किनारे लंबी दूरी तक तीनों गांव बसा हुआ है जहां सभी

आदिवासी समुदाय के लोग रहते है। गमराह गांव के शास्त्री टुड्डू घर के सामने, फुलबड़िया गांव के कालिदास हेंब्रम घर के सामने एवं फुलबड़िया गांव के लखीराम घर के पास लगाया गया सोलर जलमीनार विगत आठ महीनों से खराब पड़ा हुआ है जिससे गांव में लोगो को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। बताते हैं कि तीनों जलमीनार पर गांव की आधी आबादी आश्रित है जिसे अब अन्यत्र स्थानों से पीने का पानी अपने माथे पर लेकर आना पड़ता है। अधिकांश परिवार गांव के खुले कुएं का पानी तो कुछ लोग गांव के बगल में अवस्थित नदी का पानी भी पीने को मजबूर हो गए है। ग्रामीणों ने बताया की इतनी लंबी आबादी वाले इस आदिवासी बहुल क्षेत्र में पेयजल की स्थिति को लेकर लोग संकट में है और भीषण गर्मी में चल रही लू से लोगों का जीना मुश्किल हो रहा है। बताया की आखिर किस कारण से गर्मी के मौसम में जलमीनार की यह स्थिति उत्पन्न होती है। निर्माण कार्य के समय काफी घटिया किस्म का मोटर वह सामग्री को लगाया जाता है जो कुछ दिनों तक चलने के बाद वह खराब पड़ जाता है जिसकी सुधि लेने वाला कोई नहीं होता है। ग्रामीणों ने बताया की काफी पिछड़ा हुआ गांव जिसमें काफी गरीब परिवार के लोग रहते जो मजदूरी कर अपना जीवन यापन करने का काम कर रहे है। गरीबी रहने के कारण गांव के लोग इतनी परेशानी झेलने को विवश है जो खुद की राशि से मरम्मती कराने में असफल हो रहे है।

एक नजर में

बेरमो : पलायन की भेंट चढ़ा होसिर का एक व्यक्ति, गांव पहुंचा शव

बेरमो/ललपनिया। गोमिया थाना क्षेत्र अंतर्गत होसिर तेतरिया टांड़ निवासी विजय करमाली (49 वर्षीय) पलायन का भेंट चढ़ गया। मृतक विजय करमाली जो स्व लालधारी करमाली का पुत्र था। शनिवार शाम को उड़ीसा में सड़क दुर्घटना में मौत हो गई। मृतक का शव रविवार अहले सुबह घर पहुंचते ही परिजनों की चीत्कार से सभी का आंख नम हो गई। मृतक विजय करमाली के एक पुत्र व तीन पुत्री है जिसमें एक पुत्री कि शादी हो गई है। प्राप्त जानकारी के अनुसार विजय करमाली अपनी रोजी रोटी केलिए उड़ीसा राज्य में ऑनर बासुदेव अरु का हाइवा चलाता था। रोज की तरह शनिवार को भी हाइवा गाड़ी चला रहे थेकि शाम लगभग 4 बजे उड़ीसा के कमाकेल ओवरब्रिज एनएच-143 बांदी पोस के पास गाड़ी ब्रेक डाउन होने के पश्चात दुर्घटना हो गया। जिसमें चालक विजय करमाली गंभीर रूप से घायल हो गया। चालक को घायल वस्था में बेहतर इलाज हेतु रांची लाया ही जा रहा था कि रास्ते मे ही उनकी मौत हो गई तत्पश्चात मृतक का शव तेतरिया टांड़ ग्राम पहुंचा। जहां गोमिया थाना पुलिस द्वारा कागजी कार्रवाई करते हुए शव को पोस्टमार्टम हेतु अनुमंडलीय अस्पताल तेनुघाट भेज दिया गया। ततपश्चात मृतक का शव परिजनों को सौंप दिया इधर सूचना मिलने पर झारखंड राज्य मंत्री सह गोमिया विधायक योगेंद्र प्रसाद ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि इनकी मृत्यु से काफी मर्माहत है। दुःख की इस घड़ी में परिजनों को उचित मुआवजा दिलाने सहित परिजनों के साथ हर दुःख सुख में साथ खड़ा है। उधर उप मुखिया पति मोहन नायक, समाजसेवी मनोज कुमार, संदीप कुमार समेत ग्रामीणों ने शोक व्यक्त किया है।

मारवाड़ी युवा मंच ने तीन स्थानों पर पनशाला तथा गायों के लिए दस स्थानों पर नाद लगाया

फुसरो (बेरमो)। मारवाड़ी युवा मंच बेरमो शाखा के द्वारा प्रचंड गर्मी को देखते हुए फुसरो बाजार में तीन स्थानों पर अस्थाई अमृत धारा (पनशाला) का उद्घाटन किया गया। साथ ही जीव दया हेतु अलग-अलग स्थान पर 10 नाद लगाए गए। इससे सड़क पर विचरण कर रहे गाय उसमें पानी पी सके। मंच के अध्यक्ष संदीप अग्रवाल तथा सचिव अरुण अग्रवाल ने बताया कि मारवाड़ी युवा मंच बेरमो शाखा समाज हित में हमेशा कार्य करता है। इसी के तहत प्रचंड गर्मी को देखते हुए फुसरो बाजार में तीन स्थान पर निशुल्क अमृतधारा का उद्घाटन किया गया है। जहां पूरे गर्मी शुद्ध शीतल पेयजल की व्यवस्था रहेगी। इससे राहगीर इस भीषण गर्मी में अपनी प्यास बुझा सकेंगे। कहा कि इसके अलावा सड़क पर विचरण कर रहे हैं गायों के लिए 10 जगह नाद की व्यवस्था की गई है। इससे सड़क पर विचरण करने वाले गाय इस नाद मे रखे पानी के माध्यम से अपनी प्यास बुझा सकते हैं। कहा कि इसके अलावा समय-समय पर जरूरतमंद लोगों को राहत देने के लिए कई प्रकार के कार्यक्रम भी मंच के द्वारा चलाए जाते हैं। मंच की ओर से सेवा कार्य को और भी अधिक विस्तार पूर्वक किया जाएगा।

महेशपुर शिव-पार्वती मंदिर जीर्णोद्धार को लेकर अनुष्ठान व भूमि पूजन पांच को

गोड्डा/बसंतराय। बसंतराय प्रखंड के महेशपुर शिवमंदिर के जीर्णोद्धार को लेकर निर्माण कार्य शुरू करने के पूर्व शिवमंदिर परिसर में ग्रामीणों की बैठक आयोजित की गई। सर्वसम्मति से विद्वान पंडित की राय के अनुसार नये मंदिर के निर्माण को लेकर भूमि पूजन, शिवलिंग एवं माता पार्वती के विग्रह के विस्थापन को लेकर अनुष्ठान की तिथि पांच जून निश्चित की गई। शिव-पावंती मंदिर जीर्णोद्धार से पूर्व किए जाने वाले अनुष्ठान एवं वैदिक पूजा आदि के संपादन के संबंध में संस्कृत महाविद्यालय गुरुधाम, बौसी, बिहार के पूर्व प्राचार्य पंडित रतीश चंद्र झा ने मार्गदर्शन दिए। उन्होंने वेद व शास्त्रों के आधार पर कहा कि मंदिर के गर्भ गृह का निर्माण 18 वर्ग फीट शून्य सर्वथा उचित होता है।

स्पीड न्यूज

बोकारो जमीन घोटाले में वकील की पत्नी को इडी का समन

बोकारो। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बोकारो जमीन घोटाले की जांच के दौरा जमीन खरीदने वालों को समन भेजना शुरू किया है। इस मामले में अब तक बोकारो के वकील रंजन कुमार मिश्रा की पत्नी को समन भेजा है। ईडी ने यह कार्रवाई इजहार हुसैन व अख्तर हुसैन के दावे से संबंधित दस्तावेज फर्जी पाये जाने के बाद की है। ईडी ने जांच में पाया कि इजहार हुसैन व अख्तर हुसैन ने फर्जी दस्तावेज के सहारे सरकारी जमीन पर अपना मालिकाना हक कायम किया और जमीन कारोबारी शैलेश सिंह को 50 एकड़ जमीन बेचने का अधिकार (पावर ऑफ अटॉर्नी) दिया गया था लेकिन उसने 74.38 एकड़ जमीन बेच दी। यह जमीन उमायुष मल्टीकॉम को बेच दी गई और उमायुष ने भी यह जमीन अलग अलग लोगों को बेच दी। ईडी ने जांच में पाया कि इजहार हुसैन से संबंधित जमीन करीब 40 लोगों ने अलग-अलग समय में खरीदी है। बोकारो के वकील रंजन कुमार मिश्रा ने भी अपनी पत्नी के नाम पर विवादित जमीन खरीदी है। ईडी ने जमीन खरीद के इस मामले में पूछताछ के लिए वकील की पत्नी को समन किया है।

बारिश से भीषण गर्मी से लोगों को मिली राहत

दुमका। चिल्चिलाती धूप से उपराजधानी दुमका के लोगों को सोमवार की शाम राहत मिली। शाम को बारिश के कारण मौसम सुहाना हो गया। करीब 4 बजे तेज हवा के साथ हुई बारिश ने लोगों को राहत पहुंचाया। बारिश से लोगों को भीषण गर्मी से थोड़ी राहत महसूस हुई। हलांकि करीब आधा घंटे के बाद ही बारिश रूक गई। इसके बावजूद लोगों को लोड सेटिंग और आंखी मिचौली खेल रही बिजली के कारण असहनीय गर्मी से थोड़ा-बहुत राहत अवश्य मिली।

छात्राओं को भगाने वाला दूसरा आरोपी गिरफ्तार

दुमका। शहर के सेक्रेट हार्ट स्कूल से सोमवार की दोपहर छुट्टी के बाद गायब हुई कक्षा छह की छात्राओं को बहला-फुसला कर भगाने वाला दूसरा फरार आरोपी पुलिस गिरफ्तार कर सोमवार को जेल भेज दी है। गिरफ्तार आरोपी बिहार के पश्चिमी चंपारण के बेतिया जिला के रामनगर थाना क्षेत्र के इमारती कठहरवा गांव निवासी धर्मेंद्र राय उर्फ संदीप राय, पिता गोरख राय है। पुलिस मामले में अगवा छात्राओं को बरामद करते हुए पूर्व में आरोपी बिहार के चंपारण जिला के बेतिया के बैरिया थाना क्षेत्र के लौकरिया गांव के बलुआ टोला निवासी साहेब सिंह उर्फ बाबू साहेब, पिता लालबाबु को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। वहीं फरार आरोपी धर्मेद्र राय उर्फ संदीप राय फरार होने में कामयाब हो गया था।

बीएसएल में 22 अधिशासियों का अंतर्विभागीय ट्रांसफर

बोकारो। बोकारो इस्पात संयंत्र में अंतर्विभागीय ट्रांसफर के तहत 22 अधिशासियों को अन्य विभाग में भेजा गया। मानव संसाधन विभाग के पत्रांक बीएसएल/एचआर/ओडी/2025-06 के अनुसार एक सहायक प्रबंधक 3 उप प्रबंधक 3 वरीय प्रबंधक 9 सहायक महाप्रबंधक 3 उप महाप्रबंधक एवं 3 महाप्रबंधक को बोकारो संयंत्र के ही अन्य विभाग में 14 दिनों के अंदर योगदान देने का निर्देश दिया गया है।

सृजन शाखा ने राहगीरो के बीच बांटा नीबू पानी

बेरमो। फुसरो नगर परिषद क्षेत्र अन्तर्गत रानीबाग मित्तल मार्बल टाइल्स एण्ड सैनिटरी वेयर के समीप अखिल भारतीय मारवाड़ी महिला सम्मेलन फुसरो सृजन शाखा के द्वारा राहगीरो के बीच नीबू पानी बांटा गया।

मंत्री दीपिका पाण्डेय सिंह ने ठाकुरगंगटी प्रखंड को दी करोड़ों की विकास योजनाओं की सौगात, कहा

ग्रामीणों की जरूरत के अनुसार होगा विकास कार्य

खबर मन्त्र संवाददाता

गोड्डा। महगामा विधानसभा क्षेत्र के लिए शनिवार और रविवार का दिन ऐतिहासिक रहा। स्थानीय विधायक सह ग्रामीण विकास पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने ठाकुर गंगटी प्रखंड में करोड़ों की विकास योजनाओं का शिलान्यास किया। इस दौरान मंत्री दीपिका पाण्डेय सिंह ने ग्रामीणों से मुलाकात कर ध्यान से उनकी समस्याएं सुनी। उन्होंने बारीकी से सबों की सुनकर त्वरित निदान का आश्वासन दिया। उन्होंने अब तक दर्जनों ग्रामीणों और आम समस्याओं के निदान की विस्तार से जानकारी भी साझा की। क्षेत्र में कई महत्वपूर्ण योजनाओं का शिलान्यास कर ग्रामीण आधारभूत संरचना के विस्तार की दिशा में एक नया अध्याय लिखा। मंत्री दीपिका पाण्डेय सिंह ने देर शाम तक रविवार को ठाकुर गंगटी प्रखंड में तीन बड़ी विकास योजनाओं का शिलान्यास किया। जिनमें पुल और सड़क निर्माण शामिल हैं। ये योजनाएं न सिर्फ क्षेत्रीय कनेक्टिविटी को बेहतर बनाएंगी, बल्कि ग्रामीण जनता को आवागमन, व्यापार और रोजगार के अधिक अवसर भी उपलब्ध कराएंगी। उन्होंने 159.400 लाख रुपए से बनने वाली चांदा से सुजानकित्ता होते हुए समदा तक सड़क सुदृढ़ीकरण निर्माण कार्य, मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना के अंतर्गत तामाशाचक एवं बुधसासन के पास इमरीरी नदी पर पुल निर्माण कार्य, जिसकी प्राक्कलित राशि 397.29300 लाख रुपये है एवं मुख्यमंत्री ग्राम सेतु योजना के अंतर्गत अंटाडीह एवं पाठकचक के बीच कौवा नदी पर पुल निर्माण कार्य, जिसकी प्राक्कलित राशि 487.97600 लाख रुपये है का शिलान्यास कियो मौके पर उन्होंने कहा कि इन योजनाओं का उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों को मुख्यधारा से जोड़ना, आवागमन में सुगमता लाना और आपदा के समय राहत कार्यों को गति देना है। योजना शिलान्यास व अन्य कार्यक्रमों के बाद ग्रामीण विकास पंचायती राज मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ठाकुर गंगटी गांव पहुंची वहां गोपाल ठाकुर के पिता के निधन पर स्वजनों से मिलकर सांत्वना दिया। ठाकुर गंगटी प्रखंड कार्यालय परिसर में क्षेत्रीय विधायक सह मंत्री दीपिका पांडेय सिंह ने बाल विकास परियोजना विभाग अंतर्गत दो बच्चों को अन्नप्राशन और दो महिलाओं की गोद भराई कराई। प्रखंड क्षेत्र की विभिन्न आंगनबाड़ी केंद्रों की सेविकाओं को स्मार्टफोन वितरित किया। कार्यालय कक्ष में कार्यकर्ताओं और ग्रामीणों से बातचीत कर उनकी समस्याओं को सुना और त्वरित समाधान का आश्वासन दिया। ग्रामीणों को संबोधित करते हुए कहा कि जिन्हें भी किसी प्रकार की कोई समस्या हो चाहे वह निजी हो सार्वजनिक हो गांव से संबंधित हो या अन्य किसी विभाग या कार्यों से संबंधित हो मोबाइल फोन के माध्यम से या सीधे मिलकर संपर्क कर अपनी बातों को रखें। निश्चित रूप से बीते दिनों की तरह सभी प्रकार की समस्याओं का निदान होगा। जिस प्रकार पिछले पांच वर्षों के कार्यकाल में आप ग्रामीणों के अनुसार विकास सहित अन्य कार्यों को सुचारू रूप से किया गया। इस प्रकार इस पंचवर्षीय कार्यकाल में भी ग्रामीणों की जरूरत के मुताबिक ही हर प्रकार का विकास कार्य किया जाएगा। बनियाडीह गांव की बिंदु देवी ने जमीन से संबंधित कुछ समस्या बताई। झारखंड स्टेट लाई प्रमोशन सोसाइटी के प्रखंड प्रबंधक प्रेम प्रकाश, चंदन ठाकुर, शमीम अख्तर आदि द्वारा समस्या और विभाग से संबंधित कुछ बातचीत किया। बीडीओ विजय कुमार मंडल, प्रखंड अध्यक्ष अवधेश ठाकुर, थाना प्रभारी पंकज कुमार सिंह, प्रमुख कुंदन कुमार महतो, पंचायत समिति सदस्य कुर्बान अली कासमी, मुखिया मनोरंजन, मनोज कुमार, प्रफुल्ल कुमार महतो, अखिलेश जायसवाल, मिहिर महतो, भोला प्रसाद यादव, रविंद्र प्रसाद महतो, करमू यादव, रंजन कुमार ठाकुर, त्रिभुवन यादव, विनय गुप्ता, ठाकुर राजेश, अहसान अंसारी, कुश झा, हबीबुल रहमान, दीपक परासर सहित प्रखंड क्षेत्र के सभी 16 पंचायतों के विभिन्न गांव के कार्यकर्ता व सैकड़ों ग्रामीण उपस्थित थे।

बुद्ध पूर्णिमा पर बोकारो में निकली झांकी मंदिर प्रबंधन के प्रति लोगों में आक्रोश

खबर मन्त्र संवाददाता

बोकारो। बुद्ध पूर्णिमा के पावन अवसर पर कुशवाहा महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं झारखंड प्रदेश कांग्रेस कमिटी के ओबीसी विभाग के कार्यकारी अध्यक्ष कुशवाहा राकेश महतो के नेतृत्व में बोकारो की सड़कों पर भव्य झांकी निकाली गई। इस झांकी में भगवान बुद्ध के जीवन विचारों और शिक्षाओं को प्रदर्शित किया गया जिससे आमजन को शांति अहिंसा और करुणा के महत्व से अवगत कराया गया। झांकी के माध्यम से भगवान बुद्ध के संदेशों को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया गया। इस अवसर पर बुद्ध विचार मंच के अध्यक्ष प्रवीण कुमार उपाध्यक्ष अजय कुमार सह सचिव विजय कुमार मृत्युंजय सिंह अनिता सिंह विजय लक्ष्मी गणेश शर्मा सरिता कुमारी रेणु शर्मा अवधेश प्रसाद कुशवाहा अशोक महतो महेंद्र प्रसाद सिंह वीएन मेहता और रामशरण प्रसाद सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु शामिल हुए। सभी ने एकमत होकर समाज में समरसता सद्भाव और मानवता की भावना को बढ़ावा देने का संकल्प लिया। कार्यक्रम के नेतृत्वकर्ता और पेट्रोन मेंबर राकेश महतो ने भगवान बुद्ध के विचारों और दर्शन पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि आज का समय एक ऐसे समाज की मांग कर रहा है जहां सभी को समान अवसर और सम्मानित मिले। कार्यक्रम के अंत में सभी ने भगवान बुद्ध की प्रतिमा पर पुष्प अर्पित कर उनके आदर्शों को जीवन में अपनाने का संकल्प लिया। शोभायात्रा के सर्किट हाउस सेक्टर 2 नया मोड़ सेक्टर 4 डॉ भीमराव अम्बेडकर की परिक्रमा कर बौद्ध विहार पहुंचने पर वहां के प्रबन्धन ने मंदिर का मुख्य द्वार बन्द करवा दिया। गेट को धक्का देकर खोला गया और मंदिर में प्रार्थना व त्रसरण पाठ धम्म वाचण हुआ। मंदिर परिसर में प्रसाद वितरण एवं भोजन की व्यवस्था ढाई बजे होने की वजह से लोग बिना प्रसाद ग्रहण किए घर वापस हो गए। मंदिर प्रबंधन के प्रति लोगों में आक्रोश देखा गया।

अपनी जमीन पर पीएम आवास बनाना अपराध है क्या: युनूस

- गलत बयान बाजी कर बताया जा रहा है बहरी
- पुलिस और प्रशासन के अनुमति के शुरू हुआ था निर्माण कार्य
- खुद दिखाए दबंगई और उठाये एससी एसटी का लाभ

खबर मन्त्र संवाददाता

बेरमो। गोमिया विधानसभा के अइय्यर गांव एक जमीनी विवाद का मामला उस समय प्रकाश में आया जब एक पक्ष के लोग बोकारो एससी एसटी थाना मामला दर्ज करवाने व न्याय दिलाने की मांग को लेकर पहुचा और दुसरे पक्ष पर जबरन जमीन हड़पने, मारपीट करने आदि आरोप लगाते हुए मामला दर्ज करवाया। इधर दुसरे पक्ष से आज परिवार के मुखिया मो युनूस अंसारी तथा उनका दो भतीजा तफजुल अंसारी और तनवीर मिडिया के सामने आकर जमीन विवाद से पुरा पर्दा ही हटा दिया। उक्त लोगों ने मिडिया को बताया कि जो परिवार आठ पिढ़ी से यहां निवास करता हो आज बहरी बताया कर मामले को सुलझाने की कोशिश की जा रही है। रैयत यूनुस ने बताया कि दरअसल वे लोग ललपनिया थर्मल पावर प्लांट के विस्थापित लोग है। यहां से विस्थापन के बाद लगभग 9 एकड़ भूमि भूदान योजना के तहत विस्थापितों को इस क्षेत्र में दिया गया था। उसी का यह एक टुकड़ा है जिसे आदिवासी पक्ष के लोग अपना बता रहे हैं और आवास बनाने से जबरन रोका जा रहा। हथियारों से लैस होकर कार्य स्थल पर आते हैं गाली गलोज, मारपीट करते हैं। बताया गया कि इस जमीन का खाता संख्या 57 प्लांट संख्या 236 तथा रकबा 54 डिसमिल है। बताया गया कि यहां पीएम आवास योजना के तहत आवास का निर्माण होना है मगर जब भी निर्माण कार्य शुरू किया जाता है वे लोग यहां पहुच हंगामा करने के साथ साथ मारपीट और दिवारों को गिरा देते हैं। कहा इन लोगों के द्वारा पुर्व मे भी गोमिया प्रखंड विकास पदाधिकारी को आवेदन देकर काम रोक दिया था मगर नापी के बाद साफ हुआ कि उन लोगों की जमीन आवास निर्माण स्थल से काफी दुर पर है मगर जबरन बल पुर्वक काम रोक दिया जाता है। युनूस और उनके परिजनों के अनुसार बीते दिनों भी कुछ इसी तरह की घटना घटी कार्य स्थल पर एकाएक दर्जनों लोगो के साथ वे लोग धमक गये और मारपीट शुरू कर दी जिसमे तफजुल और मुनेजा खातुन बुरी तरह घायल हो गया जिसका लिखित आवेदन हमने ललपनिया थाना को दिया है। बताया कि यह भुमि भूदान योजना के तहत उनके पुरवजो को मिला था। वे लोग आठ पिढ़ीयो से यहां निवास कर रहे हैं और उन्हें बहरी और नामालूम क्या क्या बताया जा रहा है। उन लोगों ने बताया कि हमारे पास जमीन के सारे कागजात है और इसी आधार पर हमे पीएम आवास योजना का लाभ मिला है मगर यह परिवार अपनी दबंगई के दम पर यह गैरकानूनी काम कर रहे है और फर्जी मामला बनाकर हम लोगो को फंसाने का काम कर रहे हैं।

गोड्डा : श्रीमद् भागवत कथा महाज्ञान यज्ञ को लेकर निकली भव्य कलश यात्रा

श्री राधे-कृष्ण के जयघोष से गूंजा तेतरिया, 251 श्रद्धालु हुए शामिल

खबर मन्त्र संवाददाता

गोड्डा। महगामा प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत तेतरिया गांव के बीचों बीच आयोजित होने वाली श्रीमद् भागवत कथा महाज्ञान यज्ञ को लेकर क्षेत्र में भव्य कलश यात्रा निकाली गई।

प्रातः 10 बजे हनुमान मंदिर से 251 श्रद्धालुओं ने सिश पर मंगल कलश लेकर नगर भ्रमण किया। गांव के बीचों बीच स्थित हनुमान मंदिर से गाजे-बाजे के साथ प्रारंभ हुई कलश यात्रा पूरे गांव के साथ साथ ग्राम छोटा सिमरा एवं बड़ा सिमरा होते हुए वापस हनुमान मंदिर पहुंची। वहीं कलश यात्रा का नगर भ्रमण के दौरान श्रद्धालुओं द्वारा राधे-राधे व जय श्री कृष्ण के जयघोष से पूरा माहौल गूंजायमान होता रहा। इस दौरान लोग काफी उत्साहित दिखे, राधे कृष्ण के जयकारे की जयघोष दूर दूर तक पहुंच रही थी। वही कलश लेकर चल रही कलशधारी श्रद्धालुओं की सेवा के लिए कई जगहों पर ग्रामीणों द्वारा शीतल जल और अन्य पेय पदार्थों का प्रबंध किया गया था जो श्रद्धालुओं को राहत पहुंचा रही थी। वहीं तेतरिया ग्रामवासियों ने बताया कि लंबे अरसे से सोच थी की गांव में भागवत होना चाहिए जो की आज लंबे इंतजार के बाद पूरा हुआ है। ग्रामवासियों ने बताया कि रविवार 11 मई से आरंभ होने वाला श्रीमद् भागवत कथा का आयोजन 07 दिनों तक रखी गई है।

यह भागवत कथा संध्या 05 बजे से रात्रि 11 बजे तक तक होगी। श्रीमद भागवत कथा का लोग कथावाचिका दीदी दिव्यांशी जी के श्रीमुख से अनुश्रवण करेंगे।

दुमका : ओलचिकी लिपि अविष्कारक पंडित रघुनाथ मुर्मू की मनी जयंती

खबर मन्त्र संवाददाता

दुमका। दिसोम मांझी थान दुमका के परिसर में पंडित रघुनाथ मुर्मू के प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उनकी जयंती को ओलचिकी लिपि का 100वां वर्षगांठ के रूप में मनाया गया। कार्यक्रम का नेतृत्व दिसोम मांझी बाबा बीनीलाल टुडू ने किया। इस वर्षगांठ में संथाल परगना के विभिन्न क्षेत्रों से आतो मोड़ें होड़ समेत बुद्धिजीवी शामिल हुए। दिसोम मांझी बाबा बीनीलाल टुडू व दिसोम जोग मांझी बाबा मोहन टुडू के अगुवाई में दिसोम मांझी थान में बोंगा बुरु हुआ। जिसमें डॉ सुजीत सोरेन, प्रो ईश्वर मरांडी, मनोज कुमार मरांडी, नाजीर हेम्ब्रम, सुभाष मुर्मू, सुरेंद्र हांसदा, मंत्री मुर्मू, लुखीराम मुर्मू, रघुनाथ हांसदा ने पंडित रघुनाथ मुर्मू के जीवनी, धर्म व संस्कृति के बारे में विस्तार से बताया गया। बैठक में अशोक हांसदा, मुकेश आरडीएक्स टुडू, मुन्ना मरांडी, लाईनदु मुर्मू, बीडी किस्कू, सीमांत हांसदा, प्रेम हांसदा, देवराज हांसदा, लवकिशोर टुडू, मनोज किस्कू, सुशील मरांडी, शिवशंकर सोरेन, सुनील मरांडी व कई लोग मौजूद रहे।

पेज एक का शेष

न्यूक्लियर ब्लैकमेल भारत ...

पाकिस्तान ने हमारे मंदिरों-गुरुद्वारों को निशाना बनाया। हमारी सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया, लेकिन, पाकिस्तान इसमें भी बेनकाब हो गया। पाकिस्तान के ड्रोन तिनके की तरह बिखर गये। पाकिस्तान को इतना तबाह कर दिया, जिसका अंदाजा उनको नहीं था। भारत की आक्रमक कार्रवाई के बाद पाकिस्तान भागने के रास्ते खोजने लगा। बुरी तरह से पीटने के बाद 10 मई को पाकिस्तानी सेना ने डीजीएमओ को संपर्क किया। तबतक हम आतंकवाद के ठिकाने को समाप्त कर चुके थे। आतंक के अड्डों को खंडहर बना दिया था। पाकिस्तानी वायुसेना के उन एयरबेस को नुकसान पहुंचाया, जिन पर पाकिस्तान को बहुत घमंड था।

भारत का पराक्रम और धैर्य सबने देखा : पीएम मोदी ने कहा कि हम सभी ने बीते दिनों में देश का सामर्थ्य और उसका संयम दोनों देखा। मैं सबसे पहले, भारत की पराक्रमी सेनाओं को, सशस्त्र बलों को, हमारी खुफिया एजेंसियों को, हमारे वैज्ञानिकों को हर भारतवासी की ओर से सैल्यूट करता हूं। हमारे वीर सैनिकों ने ऑपरेशन सिंदूर के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए असीम शौर्य का प्रदर्शन किया है। मैं उनकी वीरता, उनके साहस, उनके पराक्रम को आज हमारे देश की हर माता, बहन और बेटी को समर्पित करता हूं। पीएम मोदी ने कहा कि ऑपरेशन सिंदूर, सिर्फ नाम नहीं है, ये देश के कोटि-कोटि लोगों की भावनाओं का प्रतिबिंब है। ऑपरेशन सिंदूर, न्याय की अखंड प्रतिज्ञा है। ऑपरेशन सिंदूर सिर्फ नाम नहीं है ये देश के कोटि कोटि लोगों की भावनाओं का प्रतिबिंब है। ऑपरेशन न्याय की अखंड प्रतिज्ञा है। भारतीय सशस्त्र बलों ने रफीकी, मुरीद, चकलाला, रहीम यार खान, सुक्कुर और चुनियां के अलावा कई पाकिस्तानी सैन्य प्रतिष्ठानों जवाबी हमला किया। वहीं पसरूर और सियालकोट बेस पर रडार साइट को भी सटीक हथियारों का प्रयोग करके निशाना बनाया गया, जिससे भारी नुकसान हुआ।

विनय न माने...

यह लड़ाई अपने स्वरूप में अनूठी थी। भारतीय वायुसेना ने अपनी ताकत और तैयारी का स्पष्ट और प्रभावशाली संदेश दिया है, जो सिर्फ अपने देश तक ही सीमित नहीं रहा, बल्कि पूरी दुनिया तक पहुंचा है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि सभी सैन्य ठिकाने और सिस्टम पूरी तरह ऑपरेशनल हैं। हम नये मिशनों के लिए तैयार हैं। पाकिस्तान कोशिश कर रहा है कि वह अपनी कहानियां बनायें। हमें एक जॉब दी गयी, जिसे हमने उसे पूरा किया।

पाक का आरोप खारिज : एयर मार्शल ए के भारती ने भारतीय सेनाओं द्वारा पाकिस्तान के किराना हिल्स में कथित तौर पर स्थित परमाणु प्रतिष्ठानों पर हमला करने की अटकलों को खारिज कर दिया है। सोशल मीडिया पर चल रही इन खबरों के बारे में पूछे जाने पर कि क्या भारत ने किराना हिल्स में उस जगह को निशाना बनाया है जहां परमाणु भंडारण सुविधा होने की बात कही जा रही थी, एयर मार्शल भारती ने कहा, हमें यह बताने के लिए धन्यवाद कि किराना हिल्स में कुछ परमाणु प्रतिष्ठान हैं। हमें इसके बारे में पता नहीं था। हमने किराना हिल्स पर हमला नहीं किया है, चाहे वहां कुछ भी हो। हमारी लड़ाई आतंकवादियों और उनके ढांचे से थी।

हेमंत ने रखी ...

इस लिस्ट में बाबूलाल मरांडी, अर्जुन मुंडा, शिबू सोरेन, मधु कोड़ा का नाम शामिल है। इस मिथक को रघुवर दास ने तोड़ा, वह पहले नेता रहे, जो इस आवास में रहते हुए बतौर मुख्यमंत्री पांच साल का कार्यकाल पूरा किया। हालांकि, वे भी शंका और आशंका से प्रभावित रहे। उन्होंने कुछ वास्तु बदलाव करवाये। कांके रोड वाले गेट से आना-जाना करने के बजाये मोरहाबादी वाले गेट का इस्तेमाल किया। वहीं सीएम रहते हेलिकॉप्टर दुर्घटनाग्रस्त होने पर अर्जुन मुंडा ने सीएम कैंपस में हनुमान मंदिर का निर्माण करवाया था।

इस आवास का प्रभाव ऐसा था कि 13 जुलाई 2013 को पहली बार सीएम बनने के बावजूद हेमंत सोरेन इस आवास में नहीं गये। वह नेता प्रतिपक्ष वाले ही आवास में रहे जो सीएम आवास से बिल्कुल सटा हुआ है। वह सीएम आवास का इस्तेमाल सिर्फ बैठकों के लिए किया करते थे। 2019 में दोबारा सत्ता में आने के बाद हेमंत सोरेन वास्तविक सीएम आवास में रहने नहीं गये। खास बात है कि 2024 में दोबारा सत्तासीन होने पर हेमंत सोरेन पहले ऐसे मुख्यमंत्री बने जिन्होंने अंग्रेजों के जमाने के कैफोर्ड हाउस को जमींदोज कर नया सीएम आवास बनाने पर बल दिया। उसी का नतीजा है कि भवन निर्माण विभाग की पहल पर नया सीएम आवास बन रहा है, जिसका मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने आधारशिला रखी है।

स्पीड न्यूज

इजरायली सैनिक को रिहा करेगा हमास

यरूशलम। इजरायल के प्रधानमंत्री कार्यालय ने सोमवार को कहा कि अमेरिका ने उसे सूचित किया है कि बंधक बनाए गए इजरायली सैनिक एडन अलेक्जेंडर को हमास बिना किसी शर्त या मुआवजे के रिहा कर देगा। अमेरिका ने इसे एक सद्भावना संकेत बताया है और उसका मानना है कि इससे भविष्य में बड़ी वातार्ओं का रास्ता खुल सकता है।

अफगानिस्तान के बदख्शां में खदान ढहने से तीन खदानकर्मियों की मौत

काबुल। उत्तरी अफगानिस्तान के बदख्शां प्रांत में रविवार को बेशकीमती पत्थरों की एक खदान का एक हिस्सा ढहने से तीन खनिकों की मौत हो गयी है। प्रांतीय सरकार के अधिकारी मोहम्मद कामगर के हवाले से सोमवार को यहां ह्यटोलोन्यूज ह्न ने बताया कि कल अश्कशिम जिले में बेशकीमती पत्थरों की खदान में काम कर रहे खनिक अचानक खदान का एक हिस्सा ढह जाने से दब गए। इससे तीन श्रमिकों की मौके पर ही मौत हो गई।

पर्यटकों की नाव डूबने से 07 की मौत

जकार्ता। इंडोनेशिया के बेंगकुलु प्रांत में नाव के डूबने से सात घरेलू पर्यटकों की मौत हो गई और 34 अन्य घायल हो गए। एक वरिष्ठ बचावकर्ता ने सोमवार को यह जानकारी दी। बेंगकुलु प्रांत खोज और बचाव कार्यालय के प्रमुख मुस्लिकुन सोदिक ने बताया कि यह घटना रविवार को जकार्ता समयानुसार लगभग 16:30 बजे हुई। उन्होंने बताया कि हादसे के समय 98 स्थानीय पर्यटकों और छह चालक दल के सदस्यों को लेकर नाव टिकस द्वीप से बेंगकुलु शहर लौट रही थी। उन्होंने चीन की न्यूज एजेंसी शिन्हुआ को बताया, जब नाव बेंगकुलु शहर के पास पहुंच रही थी, तो तेज हवाओं और ऊंची लहरों के साथ खराब मौसम के कारण इसका इंजन फेल हो गया।

देशभर के 700 से ज्यादा जिलों में चलेगा विकसित कृषि संकल्प अभियान

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय और भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद् (आईसीएआर) द्वारा देशभर में विकसित कृषि संकल्प अभियान चलाया जाएगा। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण और ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने बताया कि यह अभियान 700 से ज्यादा जिलों में 29 मई से प्रारंभ होकर 12 जून तक चलेगा। इस दौरान हमारे कृषि वैज्ञानिक एवं मंत्रालय के अधिकारी-कर्मचारी, स्थानीय कृषिकर्मियों के साथ टीम बनाकर प्रतिदिन अलग-अलग गांवों में पहुंचकर किसानों से सीधे संवाद करेंगे तथा उन्हें खेती-किसानी के संबंध में अपने स्तर पर और जागरूक करेंगे, विभिन्न सलाह देंगे। यह सारी कवायद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा दिए ह्लैब टू लैंडह्व के मंत्र को साकार करने के लिए की जा रही है। आधुनिक एवं आदर्श खेती के साथ ही यह श्एक देश, एक कृषि, एक टीमश् की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

शादी के छठे दिन मायके से विवाहिता नकदी-जेवर लेकर प्रेमी संग भागी

मुरादाबाद। ठाकुरद्वारा थाना क्षेत्र के एक गांव की महिला ने विवाह के छह दिन बाद ही मायके से नकदी व जेवर लेकर गांव के ही प्रेमी के साथ चली गई। विवाहिता के मां की तहरीर पर थाना पुलिस ने आरोपित प्रेमी युवक समेत चार के खिलाफ सोमवार को केस दर्ज कर लिया है। ठाकुरद्वारा क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने सोमवार को थाना पुलिस को दी तहरीर देकर बताया कि बीते चार मई को उसकी बेटी की शादी मुरादाबाद के मझोला थाना क्षेत्र के एक गांव में हुई थी। आठ मई को वह बेटी को ससुराल से लाई थी। दो दिन 10 मई करीब ढाई बजे गांव का ही गौतम उसकी बेटी को बहलाकर अपने साथ ले गया। बेटी घर से जेवर और नकदी भी लेकर गई है। इस मामले में पुलिस ने महिला की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर लिया है।

पहलगाम तक उनके पाप का घड़ा भर चुका था, कार्रवाई तय थी, वही किया

अपनी तबाही को पाकिस्तान खुद जिम्मदार : सेना

ऑपरेशन सिंदूर

एजेंसी

नयी दिल्ली। ऑपरेशन सिंदूर पर भारतीय सेना ने सोमवार को संयुक्त प्रेस कॉन्फ्रेंस की। प्रेस ब्रीफिंग के दौरान भारतीय सेना ने पाकिस्तानी मिराज के मलबे की क्लिप भी दिखायी। साथ ही पीएल-15 एयर-टू-एयर मिसाइल का मलबा दिखाया। एयर मार्शल एके भारती ने प्रेस ब्रीफिंग के दौरान कहा, यह दुख की बात है कि पाकिस्तानी सेना ने हस्तक्षेप करने का फैसला किया और वह भी आतंकवादियों के लिए, और इसलिए हमने जवाब देने का फैसला किया। हमारा निशाना आतंकवादी थे, पाकिस्तानी सेना ने इसे अपनी लड़ाई बनाया। पाकिस्तानी सेना के आतंकवादियों के पक्ष में लड़ाई में उतरने के कारण भारत को उसके सैनिक ठिकानों को निशाना बनाना पड़ा जिसके लिए पाकिस्तानी सेना खुद जिम्मेदार है।

उनके पाप का घड़ा भर गया था

डीजीएमओ, लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई ने कहा, ऑपरेशन सिंदूर की एयर डिफेंस कार्रवाई को हमें एक संदर्भ में समझने की जरूरत है। पिछले कुछ सालों में आतंकी गतिविधियों के कैरेक्टर में बदलाव आ रहा था, अब हमारी सेना के साथ-साथ निर्दोष लोगों पर भी हमला हो रहा था। पहलगाम तक उनका पाप का घड़ा भर चुका था, क्योंकि आतंकियों पर हमारे सटीक हमले एलओसी और इंटरनेशनल बॉर्डर को पार किए बिना किये गये थे। हमें पूरा अंदेशा था कि पाकिस्तान का हमला भी सीमा पार से ही होगा, इसलिए हमने एयर डिफेंस की तैयारी की थी। जब 9-10 मई को पाकिस्तान की वायुसेना ने हमारे एयर फील्ड और लॉजिस्टिक इंस्टॉलेशन पर हमला किया, तो वे इस मजबूत एयर डिफेंस ग्रिड के सामने विफल हुए।

सैन्य ठिकानों पर मामूली प्रार किया

हमने सिविलियन और मिलिट्री इन्फ्रास्ट्रक्चर को न्यूनतम रखा, जबकि पाकिस्तानी सेना लगातार हमले कर रही थी। आपको पता है कि एयर डिफेंस सिस्टम की हमारे पास वैरायटी है, लो लेवल फायरिंग, सरफेस टू एयर मिसाइल, लॉन्ग और शॉर्ट रेंज मिसाइल शामिल हैं। हम पर ड्रोन और यूएवी से हमला किया गया। पाकिस्तानी हमले के दौरान हमारे सभी सिस्टम एक साथ सक्रिय हुए। मॉडर्न डेज वार फाइटिंग के लिहाज से ये अहम था। पुराने माने जा रहे एयर डिफेंस सिस्टम ने भी सही तरह से काम किया।

पाक ने चायनिज मिशाइल दागी

एयर मार्शल एके भारती ने बताया, पाकिस्तान की तरफ से किये गये हमले में चाइनीज ओरिजन की मिसाइल शामिल थीं, इनमें लॉन्ग रेंज रॉकेट और यूएवी थे। चीनी ओरिजन के कुछ कॉप्टर्स और ड्रोन (बाद में उन्होंने इसे टर्किश बताया) थे। इन्हें हमारे एयर डिफेंस सिस्टम ने मार गिराया। भारती ने कहा, मैं बहुत स्पष्ट शब्दों में कहना चाहता हूं कि हमारे सभी सैन्य अड्डे और सभी उपकरण और प्रणालियां चालू हैं और जरूरत पड़ने पर अपने अगले मिशन के लिए तैयार व तत्पर हैं। अगर आप हमारे रक्षा स्तरों को देखेंगे, तो समझ जाएंगे कि मैं क्या कहना चाहता हूं। भले ही आप सभी स्तरों को पार कर लें, इस ग्रिड सिस्टम का कोई न कोई स्तर आपको जरूर रोक लेगा। हमारे एयरफील्ड हर प्रकार से ऑपरेशनल हैं, पाकिस्तान के ड्रोन हमारे ग्रिड के कारण नष्ट हुए।

जनरल राजीव घई ने बीएसएफ की सराहना करते हुए कहा, जो दुर्दशा आपने पहले और कल पाकिस्तान एयरफील्ड की देखी और एयर मार्शल की प्रस्तुति आज देखी। हमारे एयरफील्ड हर प्रकार से ऑपरेशनल हैं। पाकिस्तान के ड्रोन हमारे ग्रिड के कारण नष्ट हुए। मैं यहां पर अपने बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स की सराहना करता हूं। जिसके कारण पाकिस्तान की नापाक हरकतों का विनाश किया गया।

कहीं का भी हथियार हो हम सक्षम हैं

भारतीय वायुसेना, नौसेना एवं थल सेना के सैन्य अभियान महानिदेशकों ने यहां एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा, तुर्की के ड्रोन हों या कहीं की भी कोई अन्य शस्त्र तकनीक हो.. हमारी स्वदेशी रक्षा प्रणाली, प्रशिक्षित योद्धा उससे मुकाबले के लिए तैयार हैं। ऑपरेशन सिन्दूर में हमारा नुकसान बेहद मामूली रहा है। हमारे सभी सैन्य प्रतिष्ठान, उपकरण, शस्त्र प्रणालियां पूरी तरह से कार्यशील हैं, जरूरत पड़ने पर हम अगले मिशन के लिए तैयार हैं। वायुसैनिक अभियान महानिदेशक एयर मार्शल ए के भारती ने कहा कि पाकिस्तान की सेनाओं ने विमानों, मिसाइलों, ड्रोन एवं यूएवी से भारत पर भीषण हमला करने की कोशिश की लेकिन हमारी परत दर परत मजबूत एवं आधुनिक स्वदेशी रक्षा प्रणाली उसके सामने अभेद्य दीवार साबित हुई। एयर मार्शल एके भारती ने कहा, कल हमने पाकिस्तान के कब्जे वाले जम्मू-कश्मीर और पाकिस्तान में आतंकी ढांचे को नष्ट करने के लिए की गई सफल संयुक्त कार्रवाइयों के बारे में विस्तृत जानकारी दी थी।

हमारा निशाना आतंकवादी थे, पाक सेना ने इसे अपनी लड़ाई बनाया

नयी दिल्ली। भारतीय सशस्त्र सेनाओं ने आज कहा कि उनकी लड़ाई आतंकवाद और आतंकवादियों से थी और पाकिस्तानी सेना के आतंकवादियों के पक्ष में लड़ाई में उतरने के कारण भारत को उसके सैनिक ठिकानों को निशाना बनाना पड़ा जिसके लिए पाकिस्तानी सेना खुद जिम्मेदार है।

भारतीय वायुसेना, नौसेना एवं थल सेना के सैन्य अभियान महानिदेशकों ने यहां एक संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा, तुर्की के ड्रोन हों या कहीं की भी कोई अन्य शस्त्र तकनीक हो.. हमारी स्वदेशी रक्षा प्रणाली, प्रशिक्षित योद्धा उससे मुकाबले के लिए तैयार हैं। ऑपरेशन सिन्दूर में हमारा नुकसान बेहद मामूली रहा है। हमारे सभी सैन्य प्रतिष्ठान, उपकरण, शस्त्र प्रणालियां पूरी तरह से कार्यशील हैं, जरूरत पड़ने पर हम अगले मिशन के लिए तैयार हैं। वायुसैनिक अभियान महानिदेशक एयर मार्शल ए के भारती ने कहा कि पाकिस्तान की सेनाओं ने विमानों, मिसाइलों, ड्रोन एवं यूएवी से भारत पर भीषण हमला करने की कोशिश की लेकिन हमारी परत दर परत मजबूत एवं आधुनिक स्वदेशी रक्षा प्रणाली उसके सामने अभेद्य दीवार साबित हुई। एयर मार्शल भारती ने दोहराया, ह्लहमारी लड़ाई आतंकवादियों एवं आतंकवाद से थी, पाकिस्तानी सेना से नहीं। पह अफसोस की बात है कि पाकिस्तानी सेना ने आतंकवादियों के समर्थन में इस लड़ाई में शामिल होने का फैसला किया। इसलिए इस संघर्ष में पाकिस्तान को जो भी नुकसान हुआ है, उसके लिए वे खुद जिम्मेदार हैं ह्व उन्होंने आतंकवादियों के व्यवहार में आये अंतर का उल्लेख करते हुए कहा कि पिछले कुछ वर्षों से आतंकवादी धार्मिक स्थलों एवं यात्राओं को निशाना बनाने लगे थे और पहलगाम में उनका पाप का घड़ा भर गया था। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिन्दूर के दौरान पाकिस्तानी सेना द्वारा इस्तेमाल किये गये चीन निर्मित हथियार नाकाम साबित हुए हैं। उन्होंने यह भी कहा कि वायुरक्षा प्रणाली को संदर्भों में समझने की जरूरत है। पिछले दस साल में सरकार से सेनाओं को जो बजटीय समर्थन मिला है उससे हमें देश की वायुरक्षा प्रणाली मजबूत एवं आधुनिक बनाने में बड़ी मदद मिली है। उन्होंने कहा कि ऑपरेशन सिन्दूर में तीनों सेनाओं, सीमा सुरक्षा बल, और सरकारी एजेंसियों का पूरा समन्वय रहा।

हमारे युद्ध-सिस्टम पूरी तरह सफल

एके भारती ने कहा, हमारे युद्ध-सिद्ध सिस्टम समय की कसौटी पर खरे उतरे हैं और उन्होंने (पाकिस्तान) का डटकर मुकाबला किया है। एक और खास बात स्वदेशी वायु रक्षा प्रणाली, आकाश सिस्टम का शानदार प्रदर्शन रहा। पिछले एक दशक में भारत सरकार के बजटीय और नीतिगत समर्थन के कारण ही इतना मजबूत वायु रक्षा वातावरण तैयार करना और संचालित करना संभव हो सका। एयर डिफेंस सिस्टम की हमारे पास वैरायटी है, लो लेवल फायरिंग, सरफेस टू एयर मिसाइल, लॉन्ग और शॉर्ट रेंज मिसाइल शामिल हैं। उन्होंने कहा, पाकिस्तान द्वारा इस्तेमाल ड्रोन और मानव रहित युद्धक हवाई वाहनों की कई लहरों को स्वदेशी रूप से विकसित सॉफ्ट और हार्ड किल काउंटर-यूएएस सिस्टम और अच्छी तरह से प्रशिक्षित भारतीय वायु रक्षा कर्मियों ने नाकाम कर दिया।

श्रीलंका में बस हादसा 22 बौद्धों की हुई मौत

एजेंसी

कोलंबो। श्रीलंका में कल सुबह हुई बस दुर्घटना में कम से कम 22 बौद्धों की मौत हो गई। यह हादसा गारडीला क्षेत्र के रामबोडा में फॉल्स के पास हुआ। यह सरकारी बस है। बस चट्टान से टकरा कर 100 फीट नीचे खाई में पलट गई। बस कटारगामा से कुरुनेगला तक चलती है। डेली न्यूज की खबर के अनुसार, दुर्घटनास्थल पर आपातकालीन निकासी के लिए हेलीकॉप्टर को स्टैंडबाय पर रखा गया है। सरकार ने राहत और बचाव अभियान तेज किया है। इस हादसे में 30 से अधिक लोग घायल हुए हैं। मृतकों में 16 पुरुष और छह महिलाएं शामिल हैं। पुलिस के अनुसार, बस में 60-70 यात्री सवार थे। घायलों को कोटमाले, गमपोला, नवलपिटिया और नुवारा एलिया अस्पतालों में भर्ती कराया गया है। अस्पताल के अधिकारियों ने बताया कि घायलों में से कई की हालत गंभीर है।

बस में फंसे यात्रियों को निकालने के लिए बचाव अभियान जारी है। रक्षा मंत्रालय के सचिव के निदेर्शों के तहत श्रीलंका वायु सेना ने रत्मालाना हवाई अड्डे पर दो बेल 412 हेलीकॉप्टरों को स्टैंडबाय पर रखा है, ताकि जरूरत पड़ने पर आपातकालीन निकासी में मदद मिल सके। इस त्रासदी के जवाब में, सरकार ने घोषणा की है कि दुर्घटना के प्रत्येक पीड़ित के परिवारों को 10 लाख रुपये का मुआवजा दिया जाएगा। इस निर्णय की पुष्टि परिवहन उपमंत्री डॉ. प्रसन्ना गुनासेना ने की। कोटमाले पुलिस घटना की जांच कर रही है।

'भारत माता की जय' की गूंज के बीच इम्तियाज को दी गयी अंतिम विदायी

एजेंसी

पटना। पाकिस्तान की ओर से जम्मू-कश्मीर के आरएस पुरा सेक्टर में 10 मई को की गई गोलीबारी में वीरगति को प्राप्त हुये सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के सब-इंस्पेक्टर मोहम्मद इम्तियाज को सोमवार को अंतिम विदायी दी गयी। तमाम सरकारी रस्म और गार्ड ऑफ ऑनर की आदायगी के बाद बलिदानी को नम आंखो से विदा किया गया। इससे पहले जनाजे की नमाज अता की गयी। इस मौके पर ग्रामीणों ने वीर शहीद मोहम्मद इम्तियाज अमर रहे, हिन्दुस्तान जिंदाबाद और भारत माता की जय के नारे लगाये।

सारण जिले के गड़खा थाना क्षेत्र के जलालबसंत पंचायत के नारायणपुर गांव में शहीद का पार्थिव शरीर पहुंचते ही ग्रामाणों का सैलाब उमड़ पड़ा। पटना से गड़खा पार्थिव शरीर के आने के क्रम में सैकड़ों जगह पर लोगों ने श्रद्धांजलि दी। शहीद के पार्थिव शरीर के गांव नारायणपुर तक जाने के क्रम में करीब दो किलोमीटर तक सड़क के दोनों तरफ हजारों की संख्या में भीड़ उनके अंतिम दर्शन के लिए उमड़ पड़ी। लोगों के हाथों में तिरंगा लहरा रहा था। लोग लगातार हिंदुस्तान जिंदाबाद, भारत माता की जय के नारे भी लगा रहे थे।

इससे पहले शहीद के पार्थिव शरीर को पटना लाया गया। एयरपोर्ट पर शहीद को भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की गयी। श्रद्धांजलि देने वालों में राज्य के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, पथ निर्माण मंत्री नितिन नवीन, बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष दिलीप जायसवाल, नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव समेत कई अन्य नेता शामिल रहे। सभी ने शहीद को पुष्प अर्पित कर नमन किया और शहीद के परिवार के प्रति अपनी संवेदनाएं व्यक्त की। शहीद के बेटे इमरान रजा ने कहा मेरे पिता बहुत मजबूत इंसान थे और मुझे उन पर बहुत गर्व है। 10 मई को सुबह 5:30 बजे उनसे बात की थी। ड्रोन हमले में उनके दाहिने पैर में चोट लग गई थी। यह आखिरी बार था जब मैंने उनसे बात की थी। सरकार को पाकिस्तान को ऐसा सबक सिखाना चाहिए और ऐसा मुंहतोड़ जवाब देना चाहिए कि कोई बेटा अपने पिता से दूर न रह सके। शहीद के बेटे का अपने पिता के शहादत का दर्द इतना गहरा है कि ना रूकने वाली उसकी सिसकियों ने वहां उपस्थित सभी की आंखे नम कर दी। शहीद के बेटे ने कहा कि अब पाकिस्तान को ऐसा सबक सिखाओ कि किसी और के अब्बा का जनाजा न निकले। उसने कहा कि उन्हें अपने पिता पर गर्व है।

विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास पर भावुक हुई अनुष्का

भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास लेने की घोषणा के बाद से उनके सभी क्रिकेट प्रशंसक भावुक हो गए हैं। टेस्ट क्रिकेट में 14 साल का सफर समाप्त होने पर विराट को हर तरफ से भावनात्मक विदाई मिल रही है। विराट के इस निर्णय पर उनकी पत्नी अनुष्का शर्मा ने भी अब सोशल मीडिया पर एक इमोशनल पोस्ट शेयर किया है।

टेस्ट मैच के बाद की विराट की एक फोटो शेयर करते हुए अनुष्का ने लिखा, क्रिकेट की दुनिया में आपने जो रिकॉर्ड और माइलस्टोन बनाए हैं, उनके बारे में हर कोई बात करेगा... लेकिन इन सबमें मैंने वो आंसू देखे हैं, जो आपने सबसे छिपाए हैं, वो संघर्ष जो किसी ने नहीं देखा और इस खेल के लिए आपका अटूट प्यार। मुझे पता है कि इस बीच आपने क्या खोया है। प्रत्येक टेस्ट सीरीज के बाद आप और अधिक अनुभवी, थोड़े अधिक विनम्र होकर लौटे हैं... इस यात्रा में आपको आगे बढ़ते देखना वास्तव में मेरा सौभाग्य रहा है।

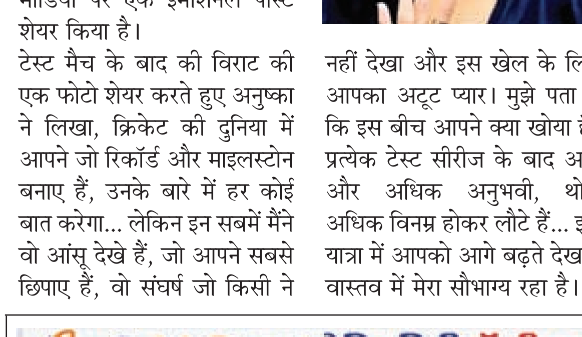

संघर्ष विराम और मजबूत ग्लोबल संकेतों से झूमा शेयर बाजार

स्टॉक मार्केट में दिखी 4 साल की सबसे बड़ी सिंगल डे रैली

एजेंसी

नई दिल्ली। भारत और पाकिस्तान के बीच संघर्ष विराम का ऐलान होने के बाद आज घरेलू शेयर बाजार में पिछले 4 साल की सबसे बड़ी तेजी दर्ज की गई। आज के कारोबार के दौरान सेंसेक्स इंट्रा-डे में 3 हजार अंक से भी अधिक उछल गया। इसी तरह निफ्टी ने भी 900 अंक से अधिक की छलांग लगाई। पिछले 4 सालों में सेंसेक्स और निफ्टी की ये अभी तक की सबसे बड़ी सिंगल डे रैली रही है। अगर वृद्धि प्रतिशत की बात की जाए, तो आज के कारोबार में सेंसेक्स 3.74 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुआ। वहीं निफ्टी ने 3.82 प्रतिशत की तेजी के साथ आज के कारोबार का अंत किया। वृद्धि प्रतिशत के लिहाज से 2021 से लेकर अभी तक की अवधि में ये शेयर बाजार की दूसरी सबसे बड़ी बढ़त रही। इसके पहले 1 फरवरी 2021 को सेंसेक्स और निफ्टी 4.7 प्रतिशत की मजबूती के साथ बंद हुए थे।

भारत और पाकिस्तान के बीच सीमा पर बने तनाव के कम होने से निवेशकों के सेंटीमेंट्स में काफी सुधार हुआ है। इसके साथ ही अमेरिका और चीन के बीच ट्रेड और टैरिफ को लेकर सकारात्मक बातचीत हो जाने के कारण भी मार्केट सेंटीमेंट्स पॉजिटिव हुए हैं। यही कारण है कि घरेलू शेयर बाजार में आज चौतरफा तेजी का माहौल बना रहा, जिसकी वजह से शेयर बाजार के निवेशकों को 1 दिन में ही 16 लाख करोड़ रुपये से अधिक का मुनाफा हो गया।

आज के कारोबार की शुरूआत जोरदार मजबूती के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी की रफ्तार तेज होती चली गई। दोपहर 12 बजे के करीब बाजार में कुछ देर के लिए बिकवाली का मामूली दबाव बनता हुआ नजर आया, लेकिन थोड़ी ही देर बाद खरीदारों ने एक बार फिर लिवाली का जोर बना दिया, जिससे शेयर बाजार की चाल में जोरदार तेजी आ गई।

आज दिनभर के कारोबार के दौरान बीएसई के सभी सेक्टोरल इंडेक्स मजबूती के साथ हरे निशान में बंद हुए। आईटी इंडेक्स ने पिछले 5 सालों के दौरान सबसे बड़ी इंट्रा-डे तेजी दर्ज की। यह सूचकांक आज 2,402.45 अंक यानी 6.70 प्रतिशत की बढ़त के साथ बंद हुआ। इसी तरह मेटल, एनर्जी और रियल्टी सेक्टर के शेयरों में भी आज लगातार खरीदारी होती रही। इसके अलावा बैंकिंग और ऑटोमोबाइल इंडेक्स भी जोरदार तेजी हासिल करने में सफल रहे।